राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

हर खबर पर पकड़

11 साइना ने कांग्रेस नेता की महिला विरोधी...

5 दशक में पहली बार चौधरी परिवार की... 12

वर्ष : 14 | अंक : 316 | नई दिल्ली, रविवार, 31 मार्च, 2024 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

अधिकतम तापमान 30°C
न्यूनतम तापमान 21°C

बाजार

सोना 69,040

चांदी 78,900

सेंसेक्स 73,635

निफ्टी 22,326

राष्ट्रपति मुर्मू भाजपा के दिग्गज नेता आडवाणी को घर जाकर उन्हें करेंगी भारत रत्न से सम्मानित

देश की चार महान हस्तियों को राष्ट्रपति भवन में किया सम्मानित

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में शनिवार को आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश की चार महान हस्तियों, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कपूर्री ठाकुर, देश के पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव सहित चौधरी चरण सिंह और देश के प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित किया। इन चारों विभूतियों को मरणोपरांत यह सम्मान दिया गया है। जबकि देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी को भी भारत रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाना है। लेकिन अस्वस्थ होने के कारण वे शनिवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार, 31 मार्च को आडवाणी के घर जाकर उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करेंगी। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई अन्य महत्वपूर्ण व्यक्ति भी मौजूद रह सकते हैं। बता दें कि शनिवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कपूर्री ठाकुर को राष्ट्रपति मुर्मू ने देश के सबसे बड़े सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया। स्वर्गीय कपूर्री ठाकुर के पुत्र रामनाथ ठाकुर ने यह सम्मान प्राप्त किया। देश के पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को भी मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उनके पुत्र पीवी प्रभाकर राव ने यह सम्मान प्राप्त किया। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री एवं किसानों के मसीहा माने जाने वाले चौधरी चरण सिंह को भी मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उनके पोते जयंत चौधरी ने यह सम्मान प्राप्त किया। देश के प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भी (मरणोपरांत) भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उनकी बेटी नित्या राव ने राष्ट्रपति मुर्मू से यह सम्मान प्राप्त किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित केंद्र सरकार के कई मंत्री एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पीएम मोदी ने भारत रत्न से सम्मानित हस्तियों को दी श्रद्धांजलि

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किए गए लोगों के योगदान की सराहना की और पूर्व प्रधानमंत्रियों पी वी नरसिंह राव और चौधरी चरण सिंह सहित अन्य दिग्गजों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कपूर्री ठाकुर जी को भारत रत्न एक ऐसी विभूति को सच्ची श्रद्धांजलि है, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय और समानता के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि जननायक कपूर्री ठाकुर को समाज के अत्यंत पिछड़े वर्ग के मसीहा के रूप में जाना जाता है और समाज में हाशिये पर खड़े लोगों के उत्थान के लिए उन्होंने अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

एंबुलेंस के दुर्घटनाग्रस्त होने से 11 जवान घायल

जगदलपुर। छत्तीसगढ के बस्तर के रतेंगा में सीआरपीएफ जवानों से भरी एक एंबुलेंस के आज दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 11 जवान और एंबुलेंस चालक घायल हो गए। सूत्रों के अनुसार बस्तर के रतेंगा में सीआरपीएफ जवानों से भरी एक एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सभी जवान 188 बटालियन के हैं और एंबुलेंस द्वारा चुनावी ड्यूटी के लिए कोंडागांव जा रहे थे। इस हादसे में 11 जवान और एंबुलेंस चालक घायल हुए हैं। जवानों को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोहंडीगुड़ा भेजा गया है। ये सभी जवान पुस्पाल कैम्प से रवाना हुए थे। इसी दौरान रतेंगा अंधा मोड़ पर एंबुलेंस रोड से नीचे उतर कर पलट गई। हादसे में घायल हुए सात जवानों को डिमरापाल मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। फिलहाल सभी जवान खतरे से बाहर बताए गए हैं।

गुजरात के एक और युवक की विदेश में हत्या

भरुच। फिर एक बार विदेश में गुजरात के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई दक्षिण अफ्रीका में नीग्रो शख्स ने दक्षिण गुजरात के भरुच के मूल निवासी साहिल अब्दुल अजीज मुंशी को लूट के इरादे से मौत के घाट उतार दियो भरुच जिले की जंबुसर तहसील के सारोद गांव का मूल निवासी साहिल अब्दुल अजीज मुंशी दक्षिण अफ्रीका में नौकरी करता थो नौकरी से छूटकर साहिल मुंशी जब अपनी गाडी में घर की ओर जा रहा था, तब कुछ नीग्रो शख्सों ने लूट के इरादे से उसे रोकने का प्रयास कियो नीग्रो शख्सों की मंशा भांप चुके साहिल मुंशी ने अपनी गाड़ी की रफ्तार बढ़ा दी साहिल की गाड़ी की रफ्तार बढ़ने पर नीग्रो उसका पीछा करने लगे और कुछ दूर पहुंचकर आखिरकार उसे रोक लियो गाड़ी रुकते ही साहिल पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा कर उसे मौत के घाट उतार दिया।

15 साल बाद पहली बार मेरठ में भाजपा ओर रालोद एक साथ शेयर करेंगे मंच

- पांच लोकसभा सीटों को साधने के लिए पीएम मोदी, सीएम योगी और जयंत चौधरी होंगे साथ

प्रातः किरण/एजेंसी

मेरठ। बीते 15 साल बाद पहली बार मेरठ में भाजपा और रालोद का कुनबा एक साथ दिखाई देगा। वजह ये है कि मेरठ से पांच लोकसभा सीटों को साधने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रालोद के जयंत चौधरी एक मंच पर रहेंगे। 31 मार्च यानी कल मेरठ में होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली कई सियासी मामलों में अलग होने जा रही है। 15 साल बाद ये पहली रैली होगी जिसमें रालोद मुखिया चौधरी जयंत सिंह भाजपा के साथ मंच साझा करेंगे। मोदी और जयंत के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रैली से पांच लोकसभा सीटों को साधेंगे।

वर्ष 2002 के विधानसभा चुनाव में रालोद ने भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा, जिसमें आरएलडी 14 सीटें जीतने में सफल रही, लेकिन चुनाव के बाद अजित सिंह ने अटल सरकार से इस्तीफा दे दिया और भाजपा ने गठबंधन तोड़ लिया। इस लिहाज से ये रैली दोनों दलों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। रैली के जरिए मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर के अलावा कैराना और बिजनौर लोकसभा को साधा जाएगा। रालोद को अमूमन सबसे ज्यादा भाजपा का साथ ही रास आया है। 2009 के लोकसभा चुनाव में चौधरी जयंत सिंह भाजपा गठबंधन में ही मथुरा से सांसद निर्वाचित हुए।

रालोद को भाजपा ने सात लोकसभा सीटें दी। इनमें मुजफ्फरनगर और नगीना को छोड़कर रालोद ने बागपत, हाथरस, मथुरा, अमरोहा और बिजनौर लोकसभा सीट पर जीत हासिल की।

प्रधानमंत्री की रैली के लिए चार हेलीपैड बनाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के तीन हेलीकॉप्टर के लिए केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के मैदान में तीन हेलीपैड बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर सभा स्थल से 200 मीटर दूर रोम्बस स्कूल में उतरेगा। एसपीजी ने हेलीकॉप्टर लैंडिंग का रिहर्सल देखकर दिशा निर्देश दिए। पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों ने रैली स्थल का निरीक्षण किया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के भी आने की चर्चा है, ऐसी सूरत में पांचवां हेलीपैड भी बनाया जा सकता है। तीन लाख की भीड़ का लक्ष्य, 18 सौ बसें लगाईं केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के मैदान पर रविवार शाम साढ़े तीन बजे होने वाली प्रधानमंत्री की रैली के लिए भाजपा ने पूरी ताकत लगा दी है। शुक्रवार को हुई बैठक में भाजपा के जिलाध्यक्ष शिवकुमार राणा ने बताया कि रैली में 18 सौ बसों, छह सौ कारों और ट्रैक्टर के जरिए तीन लाख लोगों को जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। पांच किलोमीटर के दायरे में गांव-कालोनी में जाकर रैली में आने का आह्वान किया जा रहा है। क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर ने कहा कि यह 2024 के चुनाव की पहली रैली है। कार्यकताओं का सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री क्रांति धरा से चुनावी अभियान की शुरूआत करने जा रहे हैं।

महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक विषमता और ध्रुवीकरण होगा महारैली का मुख्य मुद्दा: जयराम रमेश

- जयराम रमेश ने कहा कि यह आईएनडीआईए में शामिल सभी 28 पार्टियों की रैली है

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में महारैली करने जा रहा है। इस संबंध में कांग्रेस नेता जयराम रमेश का कहना है कि रैली का मुख्य मुद्दा महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक विषमता और ध्रुवीकरण होगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश (संचार) ने कांग्रेस मुख्यालय में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में इस संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। जयराम रमेश ने कहा कि 31 मार्च (रविवार) की रैली लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए है, इसलिए नाम लोकतंत्र बचाओ रैली रखा गया है। जयराम रमेश ने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा की समाप्ति के बाद मुंबई में आईएनडीआईए गठबंधन की एक बड़ी रैली हुई थी। वहां पर पहला शंखनाद हुआ था और कल (रविवार) दूसरा बड़ा शंखनाद होगा। इस रैली में पूरा आईएनडीआईए शामिल है। इस रैली में देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक विषमता और सामाजिक ध्रुवीकरण मुख्य मुद्दा होगा। दिल्ली में प्रस्तावित रैली को लेकर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) दोनों तैयारियों में जुट गई है। शनिवार को एक तरफ जहां आप के विधायक आयोजन स्थल पर तैयारियों का जाएजा लेने पहुंचे। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के नेताओं ने एक संवाददाता सम्मेलन कर स्पष्ट कर दिया कि यह किसी पार्टी की रैली नहीं होगी यह किसी व्यक्ति की रैली नहीं है। जयराम रमेश ने कहा कि यह आईएनडीआईए में शामिल सभी 28 पार्टियों की रैली है। यह अलग बात है कि पश्चिम बंगाल में सीट शेयरिंग फामूर्ला लागू नहीं हुआ फिर भी तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गठबंधन की इस लोकतंत्र बचाओ रैली में शामिल होंगे। इस मौके पर कांग्रेस के नेता पवन खेड़ा ने कर्नाटक की राजनीति में सक्रिय रहीं तेजस्विनी गौड़ा को पार्टी की सदस्यता दिलाई और पार्टी में दोबारा से शामिल होने पर स्वागत किया। तेजस्विनी गौड़ा 2004-09 के दौरान कांग्रेस की सांसद थी। इसके बाद वे मार्च 2014 में उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी और भाजपा में शामिल हो गईं। मार्च 2024 में उन्होंने कर्नाटक विधान परिषद सदस्य के पद से इस्तीफा दे दिया।

आयकर विभाग के 'साक्ष्य' बढ़ाएंगे कांग्रेस की मुसीबत

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर विभाग द्वारा की जा रही कार्रवाई पर कांग्रेस लगातार सवाल उठा रही है, लेकिन उसे विभिन्न न्यायिक निकायों से किसी भी तरह की राहत नहीं मिल पाई है। सूत्रों की मानें तो आयकर विभाग ने कोर्ट में इस मामले में ठोस सबूत पेश कर दिए हैं। इन सबूतों के जरिए कोर्ट के सामने यह बात रखी गई है कि कांग्रेस पार्टी को साल 2013 और 2019 के बीच 626 करोड़ की राशि प्राप्त हुई। सूत्रों के अनुसार, अब आयकर विभाग कांग्रेस से कुल 2,500 करोड़ रुपये से ज्यादा वसूल सकता है। सूत्रों के मुताबिक, अप्रैल 2019 में आयकर विभाग के छापों में कांग्रेस द्वारा मेघा इंजीनियरिंग और एक कंपनी से नकदी प्राप्त होने के बारे में जानकारी दी गई है। यह कंपनी कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ के सहयोगी के करीबियों की बताई जा रही है। इन कंपनियों के जरिए कांग्रेस को साल 2013-14 से 2018-19 तक 626 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे। सूत्रों ने बताया कि मेघा इंजीनियरिंग ने नकद राशि ठेकों के लिए दी थी। कमलनाथ के सहयोगियों से प्राप्त यह राशि मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार से जुड़ी थी, जिसमें वरिष्ठ नौकरशाहों, मंत्रियों, व्यापारियों आदि समेत कई लोगों से रिश्वत के रूप में वसूली की बात सामने आई थी। इस नकदी की पुष्टि कई तरीकों से की गई है, जैसे तलाशी के दौरान मिले दस्तावेज, व्हाट्सएप मैसेज और दर्ज किए गए बयान। साक्ष्य में कांग्रेस नेता कमलनाथ के आधिकारिक आवास से एआईसीसी दफ्तर तक 20 करोड़ रुपये के विशिष्ट भुगतान का जिक्र किया गया है। सूत्रों के अनुसार, आयकर अधिनियम की धारा 13ए के तहत, यदि कई शर्तें पूरी होती हैं, तो एक सियासी पार्टी द्वारा प्राप्त आय के लिए छूट दी जाती है।

स्व. चौधरी को 'भारत रत्न' मिलना 'ग्रामीण भारत का सम्मान'

किसानों के मसीहा के नाम से विख्यात पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को शनिवार को भारत रत्न दिया गया। किसानों के उत्थान के लिए अनेक कार्यों समेत 'भूमि सुधार' करने वाले स्व. चौधरी को 'भारत रत्न' का सम्मान मिलना असली मायने में 'ग्रामीण भारत का सम्मान' है। यह सम्मान 'ईमानदार और बेदाग छवि के नेताओं' का सम्मान भी कहा जा सकता है। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय महासचिव केसी त्यागी कहते हैं कि चौधरी साहब को भारत रत्न का सम्मान मिलना असल में ग्रामीण भारत का सम्मान है। वे ग्रामीण भारत के उत्थान और उसकी प्राथमिकताओं के लिए पंडित नेहरू से भिड़ने वालों में से एक थे। राजनीतिक नुकसान के बाद भी वे ऐसा करने से रुकने वालों में नहीं थे। नागपुर सम्मेलन में नेहरू का विरोध सर्वविदित है। उनके भूमि सुधार कार्यक्रम से बड़े जमींदार नाराज हो गए थे। मिनिमम स्पोर्ट प्राइज का कॉन्सेप्ट भी उनका ही है। गांव विकास के लिए ज्यादा धन आवंटित करने के लिए उनका लड़ाका स्वभाव ही ने उन्हें अन्य राजनेताओं से अलग पहचान दी।

दुनिया की तस्वीर बदल सकती है डीपीआई जैसी 'मेड इन इंडिया' तकनीक: बिल गेट्स

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक और अरबपति कारोबारी बिल गेट्स ने शनिवार को कहा कि भारत में बनाई गई डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) जैसी तकनीक दुनिया के लिए परिवर्तनकारी हो सकती हैं। एआई से लेकर स्वास्थ्य सेवा और जलवायु परिवर्तन तक कई विषयों पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के एक दिन बाद, गेट्स ने कहा कि प्रौद्योगिकी देश में लाखों लोगों के लिए डिजिटल विभाजन को पाट रही है। गेट्स ने एक्स पर पोस्ट किया, अपनी भारत यात्रा के दौरान, मैंने देखा कि कैसे एआई और डीपीआई छोटे किसानों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और जीवन तक पहुंच में सुधार कर रहे हैं। ये प्रौद्योगिकियां दुनिया के लिए परिवर्तनकारी हो सकती हैं। गौरतलब है कि हाल ही में नैसकॉम की अगुवाई वाली एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और आधार जैसे डीपीआई भारत को 2030 तक 8 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर ले जाने के लिए तैयार हैं। इससे देश को 1 ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। गेट्स के साथ अपनी बातचीत के दौरान, पीएम मोदी ने एआई से लेकर डिजिटल प्रौद्योगिकी में भारत की प्रभावशाली प्रगति समेत कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की थी।

भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए घोषणा पत्र समिति बनाई, राजनाथ होंगे अध्यक्ष

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए शनिवार को 27 सदस्यीय घोषणा पत्र समिति गठित कर दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को इस समिति का अध्यक्ष, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को संयोजक और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को सह-संयोजक बनाया गया है। भाजपा महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने इस समिति के गठन को मंजूरी दी है। समिति में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, भूपेंद्र यादव, अश्विनी वैष्णव, धर्मेंद्र प्रधान, स्मृति ईरानी और राजीव चंद्रशेखर के अलावा पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और कुछ पूर्व उपमुख्यमंत्री भी शामिल हैं। मुख्यमंत्रियों में गुजरात के भूपेंद्र पटेल, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, असम के हिमंत विश्व शर्मा और छत्तीसगढ़ के विष्णु देव साय के नाम हैं जबकि पूर्व मुख्यमंत्रियों में शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे के नाम हैं। समिति के अन्य सदस्यों में पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, राधामोहन दास अग्रवाल, राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा, ओ पी धनखड़, अनिल एंटनी शामिल हैं।

मध्यप्रदेश: कांग्रेस ने दलबदलुओं को कचरा करार दिया

भोपाल। लोकसभा चुनाव से पहले मध्यप्रदेश में कांग्रेस नेताओं के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में चले जाने के बीच 'कचरा' और 'कचरादान' जैसे शब्द राजनीतिक चर्चा का हिस्सा बन गए हैं क्योंकि विपक्षी इन शब्दों का इस्तेमाल दलबदलुओं पर निशाना साधने के लिए कर रहे हैं, जबकि सत्तारूढ़ दल भी उसी शैली में पलटवार करता नजर आ रहा है।

केंद्र सरकार के खिलाफ भारतीय युवा कांग्रेस का जोरदार विरोध प्रदर्शन

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर विभाग के जरिए कांग्रेस के खिलाफ मोदी सरकार के 'टैक्स टेरोरिज्म' को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी के नेतृत्व में भारतीय युवा कांग्रेस ने केंद्र के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने कहा, "भाजपा विपक्ष को कमजोर करने के लिए टैक्स टेरोरिज्म का सहारा ले रही है। केंद्र सरकार लगातार अलग-अलग तरीकों से विपक्षी पार्टी को कमजोर करने का प्रयास कर रही है, लेकिन कांग्रेस इन हथकंडों से डरने वाली नहीं। पूरे देश को पता चल गया है कि भाजपा ने चुनावी बॉन्ड घोटाले के जरिए करीब 8,250 करोड़ रुपये का चंदा इकट्ठा किया है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड को संविधान के खिलाफ बताया है। आयकर विभाग (आईटी) और चुनाव आयोग भाजपा की कमियों पर आंखें मूंदे हुए हैं, उन्हें केवल कांग्रेस दिख रही है।

आईटी विभाग के नियमों की आड़ में कांग्रेस को परेशान किया जा रहा है। क्या भाजपा के खिलाफ समान नियम लागू नहीं होते हैं। आईटी विभाग गलत तरीके से कांग्रेस पर जुमार्ना लगा रहा है और रुपयों की मांग कर रहा है। इन बातों से साफ संकेत मिलता है कि आईटी विभाग को भाजपा की कमियां नहीं दिख रहीं। श्रीनिवास बीवी ने मांग की कि आईटी विभाग से भाजपा को 4 हजार 600 करोड़ रुपये का नोटिस दिया जाना चाहिए था और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस के कई कार्यकर्ता श्रीनिवास बीवी के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन के लिए डॉ. राजेंद्र प्रसाद रोड जा रहे थे। दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर कई युवा कांग्रेस कार्यकताओं को हिरासत में ले लिया। इस मौके पर युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं दिल्ली प्रभारी कोको पाधी, राष्ट्रीय महासचिव मनीष चौधरी, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव मितेंद्र दर्शन सिंह, वर्धन यादव, सत्यवान गहलोत, दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष रणविजय लोचव, दिल्ली युवा कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष शुभम शर्मा समेत कई अन्य युवा कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रक्षेपण भारतीय सेना ने अंडमान और निकोबार द्वीप से दागी ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल

भारत ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति-सुरक्षा के लिए मजबूत क्षमता का किया प्रदर्शन

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना की पूर्वी कमान ने अंडमान और निकोबार द्वीप से लंबी दूरी की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल प्रक्षेपण करके हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए एक मजबूत ताकत के रूप में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। ब्रह्मोस मिसाइल ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के ऊपर ऊंची उड़ान भरते हुए एक बार फिर अपनी अद्वितीय शक्ति को साबित किया। सोच-समझकर किये गए मिसाइल हमले ने लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाया। इससे पहले भारतीय सेना ने पिछले साल 10 अक्टूबर और 03 नवंबर को 450 किलोमीटर या उससे अधिक की दूरी पर लक्ष्य को मारने वाली ब्रह्मोस के संस्करण का परीक्षण किया था। 29 मार्च को किये गए परीक्षण के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप में नो-फ्लाई जोन का सुझाव दिया गया था। विस्तारित रेंज वाली ब्रह्मोस 450 किलोमीटर तक लक्ष्य को भेद सकती है। भारतीय सेना की पूर्वी कमान ने एक बयान में बताया कि राइजिंग सन मिसाइल विशेषज्ञों ने अपनी लंबी दूरी की लक्ष्यीकरण क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इसके लिए एक अन्य द्वीप पर लक्ष्य रखा गया था, जिसे मिसाइल ने 90 डिग्री मुड़कर सटीक निशाना बनाया। इस सफल मिसाइल परीक्षण से भारतीय सेना के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। साथ ही दुश्मनों के लिए भारत और अधिक मजबूत हो गया है।

भारत के लगातार सफल परीक्षण किये जाने से विरोधियों की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। दुनिया की सबसे तेज ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के भूमि हमले संस्करण का पहला परीक्षण 24 नवम्बर, 2020 को भारतीय सेना ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से ही किया था। ब्रह्मोस लैंड-अटैक मिसाइल को चीन के खिलाफ लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में तैनात किया गया है। ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस कुछ सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान वास्तविक नियंत्रण रेखा के करीब एयरबेस में तैनात हैं। भारत और रूस के संयुक्त प्रयास से विकसित की गई ब्रह्मोस अब तक की सबसे आधुनिक प्रक्षेपास्त्र प्रणाली है, जिसने भारत को मिसाइल तकनीक में अग्रणी बना दिया है। ब्रह्मोस मिसाइल की रेंज 290 किलोमीटर से बढ़ाकर 800 किलोमीटर तक कर दी गई है और अब 1,000 मिलीमीटर की रेंज बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्टार्टअप के लिए विद्यार्थियों को मदद करेगी भारत सरकार

नैनीताल, एजेंसी। अपनी कंपनी बनाने में विद्यार्थियों को भारत सरकार मदद करेगी। इसके लिए कुमाऊं विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर से उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। ताकि यहां छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जाए और विद्यार्थी स्टार्टअप कर सके। वाणिज्य के विभागाध्यक्ष व संकायाध्यक्ष प्रो. अतुल जोशी ने बताया कि देवभूमि उद्यमिता योजना, उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड की ओर से कल यानि 30 मार्च से 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। जिसमें अधिकतम 45 छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के बाद जो छात्र स्टार्टअप के लिए इच्छुक होगा, भारत सरकार मदद करेगी। उन्होंने बताया कि उद्यमिता विकास कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं को के माध्यम से पंजीकरण कराना अनिवार्य है। कहा इसके लिए अधिक जानकारी विद्यार्थी वाणिज्य विभाग में डॉ. जीवन चंद्र उपाध्याय, डॉ. निधि वर्मा आदि ने संपर्क कर सकते हैं।

डांठ में चौराहे के चौड़ीकरण से पहले होगा यातायात व्यवस्था का ट्रायल

नैनीताल, एजेंसी। लोनिवि की ओर से तल्लीताल चौराहे में चौड़ीकरण कार्य से पहले डिजाइन बनाकर यातायात संचालित किया जाएगा। चार से छह अप्रैल तक चौराहे का डिजाइन तैयार होगा। नैनीताल शहर को जाम मुक्त रखने के लिए सात चौराहों का चौड़ीकरण किया जाना है। लोनिवि की 5.49 करोड़ के प्रस्ताव को शासन की स्वीकृति मिलने के बाद चौराहों के चौड़ीकरण का कार्य शुरू हो गया है। कार्यदायी संस्था की ओर से तल्लीताल डांठ के लिए बनाया गया डिजाइन यातायात व्यवस्था को संभाल पाएगा या नहीं, इसका पहले ट्रायल किया जाएगा। जिसके बाद ही मौके पर निर्माण कार्य होगा। लोनिवि के सहायक अभियंता जीएस जनौटी ने बताया कि नोएडा की संस्था के सदस्य तल्लीताल डांठ में डिजाइन बनाकर एक सप्ताह तक यातायात संचालन का ट्रायल करेंगे। ट्रायल सफल होने के बाद निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चार से छह अप्रैल तक सड़क में डिजाइन बनाने का कार्य किया जाएगा। जिसके बाद एक सप्ताह तक यातायात चलाया जाएगा।

माल रोड पर लगा लंबा जाम, यात्री, पर्यटक रहे परेशान

अल्मोड़ा, एजेंसी। आए दिन नगर की सड़कों पर लगने वाले जाम से आम यात्रियों के साथ ही पर्यटक परेशान हैं, लेकिन यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के दावे हो रहे हैं। माल रोड पर लंबा जाम लगने से यात्रियों और पर्यटकों को खासी दिक्कत झेलनी पड़ी। पर्यटन सीजन शुरू होते ही देश के विभिन्न हिस्सों के साथ ही विदेशों से पर्यटक अल्मोड़ा का रुख करने लगे हैं, इससे नगर में वाहनों का दबाव बढ़ गया है। पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था न होने से नगर की सड़कों पर आए दिन जाम लग रहा है, इससे पर्यटक परेशान हैं। बृहस्पतिवार को चौघानपाटा से डाकघर तक जाम लगा रहा। सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लगी रहीं। आधे घंटे बाद किसी तरह जाम खोला गया तब जाकर यात्री और पर्यटक अपने गंतव्य को रवाना हुए। यातायात प्रभारी दरबान सिंह ने कहा कि नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के कारण सड़क पर जाम लगा। पुलिस ऐसे वाहन चालकों का चालान कर रही है। यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बरमूडा घास से फिर हरा-भरा हुआ स्टेडियम

अल्मोड़ा, एजेंसी। हेमवती नंदन बहुगुणा स्पोर्ट्स स्टेडियम में लगाई गई बरमूडा घास से मैदान हरा-भरा नजर आने लगा है। पाले के चलते घास को काफी नुकसान पहुंचा था। कई स्थानों पर घास सूखने लगी थी। खेल विभाग की ओर से मैदान में स्थापित फव्वारों से घास की सिंचाई की जा रही है। गर्मी बढ़ने के साथ ही फिर से मैदान बरमूडा घास से हरा-भरा नजर आ रहा है। जिला क्रीड़ा अधिकारी अरुण बनग्याल ने बताया कि पाले के कारण घास सूख चुकी थी। मैदान का हस्तांतरण होने पर खिलाड़ियों के लिए मैदान खोला जाएगा।

फ्लैश बैक: 1989 के लोस चुनाव में अवैध मतों ने बिगाड़ दिया था गणित

अल्मोड़ा, एजेंसी।
1989 में हुए चुनाव में अल्मोड़ा संसदीय सीट पर अवैध मतों ने प्रत्याशियों का चुनावी गणित बनाने और बिगाड़ने का काम किया। इस चुनाव में 35 हजार मतपत्र अवैध घोषित हुए। नतीजतन पूरा चुनावी गणित बदल गया। अल्मोड़ा में नौंवी लोकसभा के लिए 1989 में हुए चुनाव में अल्मोड़ा संसदीय सीट पर अवैध मतों ने प्रत्याशियों का चुनावी गणित बनाने और बिगाड़ने का काम किया। इस चुनाव में 35 हजार मतपत्र अवैध घोषित हुए। नतीजतन पूरा चुनावी गणित बदल गया। 36 साल के युवा नेता यूकेडी के दिग्गज काशी सिंह ऐरी को कांग्रेस के हरीश रावत के हाथों सिर्फ 10 हजार वोट से अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा था, जबकि सभी को यह लग रहा था कि इस चुनाव में ऐरी बाजी मारेंगे। 1989 के लोकसभा चुनाव में अल्मोड़ा संसदीय सीट पर कांग्रेस ने लगातार दो बार के सांसद हरीश रावत को मैदान में उतारा। तब पर्वतीय क्षेत्र

के निवासियों को 27 फीसदी आरक्षण दिए जाने की मांग जोरों पर थी। इस मुहिम को 1985 में सीमांत विधानसभा क्षेत्र डीडीहाट का प्रतिनिधित्व कर चुके नई क्षेत्रीय पार्टी के युवा नेता काशी सिंह ऐरी धार दे रहे थे। तब ऐरी को यूकेडी ने लोकसभा चुनाव मैदान में उतारा था। यूकेडी और पार्टी के युवा नेता ऐरी को खासा जनसमर्थन मिल रहा था। गढ़वाल की सीमा से लेकर चीन और नेपाल सीमा तक लोगों की जुबान पर ऐरी का नाम था और सबको लग रहा था कि इस बार वह मैदान मार ले जाएंगे। चुनाव के बाद मतगणना हुई और 35000 मत पत्र अवैध घोषित हो गए। नतीजतन हरीश रावत को विजश्री मिली। काशी सिंह ऐरी को 10701 वोट से हार का सामना करना पड़ा और यूकेडी के चुनाव चिह्न बाघ की दहाड़ शांत हो गई। इस चुनाव में हार का सामना करने के बाद भी ऐरी पहाड़ के बड़े नेता के रूप में उभरकर सामने आए। 1989 के लोकसभा चुनाव में अवैध मत पत्रों को लेकर हंगामा हुआ। निर्वाचन आयोग ने इसका कारण मतपत्रों पर स्याही फैलना बताया। अंत में हरीश रावत को 1,49,703 और काशी सिंह ऐरी को 1,38,902 मत मिले। इस चुनाव के बाद अलग राज्य निर्माण के लिए आंदोलन शुरू हुआ, इसमें यूकेडी और काशी सिंह ऐरी की सक्रिय भूमिका रही। बता दें कि, पहाड़ों में चल रहे ग्रामीण विकास कार्यक्रम अभी रोजी-रोटी कमाने के सार्थक विकल्प पैदा करने में विफल रहे हैं। मेरा मोटा अनुमान है कि कोविड-19 के दौरान पहाड़ में अपने घर लौटे 90 प्रतिशत से ज्यादा लोग और परिवार वापस शहरों में अपने काम-धंधे में लौट चुके हैं। इससे साबित होता है कि पहाड़ में चल रहे सरकारी कार्यक्रम विफल हो चुके हैं, फिर चाहे इसका कारण इन कार्यक्रमों का दोषपूर्ण प्रारूप हो या क्रियान्वयन के स्तर पर योजनाओं में लीकेज होना हो। शहरी जीवनशैली के आदी हो चुके लोग, बच्चे और परिवार पहाड़ के ग्रामीण परिवेश से तालमेल नहीं बैठा पाए। ' ठंडू से ठंडू मेरा पहाड़ा की हवा ठंडी, पाणी रे ठंडू' जैसे गीतों से बनी सोच ने गांव में रुकने के उनके फैसले को नहीं बदला और इस प्रकार वे 'मुझे पहाड़ी पहाड़ी मत बोलो' का राग ही अलापते रह गए। जब हालत यह हों कि राज्य के विधायक प्रस्तावित राजधानी गैरसैंण में शीतसत्र भी नहीं कराना चाहते हैं, तो इससे दिख जाता है कि पहाड़ी इलाकों में सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर का क्या स्तर होगा। पहाड़ से निकले लोगों का पहाड़ों में घर वापसी यानी रिवर्स माइग्रेशन का सफर अभी बहुत दूर की कौड़ी है।

पूर्णागिरि जा रहे श्रद्धालुओं पर फेंके पत्थर, एक महिला चोटिल

खटीमा, एजेंसी। मां पूर्णागिरि के दर्शन के लिए टनकपुर जा रहे श्रद्धालुओं पर शुक्रवार देर शाम टनकपुर मार्ग स्थित एक धर्मस्थल पर कुछ लोगों ने पत्थर मार दिए जिससे एक महिला श्रद्धालु चोटिल हो गई। हंगामे की आशंका पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत करवाया। इस दौरान कुछ लोगों ने एक दरोगा पर मारपीट करने का आरोप भी लगाया। घटना की जांच के लिए पुलिस टीम आसपास के सीसीटीवी खंगाल रही है। वहीं कोतवाली में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता पहुंचे और कार्रवाई की मांग करने लगे। हिमांशु कन्याल, प्रदीप ठाकुर, जितेंद्र विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे। मां पूर्णागिरि दर्शन के लिए शुक्रवार देर शाम पीलीभीत से करीब 25-30 श्रद्धालु एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में साउंड सिस्टम लगाकर टनकपुर की ओर जा रहे थे। श्रद्धालु जब टनकपुर मार्ग स्थित एक धर्मस्थल के सामने से जा रहे थे। तभी अचानक पत्थर लगने से एक महिला श्रद्धालु चोटिल हो गई। श्रद्धालुओं ने आरोप लगाया कि किसी व्यक्ति ने धर्मस्थल से पत्थर फेंका है।

33 परीक्षक रहे अनुपस्थित, हाईस्कूल, इंटर की 3854 कॉपियां जांचीं

अल्मोड़ा, एजेंसी। जिले में दूसरे दिन हाईस्कूल और इंटर की 3,854 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन केंद्रों में नियुक्त 281 परीक्षकों के सापेक्ष 33 परीक्षक अनुपस्थित रहे।

उप नियंत्रक उमेश पांडे ने बताया कि जीजीआईसी अल्मोड़ा में हाईस्कूल और इंटर की 53718 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाना है। बृहस्पतिवार को हाईस्कूल की 2064 और इंटर की 980 कुल 3044 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया। इस केंद्र में मूल्यांकन के लिए बोर्ड कार्यालय से 131 परीक्षकों की तैनाती की गई है। दूसरे दिन यहां 24 परीक्षक अनुपस्थित रहे। मिशन इंटर कॉलेज रानीखेत में 810 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया। हाईस्कूल की 510 और इंटर में 300 उत्तर पुस्तिकाएं जांची गईं। इस केंद्र में 109 परीक्षक तैनात किए गए हैं, लेकिन दूसरे दिन नौ परीक्षक अनुपस्थित रहे। 10 अप्रैल तक मूल्यांकन केंद्रों में हाईस्कूल और इंटर की 1,11055 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा। हाईस्कूल के परीक्षक को 40 और इंटर के परीक्षक को 30 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन रोजाना करना है।

रानीखेत में सैन्य क्षेत्र तक पहुंची जंगल की आग

रानीखेत (अल्मोड़ा), एजेंसी। रानीखेत के सैन्य क्षेत्र के पास जंगल में आग लग गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बृहस्पतिवार को सैन्य क्षेत्र के पास जंगल में आग लग गई। कुछ देर बाद ही आग आवासीय परिसर के पास शैतान सिंह मैदान तक पहुंच गई, इससे आसपास रह रहे लोगों में दहशत का माहौल रहा। लोग घरों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थान की तरफ दौड़े। उन्होंने घटना की सूचना दमकल को दी। एक घंटे की मशक्कत के बाद टीम ने आग पर काबू पाया। घटना में आधा हेक्टेयर जंगल जल गया है। फायर सीजन शुरू होने के बाद जंगल में आग लगने की घटनाओं में इजाफा हुआ है। इस फायर सीजन कोसी, हवालबाग, रानीखेत, जागेश्वर, दन्या सहित अन्य क्षेत्रों में आग लगने से सात हेक्टेयर से अधिक जंगल जल गए हैं। वन विभाग ने जंगलों को आग से सुरक्षित बचाने के लिए जिले भर में 150 से अधिक वरू सेंटर स्थापित किए हैं।

बाबा तरसेम की हत्या में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष समेत पांच पर मुकदमा

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी।
बाबा तरसेम सिंह की हत्या के मामले में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष व पूर्व आईएएस हरबंश सिंह चुघ, पूर्व महासचिव प्रीतम सिंह संधू और डेरा नानक पुरी टांडा के पूर्व सेवादार बाबा अनूप सिंह समेत पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। बाबा तरसेम सिंह की हत्या के मामले में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष व पूर्व आईएएस हरबंश सिंह चुघ, पूर्व महासचिव प्रीतम सिंह संधू और डेरा नानक पुरी टांडा के पूर्व सेवादार बाबा अनूप सिंह समेत पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। डेरे के सेवादार ने बृहस्पतिवार रात दी तहरीर में गुरुद्वारा साहिब की संपत्ति को खुर्द-बुर्द करने से रोकने पर बाबा तरसेम की हत्या का षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया है। धार्मिक डेरा कार सेवा के सेवादार जसवीर सिंह निवासी मुंडेली चारूबेटा ने बृहस्पतिवार देर रात नानकमत्ता थाने में सौंपी तहरीर कहा कि 28 मार्च की सुबह बाबा तरसेम सिंह कार सेवा परिसर में बैठकर सेवादारों से कार्य करा रहे थे। इसी दौरान बिना नंबर की बाइक पर सवार दो युवकों ने बाबा के पास पहुंचकर ऑटोमेटिक राइफल से उनको दो गोली मार दी। गोली की आवाज सुनकर वह, जसपाल सिंह और अन्य सेवादार हमलावरों को पकड़ने दौड़े तो उन्होंने जसपाल पर गोली चला दी, जो लंगर हाल के गेट पर लगी। बाइक चलाने वाले आरोपी का नाम सर्वजीत सिंह निवासी ग्राम मियाविंड जिला तरनतारन (पंजाब) और पीछे हथियार लेकर बैठे आरोपी का नाम अमरजीत सिंह उर्फ बिट्टू उर्फ गंडा ग्राम सिहौरा थाना बिलासपुर जिला रामपुर (यूपी) है। तहरीर में कहा गया है कि बाबा तरसेम सिंह गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब की संपत्ति को खुर्द-बुर्द करने से रोकते थे। इस कारण उसने गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व महासचिव व तराई महासभा के उपाध्यक्ष प्रीतम सिंह संधू निवासी ग्राम खेमपुर थाना गदरपुर, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान हरबंश सिंह चुघ और ग्राम नवाबगंज थाना बिलासपुर जिला रामपुर स्थित डेरे के जत्थेदार बाबा अनूप सिंह पर हत्या की साजिश में शामिल होने का शक जताया है। तहरीर में बताया कि गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब के सेवादार रक्षपाल सिंह ने पूर्व महासचिव प्रीतम सिंह संधू के खिलाफ अपने भाई को आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज कराया था। बाबा तरसेम सिंह रक्षपाल की मदद करते थे। उपरोक्त नामजद दो व्यक्तियों के अलावा कुछ अन्य लोगों पर भी हत्याकांड के षड्यंत्र में शामिल होने का शक जताया है। पुलिस ने आरोपियों लोगों के विरुद्ध आईपीसी की धारा 302, 120 बी व 34 के तहत रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी हैं। सेवादार ने बताया कि हत्यारोपी नानकमत्ता किसी अन्य वाहन से आए थे। हत्याकांड में प्रयुक्त बाइक व हथियार साजिश में शामिल स्थानीय व्यक्ति की ओर से उपलब्ध कराए गए हैं। हत्यारोपियों को वारदात से दो दिन पहले डेरे में घूमते देखा गया था। सोशल मीडिया पर हत्या के मामले में नामजद आरोपी सर्वजीत सिंह के नाम से बनी आईडी से एक पोस्ट की गई है। इसमें हत्या की जिम्मेदारी ली गई। पुलिस का कहना है कि अकाउंट की सत्यता की जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। बाबा तरसेम सिंह की हत्याकांड के बाद शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड अभिनव कुमार नानकमत्ता पहुंचे। उन्होंने डेरा कार सेवा परिसर में घटनास्थल का निरीक्षण कर घटना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाई। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को हत्याकांड के शीघ्र खुलासे के निर्देश दिए। दोपहर बाद हेलीकॉप्टर से नानकमत्ता पहुंचे पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार हेलीपेड पर उतरकर सीधे कार सेवा डेरा पहुंचे। जानकारी जुटाई। इसके बाद डेरा कार सेवा के कमरे में डीपीजी ने बाबा सुरेंद्र सिंह, बाबा श्याम सिंह और सेवादारों के साथ वार्ता की।

सुशीला तिवारी अस्पताल के शौचालय में मिला चार महीने का भ्रूण, जांच में पुलिस

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल के शौचालय में शुक्रवार को भ्रूण मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने भ्रूण को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया है। उधर पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल (एसटीएच) के शौचालय में शुक्रवार को भ्रूण मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने भ्रूण को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया है। उधर पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। महिला वार्ड में भर्ती मरीजों की डिटेल मांगी गई है। भ्रूण चार महीने का बताया जा रहा है। शुक्रवार सुबह सुशीला तिवारी का शौचालय चोक हो गया। इसकी शिकायत मरीजों ने अस्पताल प्रबंधन से की। शौचालय खोलने के लिए एक सफाईकर्मी को बुलाया गया। उसने जब शौचालय की सफाई की तो पाइप में फंसा हुआ भ्रूण तार में फंसकर बाहर आ गया। यह देखकर वह अचंभे में आ गया। उसने फौरन इसकी सूचना अस्पताल प्रबंधन को दी। उधर, सूचना मिलने पर कोतवाली सहित पुलिस फोर्स भी मौके पर पहुंच गई। कोतवाल उमेश मलिक ने बताया कि डॉक्टरों के अनुसार भ्रूण चार महीने का था। कहा कि प्रथम दृष्टया जांच में आया है कि महिला को पेन हुआ होगा। वह शौचालय गई होगी। इसी दौरान भ्रूण टॉयलेट में गिर गया होगा। उसने लोकलाज की डर से किसी को नहीं बताया होगा। फिलहाल मामले की जांच शुरू कर दी गई है। अस्पताल प्रबंधन से रिपोर्ट मांगी गई है कि कोई महिला का इस संबंध में इलाज तो नहीं किया गया। शुरुआती जांच के बाद भ्रूण चार महीने का बताया जा रहा है। भ्रूण को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

कहानी चुनाव की- जब तीनों धार्मिक स्थलों में दर्शन के लिए पहुंचे थे राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह

नैनीताल, एजेंसी।
जब देश के सातवें राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने धार्मिक स्थलों के दर्शन में भी गुरुद्वारा, मंदिर और मस्जिद तीनों के दर्शन किए थे। पढ़िए पूरा कहानी... कई राजनीतिक हस्तियों के सियासी सफर में कौमी एकता का गुलदस्ता कहे जाने वाले तराई की अहम भूमिका रही हैं। राजनीति के पुरोधाओं ने भी इस गुलदस्ते को हमेशा संजोये रखा। देश के सातवें राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने धार्मिक स्थलों के दर्शन में भी गुरुद्वारा, मंदिर और मस्जिद तीनों के दर्शन किए थे। 70 बसंत पार कर चुके वरिष्ठ कांग्रेसी नेता खेड़ा रुद्रपुर निवासी जहांगीर उबैद कुरैशी बताते हैं कि वर्ष 1969 में झा इंटर कालेज में विकास पुरुष के नाम से पहचाने जाने वाले पंडित नारायण दत्त तिवारी आए थे। तिवारी के वक्तव्यों से प्रभावित होकर उन्होंने राजनीति में कदम रखा था। कांग्रेस में आए एक साल ही हुआ था कि 70 के दशक में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित गोविंद बल्लभ पंत के बेटे केसी पंत नैनीताल संसदीय सीट

से चुनाव लड़े। उस दौरान तराई क्षेत्र नैनीताल जिले में था। चुनाव प्रचार के साधन बहुत कम थे। मतदाताओं तक पहुंचने के लिए पैदल या फिर साइकिल ही सवारी होती थी। सारा दिन डोर-टू-डोर प्रचार करते थे। कभी तो रात गांव में ही बितानी पड़ती थी।

बाबा तरसेम सिंह हत्याकांड- खुलासे में जुटीं 11 टीमें, हमलावरों की तलाश में यूपी-पंजाब में पुलिस ने दी दबिश

नैनीताल, एजेंसी।
नानकमत्ता में डेरा कार सेवा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की हत्या में शामिल दो हत्यारोपियों की तलाश में पुलिस की 11 टीमें जुटी हुई हैं। हत्यारोपियों की तलाश में दो टीमों ने पंजाब और दो टीमें यूपी में डेरा डाला हुआ है।

नानकमत्ता में डेरा कार सेवा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की हत्या में शामिल दो हत्यारोपियों की तलाश में पुलिस की 11 टीमें जुटी हुई हैं। हत्यारोपियों की तलाश में दो टीमों ने पंजाब और दो टीमें यूपी में डेरा डाला हुआ है। हत्यारोपियों को दबोचने के लिए दोनों राज्यों की पुलिस से सहयोग मांगा गया है। साथ ही घटना से संबंधित जानकारियां साझा की जा रही हैं। बृहस्पतिवार सुबह बाइक सवार दो बदमाशों ने राइफल से दो गोलियां मारकर बाबा तरसेम सिंह की हत्या कर दी थी। हत्याकांड को अंजाम देने वाले बदमाश सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए थे। बिना पहचान छिपाए हत्या को अंजाम देने से साफ हो गया

कि वह पहचान छिपाना नहीं चाहते थे। मामले में डीजीपी ने तत्काल एसआईटी का गठन किया। मामले के खुलासे को लेकर पुलिस की 11 टीमें जुटी हैं। एसटीएफ की जांच कर रही है। सूत्रों के हत्या करने के बाद दोनों बदमाश चोर रास्तों से पीलीभीत होते हुए फरार हुए थे। पुलिस की टीम स्थानीय लिंक पर भी काम कर रही है। बदमाशों को बाइक और असलहा स्थानीय स्तर से उपलब्ध कराया गया या फिर किसी दूसरी जगह से, इस पर भी गहराई से जांच की जा रही है। इसके साथ ही सराय में तीन दिन तक रुकने की अनुमति के बावजूद नौ दिन तक रहना सवाल खड़े कर रहा है।

बीमा कंपनी को 12.90 लाख भुगतान करने का आदेश

ऊधम सिंह नगर , एजेंसी। मुरादाबाद के ग्राम करनपुर थाना डिलारी निवासी जसवंत सिंह 30 दिसंबर 2020 को गांव के ही रामवीर सिंह के साथ बाइक से हल्द्वानी जा रहे थे। कालाढूंगी-हल्द्वानी मार्ग पर ग्राम चकलुवा के पास सामने से तेज रफ्तार कार ने गलत साइड में आकर उनकी बाइक को टक्कर मार दी थी। घायल जसवंत सिंह की सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी और रामवीर सिंह की निजी अस्पताल में मौत हो गई थी। इस घटना की प्रथम सूचना रिपोर्ट थाना कालाढूंगी जिला नैनीताल में दर्ज कराई गई। मृतक जसवंत सिंह के परिजनों ने अपने अधिवक्ता कैलाश प्रजापति के माध्यम से जिला जज की अदालत में मुआवजे का वाद दायर किया। जिसे बाद में सुनवाई के लिए द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में भेजा गया। इस मामले में पैरवी करते हुए अधिवक्ता कैलाश प्रजापति ने न्यायालय में जसवंत की पत्नी सुमित्रा देवी और चश्मदीद गवाह दिनेश कुमार को परीक्षित कराया। न्यायालय ने इस घटनाक्रम में गलती कार चालक की मानी। उधर बीमा कंपनी का तर्क था कि उक्त घटना योगदायी उपेक्षा के कारण हुई है जिसमें स्वयं जसवंत सिंह की भी बराबर की गलती थी।

पुलिस को खुली चुनौती दे गए सशस्त्र बदमाश

खटीमा, एजेंसी। बाबा तरसेम सिंह की हत्या को बदमाशों ने जिस तरह अंजाम दिया, उससे साफ पता चलता है बदमाशों में पुलिस का खौफ नहीं रह गया। घटनास्थल के हाइवे के निकट होने के साथ ही कुछ दूरी पर नानकमत्ता पुलिस थाना भी है। इसके बावजूद सशस्त्र बदमाशों ने चेहरे पर बगैर नकाब लगाए दिनदहाड़े हत्याकांड को अंजाम दिया।

बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस नाम और चेहरे से एक बदमाश को पहचानने का दावा कर रही है। इसके आधार पर पुलिस शीघ्र ही दोनों हत्यारोपियों को गिरफ्तार करने की बात कह रही है लेकिन पुलिस के इस दावे में कितनी सच्चाई है यह भविष्य में गर्त में छिपी है। बता दें कि इससे पूर्व खटीमा में भारामल मंदिर के महंत श्री हरिगिरि महाराज, सेवादार रूप सिंह बिष्ट के हत्याकांड के खुलासे में भारी जनदबाव के बावजूद पुलिस ने 24 दिन लगा दिए थे। हालांकि पुलिस का कहना था ब्लाइंड केस होने के कारण खुलासे में देरी हुई थी।

इस बार बाबा तरसेम सिंह की हत्याकांड पर डॉ. मंजूनाथ टीसी का कहना है कि इस हत्याकांड में जिस युवक का नाम सामने आ रहा है, वह इस तरह की कुछ घटनाओं को अंजाम दे चुका है। फरार दोनों हत्यारोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इलेक्टोरल बॉन्ड आजाद भारत का सबसे बड़ा घोटाला, भाजपा ने ईडी से कराई उगाही- आप

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने इलेक्टोरल बॉन्ड को आजाद भारत का सबसे बड़ा घोटाला बताते हुए भाजपा पर तीखा हमला किया। आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि भाजपा ने इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए ईडी से उगाही कराई है। उन्होंने कहा कि जब इलेक्टोरल बॉन्ड लाया जा रहा था, तब आरबीआई के तत्काली गर्वनर उर्जित पटेल ने इसका विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि यह कालेधन को सफेद करने की स्कीम साबित होगी। उन्होंने इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम लागू न करने को लेकर मोदी सरकार को चिट्ठी भी लिखी थी और बाद में इस्तीफा देना पड़ा था। उन्होंने कहा कि तथाकथित शराब मामले में सरकारी गवाह सरथ रेड्डी ने 9 बयान में सीएम केजरीवाल का नाम नहीं लिया। छह-सात महीने जेल में रखने के बाद सरथ रेड्डी के सामने शर्त रखी जाती है कि भाजपा को 60 करोड़ रुपए और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ गवाही दो। फिर सरथ रेड्डी अरविंद केजरीवाल के खिलाफ गवाही देकर सरकारी गवाह बन जाता है और इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए 60 करोड़ रुपए भाजपा को मिल जाता है।

आम आदमी पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने शनिवार को प्रेसवार्ता कर कहा कि बीते 10 साल में भाजपा की हरकतें देखकर समझ आने लगा है कि क्यों सरदार बल्लभ भाई पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था। भाजपा इस देश की सबसे खराब, अक्षम और दोमुंही पार्टी है। ईमानदारी, भाजपा का सबसे बड़ा डर है और आम आदमी पार्टी का सबसे बड़ा हथियार है। इसी ईमानदारी की सजा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मिल रही है। आज का देश का हर नागरिक जानता है कि जो केजरीवाल सरकार हर साल जनकल्याण की सुविधाएं देने के बाद भी मुनाफे का बजट पेश करती हो, अपनी जेब न भरती हो, वो एक ईमानदार सरकार है। वहीं दूसरी तरफ बीजेपी है। बीजेपी शासित हर राज्य घाटे में है, क्योंकि वहां के नेता अपनी जेब भरने में लगे रहते हैं और कोई जनकल्याण सुविधा नहीं देते हैं।

उन्होंने कहा कि बीजेपी आज देश के ऊपर 200 लाख करोड़ रुपये का कर्ज चढ़ा चुकी है। भ्रष्टाचारी जुमला पार्टी ने स्वतंत्र भारत का सबसे बड़ा इलेक्टोरल बॉन्ड्स घोटाला किया है। इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम लागू होने से पहले आरबीआई गवर्नर उर्जित पटेल ने साल 2017 में चिट्ठी लिखकर भाजपा को बताया था कि यह स्कीम बिल्कुल अवैध है। यह काले धन को सफेद करने का जरिया बन जाएगा, इसलिए इसको लागू न किया जाए। लेकिन उर्जित पटेल ने भी नहीं सोचा था कि भाजपा अपने एक्सटॉर्शन डिपार्टमेंट (ईडी) द्वारा इस योजना के जरिए उगाही करेगी। बीजेपी को चिट्ठी लिखने के बाद उर्जित पटेल को इस्तीफा देना पड़ा था।

प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि बंगारू लक्ष्मण (भाजपा के पूर्व अध्यक्ष) की पार्टी भाजपा ने दो साल से हमारे ऊपर अनगिनत रेड कराई। लेकिन इतने छापों के बाद भी एक चवन्नी की रिकवर नहीं हुई। इसके बावजूद आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेता सत्येंद्र जैन, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और अब सीएम अरविंद केजरीवाल जेल में हैं। ईडी और सीबीआई ने डिले स्ट्रेटजी के चलते करीब 51 हजार डॉक्यूमेंट्स कोर्ट के समक्ष रखे हैं और 458 गवाहों से पूछताछ की गई है। इतनी सारी पूछताछ करने के बाद केवल चार जगह अरविंद केजरीवाल का नाम आता है। उन्होंने कहा कि पहले में मनीष सिसोदिया के सेक्रेटरी सी अरविंद कहते हैं कि अरविंद केजरीवाल की उपस्थिति में उन्होंने मनीष सोनिया को डॉक्यूमेंट दिए थे। दूसरे और तीसरे में जगन रेड्डी की पार्टी के सांसद मगुंटा एस रेड्डी और उनके पुत्र राघव मगुंटा की गवाही है। मगुंटा रेड्डी ने गवाही दी थी कि वह अरविंद केजरीवाल से दिल्ली में एक फैमिली ट्रस्ट के लिए जमीन आवंटन को लेकर मिलने आए थे। लेकिन जब अरविंद केजरीवाल ने एमएसआर को बताया कि दिल्ली में जमीन केंद्र सरकार के अधीन आती है। इसके लिए एक चिट्ठी बनाकर दे दें तो इसे एलजी को फॉरवर्ड कर देंगे। इसके बाद ईडी मगुंटा रेड्डी के घर पहुंच जाती है और पूछती है कि आप अरविंद केजरीवाल से मिले थे। एमएसआर हामी भर देते हैं। फिर ईडी कहती है कि आप तथाकथित शराब घोटाले के लिए अरविंद केजरीवाल से मिले थे। वह लगातार मना करते हैं और इसके बाद 10 फरवरी 2023 को उनके बेटे राघव रेड्डी को ईडी गिरफ्तार कर लेती है और पांच महीने जेल में रखती है। लेकिन दोनों पिता-पुत्र अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई बयान नहीं देते हैं। काफी प्रताड़ना के बाद 16 जुलाई 2023 को राघव रेड्डी और उनके पिता एमएसआर गवाही देते हैं और 18 जुलाई 2023 को आखिरकार राघव रेड्डी को जेल से छोड़ दिया जाता है। प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि चौथे में शरथ चंद्र रेड्डी ने कुल 9 स्टेटमेंट दी है, लेकिन कहीं भी अरविंद केजरीवाल का नाम नहीं लिया। इसके बाद उनको छह-सात महीने जेल में रखने के बाद शर्त रखी जाती है कि 60 करोड़ रुपए और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ गवाही दो। तब जाकर शरथ चंद्र रेड्डी सरकारी गवाह बनते हैं और उनकी जमानत होती है। ईडी उनकी जमानत पर कोई आपत्ति नहीं जताती है। केवल पीठ दर्द की वजह बताकर उनकी जमानत हो गई। शरथ चंद्र रेड्डी के दिए 60 करोड़ रुपये को इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए एक्सटोर्शन डिपार्टमेंट ने भाजपा तक पहुंचाया। जिन स्टेटमेंट में अरविंद केजरीवाल का नाम नहीं लिया गया है, ईडी उसे कोर्ट के समक्ष नहीं रखती है। जबकि, ये सारी गवाही पीएमएलए के सेक्शन 50 की थीं। वहीं, शरथ चंद्र रेड्डी ने अपने बयान में केवल इतना कहा था कि मैं विजय नायर के साथ अरविंद केजरीवाल से मिला था। अरविंद केजरीलाल व्यस्त थे तो उन्होंने विजय नायर से बात कर लो, कहा था। अब जिन चार जगहों पर अरविंद केजरीवाल का नाम आया है, क्या वह एक चुने हुए मुख्यमंत्री को जेल में रखने के लिए पर्याप्त हैं?

उन्होंने कहा कि इस केस को शुरू हुए दो साल हो चुके हैं, लेकिन अब तक ट्रायल भी शुरू नहीं हुआ है। अक्सर लोग पूछते हैं कि जेल में बंद आम आदमी पार्टी के नेताओं की जमानत क्यों नहीं होती तो उनको बताना चाहती हूं कि भाजपा ने साल 2018 में पीएमएलए कानून में ऐसे संशोधन कर दिए कि जब तक ईडी ह्लआगे जांच की जरूरत नहीं है (फर्दर इन्वेस्टिगेशन नॉट रिक्वायर्ड)ह्व नहीं कहेगी, तब तक जमानत मिलना नामुमकिन है। हालांकि, ईडी बीजेपी में शामिल छगन भुजबल, अजीत पवार, प्रफुल्ल पटेल, शरत चंद्र और ाघव रेड्डी के मामले में ऐसा कह देती है। प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि पीएम मोदी रेस में अकेले दौड़कर फर्स्ट आना चाहते हैं और इसलिए वह लगातार विपक्ष की सारी बुलंद आवाजों को जेल भेज रहे हैं। अरविंद केजरीवाल से उनको शुरू से ही अच्छा खासा डर है। क्योंकि ईमानदारी अरविंद केजरीवाल का सबसे बड़ा गहना है। ऐसे में इस नाइंसाफी के खिलाफ और लोकतंत्र को बचाने के लिए सभी विपक्षी पार्टियां 31 मार्च को सुबह 10 बजे रामलीला मैदान पहुंच रही हैं और दिल्ली की जनता से भी निवेदन है कि भारी तादाद में इस महारैली में शामिल होकर भ्रष्ट बीजेपी के खिलाफ आवाज उठाएं।

पैसों के अभाव में किसी की पढ़ाई नहीं छूटनी चाहिए : श्याम सुन्दर अग्रवाल

नई दिल्ली। पूर्व महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने कहा कि देश के सभी बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो इसके लिए आवश्यक है पैसे के अभाव में किसी की भी पढ़ाई नही छूटनी चाहिए इसी क्रम में हमने आज 16 वे बच्चे को उसके उज्ज्वल भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए उसकी आजीवन पढ़ाई का संकल्प लिया गया। श्याम सुन्दर अग्रवाल ने बताया हमने मोची भाई के बेटे अजीब राम जिसने पैसे के अभाव में अपनी पढ़ाई छोड़ने का मन बना लिया था जिसकी जानकारी मिलने पर हमने बच्चे की जीवन भर पढ़ाई का बीड़ा उठाकर पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया मुझे खुशी है समाज सेवी मुकेश ने हमें सहयोग दिया आज बच्चे को बारहवी कक्षा में प्रवेश करवा दिया गया है। श्याम सुन्दर अग्रवाल ने कहा शिक्षा हर व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है शिक्षा के बिना जीवन में कोई भी सफलता प्राप्त नहीं कर सकता लेकिन कई बार आर्थिक समस्याओं के कारण कई युवाओं को आगे की शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई होती है। इस समस्या को हल करने के लिए, मोदी जी की सरकार द्वारा पीएम यशस्वी छात्रवृत्ति योजना 2024 की शुरुआत की गई है। यह योजना उन विद्यार्थियों के लिए है जो आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हैं और उच्च शिक्षा के लिए इच्छुक हैं। पीएम यशस्वी छात्रवृत्ति योजना 2024 के अंतर्गत, इन छात्रों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी ताकि वे अपने अध्ययन को बिना किसी आर्थिक चिंता के जारी रख सकें। यह योजना उनकी मदद करेगी ताकि वे अपने शैक्षिक सपनों को पूरा कर समाज में अपनी पहचान बना सकें। सरकार का संकल्प है देश का हर बच्चा उच्च स्तर तक की पढ़ाई करे सरकार द्वारा पढ़ाई के लिए निशुल्क स्कूल कॉलेजों में व्यवस्था की हुई है हमें इसे जन जन तक पहुंचाने की जरूरत है यदि आपको लगता है किसी बच्चे को पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता की तुरंत जरूरत है तो उसकी सहायता करनी चाहिए या हमें बताएं हम सभी मिलकर उसकी सहायता करेंगे किसी भी कीमत पर उसकी पढ़ाई में बाधा नही आने देंगे।

महंगाई और बेरोजगारी है जनता के सबसे बड़े मुद्दे : दीपक शर्मा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आगामी लोकसभा चुनाव में महंगाई और बेरोजगारी जनता के सबसे बड़े मुद्दे है। यह कहना है यमुनापार शॉप कीपर तथा आर.डब्लू.ए.फाउंडेशन के संस्थापक चेयरमैन दीपक शर्मा का। दीपक शर्मा कहते है भारतीय जनता पार्टी जनता को गुमराह कर इन मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाना चाहती है। लेकिन देश की जनता यह भली भांति जानती है कि लोकसभा चुनाव की आहट के बाद भारतीय जनता पार्टी की सरकार नें रसोई गैस के साथ-साथ डीजल पैट्रोल के कुछ दाम घटाए हैं ताकि लोगो को भ्रमित किया जा सके। लोकसभा चुनावों में महिलाओं की सहानुभूति प्राप्त करने के लिए भाजपा सरकार ने गैस सिलेंडर की कीमतों में 100 रुपये कम करके लोगों को गुमराह किया है जबकि कांग्रेस सरकार के समय गैस सिलेंडर की सिर्फ 410 रुपये था। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में महिलाओं की सुरक्षा और कल्याण से जुड़े विषयों पर भाजपा सरकार ने असंवेदनशीलता का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 1987 में महिला आरक्षण का प्रस्ताव रखा था जिसे कांग्रेस सरकार ने राज्यसभा में 2010 में पारित कर दिया था। जिसके तहत महिलाओं के लिए लोकसभा, विधानसभा, निगम सहित पंचायती राज तक आरक्षण लागू करने की आधारशिला रखी थी। दीपक शर्मा ने कहा कि बहुत ही दुख और तकलीफ की बात है कि भाजपा सरकार ने सबसे ज्यादा नुकसान देश के लोकतंत्र का किया है। महिला आरक्षण की बात करने वाली भाजपा की सरकार और संगठन में क्या महिलाओं, वंचितों और पिछड़ों को पर्याप्त आरक्षण नही दिया है? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में जहां महिला न्याय के लिए भी लड़ाई लड़ी गई। जिसके कारण महिलाओं का न्याय यात्रा को भरपूर समर्थन मिला। दीपक शर्मा कहते हैं देश की जनता जानती है केवल चुनावो की वजह से रसोई गैस और डीजल पैट्रोल के दाम घटाए गए है और भाजपा ऐसा पहले भी कर चुकी है लेकिन जीतने के बाद फिर से बढ़ा दिए जाते हैं लोग अब समझ चुके है भाजपा केवल जुमलों की पार्टी है चुनाव जीतने के लिए इस तरह के हथकंडे अपनाती है।

देश में बनेगी इण्डिया गठबंधन की सरकार : वेद प्रकाश बेदी

- जुमलों की सरकार से मुक्ति चाहते हैं लोग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अबकी बार चार सौ पार का नारा लगाने वाले दो सौ का आंकड़ा भी पार नहीं कर पायेगें। यह कहना है वरिष्ठ नेता दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के डेलिगेट वेद प्रकाश बेदी का। वेद प्रकाश बेदी कहते हैं नरेंद्र मोदी और उनकी टीम इन्डिया गठ्बन्धन से घबरायी हुई है तभी तो कांग्रेस के विद्रोहियों तथा विपक्ष के बागियों को प्रत्याशी बनाती जा रही है। आलम यह है कि भाजपा को प्रत्याशी भी उधार लेने पड़ रहे हैं और इसी तरह एक-एक या दो-दो सीटो पर भाजपा को गठबंधन करना पड़ रहा है। वेद प्रकाश बेदी कहते हैं देश की जनता समझ चुकी है भाजपा सरकार केवल जुमलों की सरकार है। झूठे वादे करती हैं लोग बार-बार धोखा नहीं खाने वाले। श्री बेदी कहते हैं आप देख लेना इण्डिया गठबंधन बड़े अंतराल से जीत दर्ज करेगा और जहां तक दिल्ली का सवाल है गठ्बन्धन दिल्ली की सातों सीटें जीतेगा। श्री बेदी कहते हैं इंडिया में होगी ह्लइंडिया गठबंधनह्व की जीत लोकसभा चुनाव 2024 में जीत हासिल करने के लिए इंडिया गठबंधन की तैयारियां पूरे जोरों पर चल रही है, अन्य राजनीतिक पार्टियों के नेता व कार्यकर्ता ह्लइंडियाह्व गठबंधन से जुड़कर अपना समर्थन दे रहे है और देश की जनता के आशीर्वाद से 2024 में इंडिया गठबंधन जरूर ही जीत हासिल करेगा और पूर्ण बहुमत से करेगा। जब इस देश में कांग्रेस की सरकार थी तब कांग्रेस पार्टी ने कभी भी धर्म को राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाया, कांग्रेस पार्टी ने कभी भी धर्म के नाम पर राजनीति नहीं की, कांग्रेस पार्टी ने राजनीति की तो देश के बुनियादी मुद्दों जैसे बेरोजगारी, महंगाई, भुखमरी, देश कीअर्थव्यवस्था पर फोकस किया। कांग्रेस पार्टी ने देश को 21वीं सदी की ओर अग्रसर करने के मकसद से टेक्नोलॉजी पर काम किया, भारत देश को हर क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने के लिए काम किया लेकिन पिछले दस वर्षों से भारत देश में जो हुआ है वो मैं आपको पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं की किसी भी विकसित हो रहे देश में नहीं हुआ होगा, लोगो को धर्म के नाम पर लड़ाया जा रहा है, देश की जनता के मन में धर्म के नाम पर नफरत फैलाई जा रही है, आज का युवा रोजगार को मुद्दा न मानते हुए मंदिर और मस्जिद को मुद्दा मान रहा है। धर्म जो सिर्फ लोगों को प्यार करना सिखाता है, धर्म जो लोगों को भगवान से जोड़ने का काम करता है, पिछले दस वर्षों में भाजपा ने उन पवित्र धर्मों का इस्तेमाल देश में हिंसा फैलाने के लिए किया है। गुरचरन सिंह राजू ने आगे कहा की आज आलम यह है की देश की जनता देश की प्रगति के लिए जरूरी बुनियादी मुद्दों से भटक चुकी है।

31 मार्च की रैली के बाद दिल्ली की कमान संभाल सकती हैं सुनीता केजरीवाल

- उनके पक्ष में राजनीतिक माहौल बनाने में लगे हैं आप के बड़े नेता
- सुनीता केजरीवाल के अलावा किसी नाम पर नहीं बन रही सहमति

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अरविंद केजरीवाल के हिरासत में जाने के बाद लगातार बदल रहे राजनीतिक घटनाक्रम में अब मान जा रहा है कि 31 मार्च को रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की बड़ी रैली के बाद सुनीता केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री की कमान संभाल सकती हैं। इस मामले में पूरी तरीके से सहमति बन चुकी है, सिर्फ औपचारिकता है बाकी है क्योंकि केजरीवाल भी है समझ रहे हैं कि राष्ट्रपति शासन की तरफ जाना घाटे का सौदा हो सकता है क्योंकि विधानसभा चुनाव होने में बहुत समय है और इस बीच कोई भी खेल केंद्र सरकार खेल सकती है। माना जा रहा है कि अभी तक दिल्ली को लेकर सभी विकल्पों पर विचार कर रहे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी लगने लगा है कि अब जो भी फैसला करना है, उन्हें जल्द करना होगा। क्योंकि केंद्र सरकार कहीं ना कहीं केंद्र सरकार यह तय कर चुकी है कि सरकार को मौका मिलते ही विदा कर दिया जाए और उसके बाद उसकी रणनीति आपको भारी भी पड़ सकती है। इसलिए फिलहाल उन्हें जेल से सरकार चलाने की जिद छोड़ अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाने में ही भलाई नजर आ रही है। बताया जाता है की मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पहले सोच रहे थे कि यदि राष्ट्रपति शासन दिल्ली में लग जाता है तब हम लोग सड़कों पर उतरकर केंद्र सरकार के खिलाफ यह माहौल बना सकेंगे की देखा उन्होंने दुर्भावना के चलते हमारी सरकार जो की एक बड़े बहुमत की सरकार है

उसे हटाकर राष्ट्रपति शासन लगा दिया लेकिन अब लग रहा है की सरकार यदि है कर देती है इसका फायदा कितना मिलेगा यह नहीं कहा जा सकता क्योंकि फिलहाल लोकसभा चुनाव है जिसमें साफ है कि केंद्र में तीसरी बार भाजपा वापसी कर रही है वही अभी दिल्ली के बारे में भी यह नहीं कहा जा सकता कि केजरीवाल को लेकर लोकसभा चुनाव में जनता सहानुभूति वोट देता है या नहीं यदि इन हालातो में भी बीजेपी जीत जाती है वह कहेगी कि दिल्ली की जनता ने अपना जनादेश दे दिया है और राष्ट्रपति शासन होने के हालात में अगली केंद्र सरकार दिल्ली से विधानसभा समाप्त कर महानगर परिषद या कोई और अन्य फैसला भी ले सकती है वही इतने लंबे समय तक सड़कों पर रहना आसान नहीं है। केजरीवाल कैबिनेट के भरोसेमंद लोग भी उन्हें बता चुके कि अभी तो हमें जो दिल्ली में लोकसभा चुनाव के लिए इतना लंबा समय मिला है माहौल बनाना आसान नजर नहीं आ रहा है आसान नजर नहीं आ रहा है इसलिए यह सोच लेना कि राष्ट्रपति शासन के बाद जब हमारे पास कोई सट्टा नहीं रह जाएगी सड़कों पर संघर्ष करना आसान नहीं है इसलिए अपना मुख्यमंत्री होना ही सही विकल्प रहेगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी पता है की सुनीता केजरीवाल मुख्यमंत्री रहेगी तो पार्टी में सब एक जुट रहेंगे वरना किसी और के नाम पर गुटबाजी शुरू हो सकती है क्योंकि मुख्यमंत्री के दावेदारों में अतिशी सौरव भारद्वाज गोपाल राय दुर्गेश पाठक के अलावा भी कई नाम चल रहे हैं इनमें से किसी को भी बना दिया तो पर्दे के पीछे से बाकी सब टांग खींचे में लग जाएंगे इसलिए सुनीता केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाना सही विकल्प होगा।

शरीर और आत्मा की शुद्धि करता है रोजा : फहीम

नई दिल्ली। शमा एनजीओ के प्रमुख जाने-माने समाजसेवी डॉक्टर फहीम का कहना है रमजान उल मुबारक इबादत के साथ-साथ सेहत के लिए भी बेहद जरूरी है क्योंकि 11 महीने में जिस प्रकार से जाने अनजाने में हम जंक फूड, गैर जरूरी खान-पान के जरिए अपने शरीर में गंदगी, चर्बी और बीमारियों को जन्म देने वाले कारणों को जन्म देते हैं, इस एक महीने के रोजों द्वारा पूरे शरीर की गंदगी आदि को शरीर से दूर किया जा सकता है, रोजा इबादत करने का बेहतरीन तरीका है और सेहत बनाने का भी, इसलिए रमजान में ह्लसादा जीवन सादा भोजनह्व मंत्र का पालन करते हुए सेहरी इफ्तार में तली, भुनी, मसालेदार, जंक फूड, किसी प्रकार की कोल्ड ड्रिंक्स, पैक्ड जूस आदि के सेवन से बचें, खाने में फल, दाल-सब्जी, पनीर आदि और नारियल पानी, सत्तू, नींबू शिकंजी और भरपूर पानी का ही सेवन करें। बेहतर है कि इफ्तार में ही खाना खाएं उसके बाद सीधे सेहरी में ही दोबारा खाना खाएं। रात रात भर जागने की बजाए 11 बजे तक सो जाना चहिए और नींद पूरी लेनी चाहिए, सुबह सेहरी करके फज्र की नमाज अदा करने के बाद थोड़ा टहलना भी बेहतर है फिर चाहे तो थोड़ा आराम किया जा सकता है।

एरिया की कानून व्यवस्था अच्छी रहे इसके लिए मिलकर कार्य करेंगे : नित्या राधाकृष्णन

नई दिल्ली। कृष्ण कुंज एक्सटेंशन आर.डब्लू.ए. के तत्वावधान में एक पुलिस पब्लिक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें कृष्ण कुन्ज एक्सटेंशन के निवासियों ने सहायक पुलिस आयुक्त नित्या राधाकृष्णन और थानाध्यक्ष सुरेंदर शर्मा के समक्ष अपनी समस्यों को रखा दोनों ही अधिकारियों ने सभी की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और उनके निदान के लिए बीट ऑफिसर के गस्त, पार्को के औचक निरीक्षण आदि को बढ़ाने का निर्णय लिया। एसीपी ने कहा की एरिया की कानून व्यवस्था अच्छी रहे इसके लिए मिलकर कार्य करेंगे क्योंकि जन सहयोग के बिना यह संभव नही हैं।

अवार्ड से सम्मानित किया

नई दिल्ली। दिल्ली की रमजान-उल-मुबारक इन्तेजामिया कमेटी ने सामाजिक संस्था जम जम फाउन्डेशन के सहयोग से मल्का गंज क्षेत्र की मदीना मस्जिद में विभिन्न मस्जिदों व मदरसों के मुफ्तियों और ईमामों को खिदमत अवार्ड 2024 से सम्मानित किया। इस मौके पर आल इण्डिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के चीफ काजी मुफ्ती मौहम्मद ताहिर हुसैन ने रमजान-उल-मुबारक इन्तेजामिया कमेटी के संरक्षक मौहम्मद दानिश मतीन अध्यक्ष शमीम अहमद खान महासचिव मौहम्मद कादिर सचिव मौहम्मद कामिल का पगड़ी बांधकर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर कारी मुस्तफा, कारी मौहम्मद अनीस, मौलाना मौहम्मद शाबान, मुफ्ती अबुल फजल, मौलाना नफीस, कारी शमीम, मुफ्ती ईशाक हक्कानी, मुफ्ती फुरकान, मुफ्ती उस्मान, हाफिज मुस्तकीम, कारी साजिद, मौहम्मद अरशद नदवी, मौलाना मौहम्मद इमरान, मुफ्ती अब्दुल राफे अल कासमी, अनीस अहमद, आदि को खिदमत अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया।

आप का बड़ा खुलासा, भाजपा का एक्साइज पॉलिसी में साउथ लॉबी से सीधा कनेक्शन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने भाजपा का एक्साइज पॉलिसी में साउथ लॉबी के साथ सीधा कनेक्शन होने का बड़ा खुलासा किया है। आप के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि तथाकथित शराब मामले में सरकारी गवाह राघव मगुंटा के पिता मगुंटा रेड्डी को भाजपा के सहयोगी दल टीडीपी ने लोकसभा का टिकट दिया है। मगुंटा रेड्डी के लिए अब पीएम मोदी और भाजपा के नेता वोट मांगेंगे। सरथ रेड्डी से 60 करोड़ का चंदा लेना और मगुंटा रेड्डी को एनडीए से टिकट मिलना, शराब घोटाले के आरोपियों से भाजपा के करीबी लिंक होने का सबूत है। शराब मामले में मगुंटा रेड्डी ने दो बयान में कहा है कि एक्साइज पॉलिसी को लेकर उनकी सीएम से कोई बात नहीं हुई। लेकिन बेटे की गिरफ्तारी के बाद वो टूट गए और तीसरा बयान केजरीवाल के खिलाफ दे दिए। इसी तरह, राघव मगुंटा ने भी छह बयान में सीएम का नाम नहीं लिया, लेकिन 7वां बयान उनके खिलाफ देकर सरकारी गवाह बन गया और बेल मिल गई। वहीं, आतिशी ने कहा कि सरथ रेड्डी की तरह ही मगुंटा रेड्डी और उनके बेटे राघव मगुंटा का भाजपा के साथ रिश्ता अब देश के सामने आ गया है।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज और आतिशी ने तथाकथित शराब घोटाला मामले में गवाहों के बयान के संबंध में संयुक्त प्रेसवार्ता की। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि गुरुवार को सीएम अरविंद केजरीवाल ने राउज एवेन्यू कोर्ट के सामने बताया कि उनके खिलाफ मुख्यतः 4 लोगों के बयान हैं, जिसके आधार पर ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया है। उन्होंने कोर्ट से पूछा कि क्या इस तरह के 4 बयान एक सीटिंग मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने के लिए पर्याप्त हैं? साथ ही उन्होंने उन 4 बयानों के बारे में कोर्ट को विस्तार से बताया। सबको पता है कि सरथ चंद्र रेड्डी के पिता की कंपनी अरबिन्दो फार्मा और उनकी अन्य सब्सिडियरी कंपनी ने किस तरह से मनी लॉन्ड्रिंग के केस में गिरफ्तार होने के बाद बीजेपी को 55 करोड़ रुपए दिए। सौरभ भारद्वाज ने सरथ रेड्डी के अलावा दो अन्य गवाहों का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे यह केस ही पूरी तरह से फर्जी है। उन्होंने कहा कि सीएम अरविंद केजरावल ने कोर्ट में बताया था कि मगुंटा श्रीनिवासन रेड्डी ने एक सांसद के तौर पर अपने कार्यालय से सीएम अरविंद केजरीवाल से मिलने के लिए दिल्ली मुख्यमंत्री कार्यालय में अपॉइंटमेंट की अर्जी दी थी। जिसके 10 दिन बाद उन्हें सीएम से मिलने का समय दिया गया। 16 मार्च 2021 को शाम 4:30 बजे मुख्यमंत्री कार्यालय में थोड़ी देर के लिए मंगुटा रेड्डी की सीएम से मुलाकात हुई। उस दौरान मगुंटा रेड्डी ने सीएम अरविंद केजरीवाल से कहा कि मैं एक सांसद हूं और मेरा परिवार एक ट्रस्ट चलाता है। मुझे उस ट्रस्ट के लिए जमीन चाहिए। इसपर सीएम ने कहा कि जमीन एलजी के अधीन आती है, आप मुझे आवेदन पत्र दे दीजिए, मैं उसे आगे भेज दूंगा। एक सीएम और एमपी के बीच एक आधिकारिक मीटिंग में बस इतनी सी बातचीत हुई है।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इसके बाद तथाकथित शराब मामला दर्ज किया जाता है और 16 सितंबर 2022 मगुंटा रेड्डी के ठिकानों पर छापा पड़ता है। जब इनका बयान लिया जाता है तो ये वही बात करते हैं, जो सीएम अरविंद केजरीवाल ने कोर्ट के सामने बताई थी। यह उनका आधिकारिक बयान है जो ईडी ने 16 सितंबर 2022 को लिया था। इसके बाद मंगुटा रेड्डी के बेटे राघव मगुंटा को 10 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया गया। यहां बता दें कि मगुंटा रेड्डी चौथी बार सांसद चुने गए हैं और साउथ के बड़े शराब कारोबारी हैं। पिछली कई पीढ़ियों से इनका बड़ा कारोबार रहा है। ये करोड़पति- अरबपति आदमी हैं। लेकिन 10 फरवरी 2023 को इनके बेटे राघव मंगुटा को जेल भेज दिया गया। 5 महीने तक राघव मंगुटा को जेल में सड़ाया जाता है। जिसके बाद उनके सांसद पिता मंगुटा रेड्डी टूट जाते हैं और 16 जुलाई 2023 को अपना बयान बदल लेते हैं। मगुंटा रेड्डी पहली बार सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बयान देते हैं। इसके बाद 18 जुलाई 2023 को उनके बेटे राघव मगुंटा की बेल हो जाती है। साथ ही 3 अक्टूबर 2023 को सरकारी गवाह बनकर अपना माफीनामा ले लेते हैं।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इस दौरान मगुंटा रेड्डी के 3 बयान लिए गए, जिसमें से 2 में उन्होंने सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई बात नहीं कही, जिससे उनके इस अपराध में शामिल होने की कोई जानकारी होती हो या इस तरफ कोई इशारा भी होता हो। तीसरा बयान उन्होंने सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दिया है। वहीं उनके बेटे के 7 बयान दर्ज हुए हैं। उसी एजेंसी ने 7 बार बयान दर्ज किए हैं, जिसमें से 6 बयानों में वो कोई ऐसी बात नहीं कहता है। राघव मगुंटा बार-बार वही बात दोहराता है जो सीएम अरविंद केजरीवाल ने कोर्ट के सामने रखी थी कि मेरे पिता इनसे ट्रस्ट की जमीन के सिलसिले में मिले थे। लेकिन जब वो अपने 7वें बयान में अरविंद केजरीवाल का नाम लेता है तो उसकी भी जमानत हो जाती है और उसको सरकारी गवाह बना लिया जाता है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सरथ चंद्र रेड्डी के बीजेपी से रिश्तों के बारे में सबको पता ही है। सबके मन में सवाल था कि अरविंद केजरीवाल ने 4 में से 1 गवाह के बारे में तो बता दिया लेकिन बाकी गवाहों के बारे में कौन बताएगा। इसलिए आज हम मगुंटा रेड्डी और उनके बेटे राघव मगुंटा के बारे में बता रहे हैं।

होली विशेष रेलगाड़ियों का विस्तार

होली के उपरान्त यात्रियों की अधिक संख्या को देखते हुए उत्तर रेलवे द्वारा निम्नलिखित होली विशेष रेलगाड़ियों की सेवा अवधि को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है :–

रेलगाड़ी संख्या	से	तक	प्रस्थान के दिन	पूर्व अधिसूचित	विस्तारित तिथि
04096	नई दिल्ली	पटना जं.	सोमवार	28.03.24	01.04.2024 को
04074	आनन्द विहार (ट)	गया जं.	सोमवार	29.03.24	01.04.2024 को

- अन्य विवरण पूर्ववत रहेंगे।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद वेबसाइट : www.railmadad.indianrailways.gov.in देखें एवं रेलमदद ऐप डाउनलोड करें।

949/2024 रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर हमें फॉलो करें आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–टेंडरिंग

खुली निविदा सूचना संख्या एनआईटी–32 / 2023–24 दिनांक: 28.03.2024

सीनियर डिविजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर / जी, उत्तर रेलवे, अंबाला द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए 15:00 बजे तक या कार्य के सामने दिखाई गई समाप्ति की तिथि तक खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य का नाम	लगभग लागत (₹)	बोली प्रतिभूति (₹)	पूर्ण होने की अवधि	बंद करने और खोलने की तिथि
1.	30-विद्युत-50/2023-24 (ओपन टेंडर)	अंबाला मंडल में बठिण्डा, धूरी, राजपुरा, सरहिंद और नंगलडैम में 03 वर्ष की अवधि के लिए किराए के आधार पर डेजर्ट कूलर के प्रावधान के संबंध में विद्युत कार्य।	₹28,39,702.50	₹56,800/-	36 महीने	22.04.2024
2.	30-विद्युत-51/2023-24 (ओपन टेंडर)	अंबाला मंडल में सहारनपुर, जगाधरी वर्कशॉप, अंबाला चंडीगढ़ और कालका में 03 वर्ष की अवधि के लिए किराए के आधार पर डेजर्ट कूलर के प्रावधान के संबंध में विद्युत कार्य।	₹22,83,120.81	₹45,700/-	36 महीने	22.04.2024
3.	30-विद्युत-52/2023-24 (ओपन टेंडर)	अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कालका, अबोहर, अंब अंदौरा, सरहिंद और यमुनानगर जगाधरी स्टेशनों के सॉफ्ट अपग्रेडेशन के संबंध में लिफ्ट का प्रावधान, सुगम्य भारत अभियान के तहत आनंदपुर साहिब और अंबाला शहर रेलवे स्टेशन पर लिफ्ट का प्रावधान और सुगम्य भारत अभियान के तहत रूपनगर, संगरूर धुरी, पटियाला, मालेरकोटला और नंगल डैम रेलवे स्टेशन में लिफ्ट का प्रावधान, सीपीएम / जीएस / अंबाला डिवीजन के तहत कार्य।	₹5,76,01,462.58	₹4,38,000/-	12 महीने	22.04.2024

1. निविदाकारों को शर्तों के अनुसार PAN/TIN/GST सहित सभी संबंधित पात्र दस्तावेजों की स्कैन की हुई प्रतियों को अपलोड करना आवश्यक है। 2. आवश्यक बोली सुरक्षा नेट बैंकिंग / या भुगतान गेटवे के माध्यम से केवल निविदा की अंतिम तिथि और समय के 15:00 बजे से पहले ही ऑनलाइन भुगतान स्वीकार्य होगी। 3. कार्य निविदाओं की ई–निविदा में भाग लेने के लिए निविदाकर्ताओं के पास तृतीय श्रेणी का डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए। 4. विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लॉग ऑन करें। 5. जीएसटी अधिनियम 2017 के अनुसार जीएसटी लगाया जाएगा।

940/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, रविवार,31 मार्च, 2024

दाखिला नियमों को दरकिनार कर रहा निजी स्कूल, बच्चों की पढ़ाई से ऐसे कर रहा खिलवाड़

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राजधानी के निजी स्कूलों की मनमानी फिर से जारी है। निजी स्कूल शिक्षा के अधिकार अधिनियमों को ताक पर रखकर विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। स्कूलों में आठवीं तक ईडब्ल्यूएस और डीजी के विद्यार्थियों को मुफ्त शिक्षा देने के बाद नौवीं में फीस देने या स्कूल से नाम कटवाने का दबाव डाल रहे हैं। सरकारी जमीन पर बने स्कूल फिर भी सरकारी जमीन पर बने ये निजी स्कूल शिक्षा निदेशालय के ईडब्ल्यूएस और डीजी के विद्यार्थियों को दाखिला देने से मना न करने को लेकर जारी चेतावनी को भी दरकिनार कर रहे हैं। स्कूलों की इस मनमानी की शिकायत अभिभावकों ने शिक्षा निदेशालय से भी की है। लेकिन अभी तक उनकी सुनवाई पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। मामले में निजी स्कूल शाखा के उप शिक्षा निदेशक देवेंद्र मोहन से मामले को लेकर संपर्क किया गया लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। वहीं, स्कूल की प्रधानाचार्य सुरुची गांधी से भी संपर्क किया गया और उन्होंने भी कोई जवाब नहीं दिया। बाल भारती पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने की शिकायत द्वारका सेक्टर-12 स्थित बाल भारती पब्लिक स्कूल से ईडब्ल्यूएस श्रेणी में आठवीं उत्तीर्ण कर चुके 40 से अधिक विद्यार्थियों के अभिभावकों ने उनके बच्चों को नौवीं में ईडब्ल्यूएस श्रेणी में दाखिला न देने की स्कूल की मनमानी को लेकर शिक्षा निदेशालय को लिखित शिकायत की।

अभिभावकों ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 की पढ़ाई स्कूल में 12 मार्च से शुरू हो गई है। लेकिन स्कूल ने अभी तक उनके बच्चों को स्कूल में दाखिला नहीं लेने दिया। स्कूल ने अभिभावकों से कहा कि वो अपने बच्चों को सामान्य श्रेणी में पढ़ा सकते हैं। अगर ईडब्ल्यूएस श्रेणी में पढ़ाना है तो टीसी ले सकते हैं और अपने बच्चे का नाम कटवा ले। अभिभावकों ने कहा कि निदेशालय के स्कूल से बच्चे के नाम न काटने के निर्देश की प्रति भी वो स्कूल लेकर गए लेकिन स्कूल प्रबंधन ने उनसे मिलने से मना कर दिया। स्कूल की मनमानी से बच्चों की पढ़ाई हो रही प्रभावित उन्होंने कहा कि स्कूल की इस मनमानी का असर उनके बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। उनकी पढ़ाई छूट रही है। अभिभावकों की इस समस्या को लेकर जागरूक पैरेंट्स एसोसिएशन ने शिक्षा निदेशालय ने हस्तक्षेप करने की मांग की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने कहा कि अभिभावक पांच से अधिक बार शिक्षा निदेशालय के कार्यालय होकर आए हैं, अपनी शिकायत बताई पर आज तक निदेशालय ने स्कूल के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि स्कूल की मनमानी से विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा हैं। उन्होंने शिक्षा निदेशालय से मांग करी कि ऐसे स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। निदेशालय ने जारी की थी चेतावनी आर्थिक रुप से पिछड़ा वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और वंचित समूह (डीजी) के विद्यार्थियों को दाखिला न देने की मनमानी को लेकर शिक्षा निदेशालय ने सभी स्कूलों के लिए चेतावनी जारी की थी।

निदेशालय ने कहा था कि सरकारी जमीन पर बने निजी स्कूल इस श्रेणी के विद्यार्थियों को आठवीं तक की शिक्षा देने के बाद नौवीं में फीस देने या टीसी लेने के लिए बाध्य नहीं कर सकते।

बावजूद निजी स्कूल शिक्षा निदेशालय के निर्देशों और शिक्षा का अधिकार अधिनियम के नियमों को दरकिनार कर रहे हैं।

दिल्ली के मंत्री कैलाश गहलोत से ईडी की पूछताछ जारी

नई दिल्ली। केस में दिल्ली सरकार के मंत्रियों की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही है। दिल्ली सरकार में परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत पूछताछ का सामना करने के लिए ईडी मुख्यालय पहुंच चुके हैं। बता दें, ईडी ने कैलाश गहलोत को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने ही दिल्ली की नई शराब नीति का ड्राफ्ट तैयार किया था। विजय नायर कैलाश गहलोत के घर पर ही रुकता था उन पर ये भी आरोप है कि शराब घोटाले का आरोपी विजय नायर उनके घर आकर ही रुकता था। आम आदमी पार्टी की ओर से नहीं आया है कोई बयान कैलाश गहलोत के समन को लेकर अब तक आम आदमी पार्टी या दिल्ली सरकार की ओर से अब तक कोई पक्ष सामने नहीं आया है। नजफगढ़ से विधायक हैं कैलाश गहलोत कैलाश गहलोत नजफगढ़ से आम आदमी पार्टी के विधायक होने के साथ ही दिल्ली सरकार में ट्रांसपोर्ट और कानून मंत्री हैं। सूत्रों का कहना है कि कैलाश गहलोत से शराब घोटाले में हुई मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर पूछताछ होगी। ये लोग हो चुके हैं घोटाले में गिरफ्तार दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह समेत एक दर्जन से ज्यादा लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। इस मामले की जांच दो साल से चल रही है।

मुझे भी गिरफ्तार कर सकती है ईडी, फिर सौरभ भारद्वाज को, कैलाश गहलोत को समन भेजे जाने पर बोलीं आतिशी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। कैलाश गहलोत को ईडी के समन पर आतिशी ने कहा कि ईडी की जांच का आबकारी नीति से संबंध नहीं है। अगर ऐसा होता तो सबसे पहले ईडी भाजपा के लोगों के यहां जाती, क्योंकि कथित शराब घोटाले के आरोपी शरथ चंद रेड्डी द्वारा 59.5 करोड़ भाजपा को देने की बात साफ हो चुकी है। उन्होंने कहा कि आज कैलाश गहलोत को बुलाया गया है। कल मुझे ईडी बुला सकती है। सौरभ भारद्वाज को बुला सकती है। हमें भी ईडी गिरफ्तार कर सकती है। यह सब आप को समाप्त करने के लिए हो रहा है। मगर हम इससे डरने वाले नहीं हैं।

हर मामले में घटक दल एक साथः आतिशी महारैली को लेकर कांग्रेस के नेता जयराम रमेश के बयान पर आतिशी ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आईएनडीआईए गठबंधन के सभी घटक दल एक साथ हैं। चाहें केजरीवाल की गिरफ्तारी हो, या उससे पहले की बात हो या उसके बाद की बात हो, गठबंधन के सभी घटके दल साथ आए हैं और कड़ा विरोध जताया है। लोकतंत्र पर जितने भी प्रहार किए जा रहे हैं, इस मामले में सभी घटक दल एक साथ हैं।

मगुंटा रेड्डी से बीजेपी का क्या रिश्ता हैः सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बयान देने वाले मगुंटा श्रीनिवासलु रेड्डी और उनके पुत्र राघव मगुंटा 28 फरवरी को भाजपा के घटक दल ळउद्ध में शामिल हुए। इसके बाद मार्च 29 को मगुंटा श्रीनिवासलु रेड्डी को भाजपा के घटक दल TDP से लोक सभा का चुनाव लड़ने का टिकट मिलता है। आखिर ये रिश्ता क्या कहलता है?

उन्होंने कहा कि शराब कारोबारियों की साउथ लॉबी से शरथ रेड्डी भाजपा को 55 करोड़ का चंदा देता है। मगुंटा श्रीनिवासलु रेड्डी को भाजपा का घटक दल TDP टिकट देता है। तो क्या अब एऊभाजपा को शराब घोटाले की जाँच में आरोपी बनाएगी?

20 मोबाईल बरामद,6 मामलों का खुलासा

- सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट स्पेशल स्टाफ ने पकड़ा
- नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पार्किंग के पास कारवाई
- इंस्पेक्टर रोहित कुमार की टीम ने पकड़ा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट स्पेशल स्टाफ की पुलिस टीम ने मोबाइल चुराने और चोरी का मोबाइल खरीदने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान नरेश उर्फ हड्डी के रूप में हुई है। यह पहाड़गंज का रहने वाला है। इसके पास से 20 मोबाइल बरामद किया गया है। इसकी गिरफ्तारी से छह मामलों का खुलासा करने का पुलिस ने दावा किया है। डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया कि यह पहले से नबी करीम, पहाड़गंज, पार्लियामेंट स्ट्रीट, मॉडल टाउन और शाहदरा थाना में दर्ज मामलों में शामिल रहा है। इसकी गिरफ्तारी से आनंद पर्वत, दरियागंज, करोल बाग, कमला मार्केट, जमा मस्जिद थानों के मामलों का खुलासा किया गया है। स्पेशल स्टाफ की टीम को इसके बारे में एक इनफार्मेशन मिली थी की हड्डी नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास मल्टीलेवल पार्किंग में चोरी का मोबाइल बेचने के लिए आने वाला है। इस इनफार्मेशन पर इंस्पेक्टर रोहित कुमार, हेड कांस्टेबल प्रवीण, मुनेश मुकेश की टीम ने ट्रैप लगाकर इसे पकड़ा।

डाबड़ी थाना इलाके में करता था वारदात

- आधी रात निकला पुलिस टीम ने दबोचा
- चोरी की बाईक और चाकू हुआ बरामद

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

डाबड़ी थाना की पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल चोरी करके उससे मोबाइल स्नेचिंग करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान अभिषेक उर्फ गंजा और साहिल उर्फ बाबू के रूप में हुई है। यह दोनों बापरोला के जय विहार और चाणक्य प्लेस के रहने वाले हैं। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि उनके पास से चोरी की स्कूटी बटनदार चाकू बरामद किया गया है। यह दोनों दोस्त मिलकर डाबड़ी थाना इलाके में चोरी और स्नेचिंग की वारदात को अंजाम देते थे। एसएचओ धनंजय प्रताप सिंह की देखरेख में एएसआई धर्मेंद्र और कांस्टेबल करण की टीम ने एक सूचना पर इनके बारे में पता लगाकर गिरफ्तार किया। जब यह फिर से वारदात करने के लिए निकला था। 25 फुटा रोड चाणक्य प्लेस पर आधी रात को इसे पकड़ा। जांच में मोटरसाइकिल चोरी की निकली तलाशी में चाकू मिला, आगे की कार्रवाई की जा रही है।

द्वारका स्पेशल स्टाफ टीम की कारवाई

- एक महिला सहित तीन शराब तस्कर पकड़ा

950 क्वार्टर शराब की हुई बरामद

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

द्वारका जिला के स्पेशल स्टाफ की पुलिस टीम ने शराब तस्करी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 950 क्वार्टर शराब का बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोनू कोमल सिंह, मुकेश और सुनीता के रूप में हुई है। मोनू पहले से तीन, मुकेश दो और सुनीता 6 मामलों में शामिल रह चुके है। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि इनके बारे में मिली जानकारी के आधार पर इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की देखरेख में सब इंस्पेक्टर राकेश, हेड कॉन्स्टेबल राजकुमार, गीता और कांस्टेबल रवि की टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस को पता चला कि यह कुतुब विहार, गोला डेयरी इलाके में शराब की सप्लाई करते हैं।

मोनू शराब का सप्लायर है, इसके पास से 750 क्वार्टर शराब के बरामद किए गए और इसके खिलाफ छावला थाने में एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। आगे की जांच में मुकेश को पकड़ा गया और उसके पास 100 क्वार्टर मिले और फिर सुनीता को पकड़ा गया उसके पास से भी 100 क्वार्टर शराब के मिले।

2 करोड़ की हीरोइन जब्त, नबालिक सहित 4 दबोचा

- क्राइम ब्रांच ईस्टर्न रेंज -2 की टीम ने पकड़ा
- बदायूं से होती थी दिल्ली में हीरोइन की डिलिवरी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

क्राइम ब्रांच की टीम ने ड्रग तस्करी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए तीन शातिर ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान जकी अहमद, हबीब और राशीद के रूप में हुई है। यह तीनों दिल्ली और उत्तर प्रदेश के बदायूं के रहने वाले हैं। इस ग्रुप के एक नाबालिक साथी को भी पुलिस टीम ने हिरासत में लिया है, जिसके जरिए ये लोग ड्रग्स की खेप लेते थे। इनके पास से 510 ग्राम हाई क्वालिटी की हीरोइन बरामद की गई जिसकी कीमत लगभग 02 करोड़ बताई जा रही है।

डीसीपी संजय सेन ने बताया की पूर्वी रेंज -2 के राजकुमार की देखरेख में एएसआई सत्येंद्र, हेड कांस्टेबल मोहित और राजीव की टीम ने तस्करी के इस मामले का खुलासा किया है। जब पुलिस को एक इनफार्मेशन मिली थी की जकी और हबीब ड्रग तस्करी का धंधा करता है। यह वेलकम के कबीर नगर इलाके में हीरोइन की सप्लाई करने के लिए आने वाला है। उस सूचना पर पुलिस टीम ने वहां पर ट्रैप लगाया और इन्हें पकड़ा।

इनके पास से हीरोइन बरामद की गई उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया और दोनों आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उनसे पूछताछ की गई तो फिर तीसरे आरोपी के बारे में पता चला जो कार से हीरोइन लाकर दिल्ली में इनको सप्लाई करता था। उसके पास से कार और हीरोइन जप्त की गई। उसने बताया कि वह बदायूं के रहने वाले एक शख्स से ड्रग खरीदता था। पुलिस टीम ने वहां छापा मारा तो वहां से एक शख्स को पकड़ा। जहां में पता चला वह नाबालिक है। आगे की छानबीन की जा रही है।

आत्महत्या के बढ़ते मामलों को डॉक्टर भी मानते हैं चिंताजनक

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक पूरी दुनिया में हर साल 8 लाख से अधिक लोग आत्महत्या कर लेते हैं। वहीं नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा गत 4 दिसंबर 2023 को जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2022 के दौरान आत्महत्या के 170924 मामले दर्ज किए गए। अपने आप को नुकसान पहुंचाने वाले लोगों की संख्या आत्महत्या करने वालों की संख्या से कई गुना ज्यादा है। आत्महत्या करने वाले और खुद को नुकसान पहुंचाने वाले मामलों को काफी हद तक टाला जा सकता है यदि एसी प्रवृत्ति वाले व्यक्तियों की समय पर पहचान हो जाए और उनको आवश्यक सलाह, मार्गदर्शन व चिकित्सा मिल जाए। खुद को नुकसान पहुँचाना एक गंभीर समस्या बनती जा रही है और यह समस्या किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकती है। आत्म-घात की प्रवृत्ति महिलाओं तथा किशोरों में अधिक देखने को मिलती है। खुद को चोट पहुंचाने वाले व्यक्तियों, उनके परिवारों व सामाजिक तथा स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े कार्यकताओं और संगठनों को आत्म-घात से जुड़े मुद्दों के बारे में जागरूक व शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल 1 मार्च को आत्म-घात जागरूकता दिवस मनाया जाता है। सेल्फ इंजरी अवेयरनेस डे को मनाने का उद्देश्य है खुद को नुकसान पहुंचाने से बचाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इस समस्या से जूझ रहे लोगों को सहायता प्रदान करना। इसके लक्षणों और संकेतों को समझने में मदद करने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है। इससे यह समझने में मदद मिलती है कि आत्म-घात एक मानसिक समस्या है और इसके लिए मदद लेना जरूरी है। इससे आत्म-घात की प्रवृत्ति से पीड़ित लोगों मदद लेने के प्रोत्साहित होते हैं। इससे एसे लोगों को यह महसूस होता है कि वे अकेले नहीं हैं और उनके लिए मदद उपलब्ध है। इससे आत्महत्या को रोकने में भी मदद मिलती है। मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत सहायता समूह आत्म-घात की प्रवृत्ति से जूझ रहे लोगों को समर्थन और प्रोत्साहन प्रदान करते हैं। 1800 के दशक में फ्रांसीसी मनोचिकित्सक फिलिप पिनेल ने पहली बार आत्म-घात के कुछ मामले दर्ज किये थे। वहीं 20वीं शताब्दी की शुरूआत में आत्म-घात मानसिक बीमारी के लक्षणों में से एक माना गया। इसके बाद इस बीमारी का विस्तार सेअध्ययन किया गया। इस दौरान 1995 में स्व-विकृति पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। 1997 में इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ सेल्फ-इंजरी की स्थापना की गई। इसके बाद 2001 में पहला आत्म-घात जागरूकता दिवस मनाया गया और 2003 में यह दिवस एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में घोषित किया गया। तब से लेकर हर साल 1 मार्च को दुनियाभर में यह दिवस मनाया जाता है। यह दिवस आत्म-घात से पीड़ित लोगों को यह महसूस कराता है कि वे अकेले नहीं हैं और उनके लिए मदद उपलब्ध है। ऐसे रोगियों को यह समझने की आवश्यकता है कि आत्महत्या कभी भी समाधान नहीं है। खुद को नुकसान पहुंचाने के कुछ लक्षण हैं-शरीर पर चोट, जलने या खरोंच के निशान,

अकेले रहने की प्रवृत्ति,

अवसाद या चिंता के लक्षण।

चलती बस से मोबाईल चुराकर हो जाता फरार

- कोतवाली पुलिस ने शातिर बदमाश को दबोचा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

कोतवाली थाना की पुलिस टीम ने रोको टोको अभियान के तहत एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। जो मौका देखकर कभी लूटपाट तो कभी जेबतराशी की वारदात को अंजाम देता था। इसका निशाना मुख्य रूप से बस में सफर करने वाले लोग होते थे। यह वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो जाता था। इसके पास से मोबाइल भी बरामद किया गया है। इसकी पहचान अजय उर्फ ईश्वर के रूप में हुई है। यह यमुनापार के न्यू सीलमपुर का रहने वाला है। पहले से लूट, स्नैचिंग, चोरी, धमकी देने और आर्म्स एक्ट के 9 मामलों में शामिल रहा है। जो इसने कश्मीरी गेट, कोतवाली, सरिता विहार, सीलमपुर, जाफराबाद और शास्त्री पार्क मेट्रो स्टेशन इलाके में अंजाम दिया था। डीसीपी मनोज कुमार मीणा ने बताया कि जामा मस्जिद इलाके में चलती बस से एक पैसेंजर से मोबाइल चोरी कर लिया था और मौके से फरार हो गया था। एसीपी शंकर बनर्जी की देखरेख में एसएचओ जतन सिंह की टीम ने इस शातिर बदमाश को पकड़ने में कामयाबी पाई है।

द्वारका में ऐज वैल एसोसिएशन द्वारा तेरे मेरे गीत (जूनियर) सीजन-6 आयोजित

नई दिल्ली। ऐज वैल एसोसिएशन के तत्वावधान में दी न्यू जय भारत अपार्टमेंट, सेक्टर-4 के सामुदायिक सभागार में तेरे मेरे गीत (जूनियर) नामक गीत संगीत संध्या (सीजन-6) का सफलतापूर्वक आयोजन किया! एसोसिएशन के संस्थापक तथा आयोजक सेवानिवृत बैंक अधिकारी इंदर मोहन खन्ना के अनुसार द्वारका आसपास के बीस से अधिक स्कूली बच्चों ने अपने गायन कौशल से उपस्थित सैंकड़ों श्रोताओं को दांतो तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में डॉक्टर दीपमाला कौल लालचंदानी, प्रोतिमा खंडेलवाल, मोहम्मद ताहिर, असगर अली, विशाल गुप्ता, नीरू गुप्ता, प्रोफेसर एस. एस. डोगरा , मेडिसन बाबा, संजय अग्रवाल, योगेश गुप्ता आदि गणमान्य अतिथियों ने शिरकत की। उक्त गीतों भरी शाम में बॉलीवुड के सदाबहार गीतों को उम्दा प्रस्तुति के लिए प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने सुनीता केजरीवाल से की मुलाकात

नई दिल्ली। जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने दिल्ली में सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की। मुख्यमंत्री आवास पर दोनों के मुलाकात हुई। बता दें कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कथित शराब घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया गया है, जबकि हेमंत सोरेन को कथित जमीन घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया गया है। आम आदमी पार्टी (आप) के एक्स हैंडल पर दोनों की मुलाकात से जुड़ा एक वीडियो भी शेयर किया गया है। जिसमें कल्पना सोरेन और सुनीता केजरीवाल एक दूसरे से गले मिलते नजर आ रही हैं। साथ ही कैप्शन में लिखा गया है कि झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की धर्मपत्नी कल्पना सोरेन जी सुनीता केजरीवाल से से उनके आवास पर मिलीं।

जेल से सरकार ना चलती देख बौखला गए हैं अरविंद केजरीवाल : हिनू महाजन

कहा हताशा में पत्नी मुख्यमंत्री बने इसकी कर रहे हैं तैयारी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट की अधिवक्ता हिनू महाजन ने कहा हिरासत में बैठे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद जेल से अपनी सरकार ना चलने के भविष्य में हालातो को देख अब बौखला गए हैं और अब अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाने की कोशिशें में लग गए हैं यह वही अरविंद केजरीवाल हैं जो पहले परिवारवाद पर बड़ी-बड़ी टिप्पणी करते थे। हिनू महाजन ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और उनकी टीम की जो प्लानिंग शुरू से बनी हुई है, उसमें पहली प्राथमिकता जेल से ही सरकार चलाने की थी लेकिन अब उन्हें नजर आ रहा है कि यह काम टेढ़ी खीर है क्योंकि ना तो जेल प्रशासन इसकी अनुमति देने वाला अदालत इसमें हस्तक्षेप इनकार कर चुकी है। उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने साफ कर दिया है की सरकार जेल से नहीं चला करती है इसके बाद उनके पास अब कोई ज्यादा विकल्प नहीं बचे हैं। महाजन ने कहा कि केजरीवाल को राजनीति में किसी पर विश्वास नहीं इसलिए वह मुख्यमंत्री की सीट अपने किसी विधायक को देने को तैयार नहीं है इसलिए अपनी पत्नी को ही यह जिम्मेवारी देने के लिए अब नाटक बाजी कर रहे हैं जिससे उनकी असलियत सामने आ गई है लेकिन वह कुछ भी कर ले अब दिल्ली की जनता उन्हें समझ चुकी है।

महारैली के लिए रामलीला मैदान तैयार, रविवार को तानाशाही के खिलाफ गरजेगा पूरा इंडिया- गोपाल राय

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के आह्वान पर 31 मार्च को इंडिया की हो रही महारैली के लिए रामलीला मैदान पूरी तरह से तैयार है। महारैली में पूरा इंडिया तानाशाही के खिलाफ और देश का लोकतंत्र-संविधान बचाने के लिए जनता के साथ मिलकर अपनी आवाज बुलंद करेगा। शनिवार को आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने रामलीला मैदान जाकर तैयारियों का जायजा लिए। उन्होंने बताया कि रैली में कांग्रेस से मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, पंजाब के सीएम भगवंत मान, झारखंड के सीएम चंपई सोरेन, एनसीपी से शरद पवार, शिवसेना से उद्धव ठाकरे, सपा से अखिलेश यादव, आरजेडी से तेजस्वी यादव और लेफ्ट समेत दर्जनों बड़े नेता शामिल होंगे। देश का संविधान और लोकतंत्र बचाने का यह आखिरी मौका है। अगर आज देश की जनता ने आवाज नहीं उठाई तो कल कोई भी अपनी आवाज नहीं उठा पाएगा। उन्होंने कहा, दिल्लीवालों से भाजपा ने पहले सुप्रीम कोर्ट से मिला अधिकार छीन लिया और अब उनका मुख्यमंत्री छीन लिया है। सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर लोगों में भारी आक्रोश है। महारैली की तैयारियों का जायजा लेने रामलीला मैदान पहुंचे आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के चुने हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जिस तरह से देश के प्रधानमंत्री ने तानाशाही पूर्ण रवैया अपनाते हुए गिरफ्तार करवाया है। उसके खिलाफ पूरी दिल्ली के लोगों में आक्रोश है। पूरे देश में लोकतंत्र की हत्या हो रही है। एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है, उसके खिलाफ रविवार को रामलीला मैदान में पूरा इंडिया गठबंधन तानाशाही हटाओ, लोकतंत्र बचाओह्व महारैली में पहुंच रहा है। इसमें गठबंधन के सभी घटक दलों के साथ अन्य विपक्षी पार्टियों के शीर्ष नेतृत्व भी शामिल होंगे और दिल्ली के लोग के साथ मिलकर के इस तानाशाही के खिलाफ और लोकतंत्र को बचाने के लिए आवाज बुलंद करेंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से देश में लगातार विपक्ष के नेताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है। उनको एजेंसियों के जरिए टारगेट किया जा रहा है। जिस तरह से एक चुने हुए मुख्यमंत्री को केवल आरोप के आधार पर उठाकर जेल में डाल दिया गया। लोकतंत्र को कुचलने का जो पूरा खेल चल रहा है। इसके खिलाफ रविवार को रामलीला मैदान में देशभर से इंडिया गठबंधन के लोग आ रहे हैं। आज संविधान और लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है। अलग-अलग तरह से लोगों की आवाज को बंद किया जा रहा है। ऐसे में तानाशाही सरकार को हटाकर लोकतंत्र को बचाना जरूरी हो गया है। दिल्ली के लोगों ने देखा कि किस तरह से सुप्रीम कोर्ट के संविधान पीठ के द्वारा दिल्ली के लोगों को दिए गए अधिकार को केंद्र सरकार ने छीन लिया। बीजेपी शासित केंद्र सरकार ने पहले दिल्ली के लोगों के अधिकार छीने और अब दिल्ली का मुख्यमंत्री छीन लिया। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि इस देश में संविधान और लोकतंत्र को बचाने का यह आखिरी मौका है। क्योंकि इस समय जो स्थितियां बन रही हैं। अगर इनको अभी नहीं संभाला गया तो फिर कल कोई इस देश में आवाज भी नहीं उठा पाएगा। उम्मीद है कि रामलीला मैदान में आंदोलन के लिए जिस संख्या में लोग आते रहे हैं, रविवार को उससे भी बड़ी संख्या में लोग आएंगे। गोपाल राय ने कहा कि इस महारैली में भाग लेने के लिए कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, एनसीपी से शरद पवार, शिवसेना से उद्धव ठाकरे, सपा से अखिलेश यादव, आरजेडी से तेजस्वी यादव, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के प्रतिनिधि के रूप में डेरेक ओ ब्रायन, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन, जम्मू-कश्मीर से फारुक अब्दुला, दक्षिण भारत से डीएमके के सांसद, लेफ्ट पार्टियों के प्रमुख नेता सीताराम येचुरी, डी. राजा, दीपांकर भट्टाचार्य समेत अन्य बड़े नेता आ रहे हैं। इसके साथ ही कुछ अन्य प्रमुख लोगों से बातचीत चल रही है।

ईडी ने डीजेबी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अदालत में आरोप पत्र किया दाखिल

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के भीतर कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच में एक कदम आगे बढ़ाते हुए चार व्यक्तियों और एक कंपनी के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। इस मामले की अगली सुनवाई एक अप्रैल को दिल्ली प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) अदालत करने वाली है। अदालत संभवतः यह तय करेगी कि 8,000 पेज तक के दस्तावेजों के साथ 140 पेज की चार्जशीट पर संज्ञान लिया जाए या नहीं। यह फ्लो मीटर खरीद की निविदा में कथित भ्रष्टाचार का मामला है। सूत्रों के अनुसार, आरोप पत्र में पूर्व डीजेबी मुख्य अभियंता जगदीश कुमार अरोड़ा, ठेकेदार अनिल कुमार अग्रवाल, एनबीसीसी के पूर्व महाप्रबंधक डी.के. मित्तल, तेजिंदर सिंह और एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के निदेशक, जिनका निधन हो चुका है, का नाम शामिल हैं। हालांकि उन्हें मामले में आरोपी नहीं बनाया गया है। ईडी ने आरोप लगाया है कि मामले में लिया गया रिश्वत का पैसा आम आदमी पार्टी (आप) को चुनावी फंड के रूप में दिया गया था।

मोदी राज नें तोड़ डाले महंगाई के सारे रिकार्ड : श्रीदत्त शर्मा

- महंगाई ने किया लोगो का जीना मुहाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आज से दस साल पहले देश में एक नारा बड़ी तेजी से गूंजा था बहुत हुई महंगाई की मार अबकी बार मोदी सरकार। और लोग नारे से प्रभावित भी हुए थे यहां तक कि लोगो नें लुभावने नारों से प्रेरित हो सत्ता भी बदल डाली थी। लेकिन उसके बाद क्या हुआ महंगाई की रफ्तार और तेजी से बढने लगी तथा महंगाई नें लोगो का जीना मुहाल कर दिया। यह कहना है घोंडा विधानसभा से आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक श्रीदत्त शर्मा का। श्रीदत्त शर्मा कहते हैं आज आलम यह है की देश की आधी से भी ज्यादा आबादी महंगाई से त्रस्त है लोगो का जीना मुहाल है दो जून की रोटी के लिए लोगों को दिन रात पसीना बहाना पड़ता है तब जाकर उन्हें रोटी नसीब होती है। जो नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने से पहले महंगाई पर बड़े-बड़े दावे करते थे, आज उनके मुंह से महंगाई का ह्यमह्ल भी नहीं निकल रहा है। श्री दत्त शर्मा कहते हैं आज हर सामान की कीमत में आग लगी है। राशन-दाल से लेकर सब्जियों समेत रोजमर्रा के सामानों की कीमतें आसमान छू रही है। नमक-तेल जैसे बेहद जरूरी चीजों की कीमतें मोदी राज में कई गुना तक बढ़ गई है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, सब्जियों की कीमत एक साल के भीतर 60 फीसदी तक बढ़ी है। 2014 में पेट्रोल की कीमत 70 रुपये लीटर थी, जो आज सौ रुपये से ज्यादा है। 2014 में डीजल की कीमत 55 रुपये लीटर थी, जो आज 90 रुपये लीटर है। घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 414 रुपये थी, जो आज एक हजार से ज्यादा है । 2014 में सी.एन.जी की कीमत 38 रुपये प्रति किलो थी, जो आज 90 रुपये प्रति किलो है। 2014 में आटा 21 रुपये प्रति किलो पर था, जो आज करीब पचास रुपये प्रति किलो है। 2014 में जो चावल 29 रुपये प्रति किलो पर था, जो आज सौ रुपये प्रति किलो है। 2014 में दूध के दाम 36 रुपये प्रति लीटर पर थे, जो आज 63 रुपये प्रति लीटर है। 2014 में अरहर दाल 75 रुपये प्रति किलो के भाव पर थी, जो आज 130 रुपये प्रति किलो है। सरसों का तेल 90 रुपये प्रति किलो पर था, जो आज करीब दो सौ रुपये प्रति किलो है। श्री दत्त शर्मा कहते हैं प्रधानमंत्री देश को विश्वगुरु बनाने का दावा करते हैं। मगर हकीकत ये है कि आज देश के 80 करोड़ लोग राशन की लाइनों में लगने और करोड़ों लोग रोज भूखे पेट सोने को मजबूर हैं। इस अमृतकाल में देश के करोड़ों बच्चे कुपोषण और भुखमरी के शिकार हैं।

संक्षिप्त खबरें

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने अभ्यार्थियों को आय व्यय का लेखा जांच हेतु किया समय निर्धारित

जमुई - जमुई लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के लिए अभ्यर्थियों के द्वारा दैनिक व्यय से प्रत्येक दिन संधारित किए जाने वाले चुनावी व्यय की लेखा जांच की जानी है ' व्यय प्रेक्षक, भारत निर्वाचन आयोग की सहमति से अभ्यर्थियों के द्वारा किए जाने वाले व्यय के लेखा जांच हेतु तिथि निर्धारित की गयी है ' प्रथम जांच तिथि दिनांक 4 अप्रैल 2024, 10 अप्रैल 2024 को द्वितीय जांच तथा 16 अप्रैल 2024 को तृतीय जांच (10:00 पूर्वाह्न से 5:00 अपराह्न तक) समाहरणालय स्थित संवाद कक्ष में किया जाएगा ' अभ्यर्थी निर्धारित तिथि को व्यय लेखा जांच हेतु स्वंय/निर्वाचन अभिकर्ता के माध्यम से उपस्थित रहेंगे ।

मधेपुरा में अंतर जिला सुपौल के 4 अपराधी गिरफ्तार

गम्हारिया थाना क्षेत्र में लूट की योजना बना रहे थे गिरफ्तार सभी अपराधी, पुलिस ने किया मिशन को नाकाम

प्रात: किरण, संवाददाता

- अपराध करने से पहले अपराधी गिरफ्तार
- गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने दो देशी कट्टा दो जिंदा कारतूस और मोबाइल फोन समेत नगदी भी किया बरामद

मधेपुरा पुलिस ने गम्हरिया थाना क्षेत्र के टोका से औराही जाने वाली रोड में जोर्रा पुल के पास अपराध की योजना बना रहे चार अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से दो कट्टा,दो कारतूस,दो मोबाइल, 3 मास्क, एक बाइक और 6900 रुपए नगद बरामद किया गया है।वहीं इस मामले की जानकारी आज मधेपुरा एसपी संदीप सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया को दी।उन्होंने बताया कि जिले में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इसी क्रम में 28 मार्च को प्राप्त सूचना के आधार पर गम्हरिया थाना अध्यक्ष ने पुलिस बलों के साथ टोका से औराही जाने वाली रोड में जोर्रा पुल के पास छापेमारी की, जहां छापेमारी के दौरान किसी संगीन अपराध की योजना बना रहे चार-पांच की संख्या में एकत्रित अपराधी भागने लगे, जिसमें से चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार अपराधियों में अंतर जिला सुपौल के चौघारा निवासी फुसन राम का पुत्र विपिन कुमार,चौघारा वार्ड संख्या 5 निवासी उपेंद्र शर्मा का पुत्र रमेश कुमार, चौघारा वार्ड चार निवासी मो. खलील का पुत्र मो. मिस्टर और गम्हरिया थाना क्षेत्र के कमलजरी वार्ड संख्या 11 निवासी स्व. शंकर प्रसाद यादव का पुत्र नीतीश कुमार शामिल है।एसपी ने बताया कि एक अपराधी भागने में सफल रहा,जिसकी पहचान कर ली गई है बहुत जल्द उसकी गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि सभी अपराधी बभनी जाने वाली सड़क पर लूटपाट की योजना बनाने के लिए एकत्रित हुए थे, गिरफ्तार अपराधियों का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है। आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एएसपी प्रवेंद्र भारती, गम्हरिया थाना अध्यक्ष विकास कुमार आदि पुलिस बल भी मौजूद थे।

शराब तस्करी और अवैध सामान पर नियंत्रण के लिए पुलिस लगातार चला रही तलाशी अभियान

- गिद्धौर थाना चेक पोस्ट पर आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जांच अभियान तेज

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई/गिद्धौरः- झाझा- जमुई मुख्य मार्ग गिद्धौर थाना के चेक पोस्ट के समीप लोकसभा चुनाव को लेकर लगातार कड़ाई के साथ जांच की जा रही है, ताकि बिहार में प्रतिबंधित शराब के अवैध कारोबार पर पूरी तरह नकेल कसा जा सके। 24 घंटे पुलिस बल के जवान तैनात होकर आने जाने वाले वाहनों की जांच कर रहे हैं। साथ ही सुरक्षा के बाबत भी वाहनों की तलाशी ली जा रही है। पुलिस टीम द्वारा गिद्धौर सीमा में प्रवेश करने वाले वाहनों के चालको एवं यात्रियों से जांच के लिए पूछताछ की जाती है और वाहनों की तलाशी भी ली जा रही है। गिद्धौर पुलिस एवं उत्पाद विभाग द्वारा बाइक से लेकर फोर व्हीलर,बस,आँटों सहित सभी गाड़ियों की जांच की जा रही है। थाना अध्यक्ष रीता कुमारी ने बताया कि 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस टीम दिन रात चेक पोस्ट पर ड्यूटी कर रही है।चेक पोस्ट पे नियुक्त पदाधिकारी रोहित प्रसाद यादव,आयुषी कुमारी सहित पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

215 बटालियन सीआरपीएफ ने कैम्प परिसर में धुमधाम से मनाया 14 वाँ स्थापना दिवस

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई/बरहटः- शनिवार को जोगेन्द्र सिंह मौर्य, कमाण्डेन्ट 215 बटा० के नेतृत्व में 215 बटा० का 14वाँ स्थापना दिवस वाहिनी स्तर पर घूमधाम से मनाया गया। 215 बटालियन की स्थापना 29 मार्च 2010 को समूह केन्द्र, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश) में हुई थी। बटालियन को आंतरिक सुरक्षा हेतु तैनात किये जाने से पुर्व भारतीय सेना के अधीन काउन्टर इन्सर्जेन्सी/एन्टी टेरोरिस्ट प्रशिक्षण के अलावा कोबरा बटालियन के साथ भी प्रशिक्षण दिया गया था। यह बटालियन वर्ष 2012 से बिहार के भिन्न-भिन्न स्थानों पर नक्सल विरोधी अभियानों हेतु तैनात रही है। स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर पुलिस लाईन, मलयपुर कैम्प परिसर में जोगेन्द्र सिंह मौर्य, कमाण्डेट 215 बटा० ने क्वार्टर गार्ड में विशेष गार्ड से सलामी ली एवं देश की एकता और अखण्डता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले के. रि.पु. बल के शहीदों को 215 बटा० के सभी अधिकारियों एवं जवानों की ओर से श्रद्धांजली अर्पित की। साथ ही साथ इस अवसर पर जोगेन्द्र सिंह मौर्य, कमाण्डेन्ट 215 बटा0 ने संबोधन में सैनिक सम्मेलन का भी आयोजन किया गया, जिसके दौरान उन्होंने 215 बटा० के द्वारा स्थापना के समय से अभी तक परिचालनिक एवं प्रशासनिक डयूटी के दौरान अर्जित उपलब्धियों तथा विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाओ के बारे में भी अवगत करवाया। स्थापना दिवस के उपलक्ष में बटा० खेल परिसर में मैत्रीपूर्ण वॉलीबॉल और रस्साकस्सी खेल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें 215 बटा० के सभी अधिकारीयों, अधिनस्थ अधिकारीयों व जवानों ने बढ़-चढ़ के हिस्सा लिया एवं विजेता व उपविजेता टीमों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी क्रम में कैम्प परिसर में संध्या काल में भव्य संस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि श्री हिमांशु शेखर द्विवेदी, भा०पु०से०, कमाण्डेन्ट 11 बी.एस.ए.पी जमुई, एवं विशेष अतिथि के रूप में डॉ० शौर्य सुमन पुलिस अधीक्षक, भा०पु०से०, जमुई, शामिल हुए। इसके अतिरिक्त विजय कुमार (उप० कमाण्डेन्ट), ओमकार नाथ सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) जमुई. जय सिंह जाट, रमेश कुमार (उप कमा०), डॉ० सुभाष कुमार सुमन (वरीष्ठ चिकित्सा अधिकारी), अरविन्द कुमार रॉय (सहा०कमाडेन्ट) 215 बटा०, भी उपस्थित रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में वाहिनी के जवानों एवं डी.ए.वी. एवं किरन हर्ट स्कूल के छात्राओं ने भाग लिया जिसमें देश भक्ति गीत, देश के विभिन्न राज्यों के लोक नृत्य, भांगडा, बिहु नृत्य इत्यादी की प्रस्तति दी गयी। संस्कृतिक कार्यकम में मुख्य अतिथि महोदय ने 215 बटा० केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को बधाई दी एवं देश और समाज के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के द्वारा किये गए कार्यों की सराहना की। अन्त में जोगेन्द्र सिंह मौर्य, कमाण्डेन्ट 215 बटा० द्वारा समारोह का समापन किया गया। जोगेन्द्र सिंह मौर्य, कमाण्डेन्ट 215 बटा० ने मुख्य अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों को इस विशेष कार्यक्रम में पधारने के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कई गणमान्य अतिथियों एवं वाहिनी के अधिकारीयों एवं कार्मिकों ने भाग लिया।

वोट डालने को ले निकाली रैली

प्रात: किरण संवाददाता

कुमारखंड,मधेपुरा कुमारखंड प्रखंड मुख्यालय स्थित गुदर मध्य विद्यालय परिसर से शनिवार को लोकसभा चुनाव में आमलोगों द्वारा अधिक से अधिक मताधिकार का प्रयोग करने को लेकर आगनवाड़ी केंद्र संख्या 255 की सेविका नाजरीन खातून के नेतृत्व में विद्यालय के सभी शिक्षक और अन्य ने जागरूकता रैली निकाली। विधायल परिसर से बिशनपुर बाजार वार्ड नंबर पांच महादलित टोला होते हुए गुदाम टोला तक पैदल मार्च कर लोगो को चुनाव में वोट डालने के लिए प्रेरित करने को लेकर जनजागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान सेविका नाजरीन खातून ने लोगों से लोकसभा चुनाव के लिए 7 मई को होने वाले वोटिंग के दौरान अधिक से अधिक संख्या में अपने बूथ पर पहुंचकर लोकतंत्र के इस महापर्व में मताधिकार का प्रयोग कर सरकार बनाने में अपनी भागीदारी देने का आह्वान किया। इस दौरान पर्यवेक्षिका निशि कुमारी, सेविका बीवी नाजरीन खातून, साहियका अजीमा खातून, रुचिता कुमारी, गुदार मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक दयानंद यादव, सहायक शिक्षक मोहम्मद यूनुस मुस्तफा, ललिता कुमारी, सज्जन कुमारी अन्य शिक्षक जागरूकता रैली में शामिल थे।

गंगा किनारे जैविक खाद का उपयोग करने की योजना धराशायी

प्रात: किरण, संवाददाता

महनार । 30 जनवरी। केंद्र सरकार के द्वारा गंगा नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने हेतु तरह तरह की योजना चलाई जा रही है और इसी के अंतर्गत गंगा नदी के किनारे होने वाले खेती में रसायनिक खाद की जगह जैविक खाद का प्रयोग करते के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने की योजना चलाई जा रही है ।

विदित हो कि महनार के गंगा नदी के दियारा इलाका में गेहूं, मूंग, चना, ककड़ी इत्यादि चीजों की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है। किसान अधिक उपज की लोभ में रसायनिक खाद का धड़ल्ले से उपयोग करते है जिस कारण यहां की भूमि प्रदूषित हो कर विषैली हो जाती है। जब नदी का जलस्तर बढ़ता है तो यह मिट्टी नदी में समाहित हो जाती है और इससे जल प्रदूषित होता ही है एवं इसके साथ ही मछली व अन्य जलीय जीव भी प्रदूषण का शिकार हो रहे है। इसी प्रदूषण को रोकने हेतु सरकार ने किसानों को रसायनिक खाद की जगह जैविक खाद का उपयोग करने के लिए प्रोत6 किया एवं किसानों को बताया कि यदि रसायनिक खाद की जगह जैविक खाद का इस्तेमाल करेंगे तो हो सकता है, अगले उस साल तक फसल का पैदावार कम होगा एवं इसकी भरपाई के लिए सरकार किसानों को मुआवजा भी देगी। सूत्रों का कहना है कि किसान तो मुआवजा ले रहे है किंतु जैविक खाद की जगह रासायनिक खाद का ही उपयोग कर रहे है। कृषि विभाग की लापरवाही के कारण सरकार का गंगा को निर्मल बनाने की योजना दम तोड़ती नजर आ रही है ।

ग्रामीण चिकित्सक विजय चौधरी के घर हुई भीषण चोरी,जांच में जुटी कुमारखंड पुलिस

प्रात: किरण संवाददाता

कुमारखंड मधेपुरा जिले के कुमारखंड थाना क्षेत्र अंतर्गत रहता गांव के वार्ड नंबर 9 में ग्रामीण चिकित्सक के घर भीषण चोरी की घटना को अंजाम दिया गया बताया जा रहा है की घटना में करीब 20 लाख से अधिक की संपत्ति की चोरी हुई है।मामले को लेकर पीड़ित गृह स्वामी के द्वारा कुमारखंड थाना में लिखित आवेदन देकर चोरों पर कार्रवाई करने की मांग की गई है घटना के बारे में बताया जा रहा है कि बीते होली के दिन ग्रामीण चिकित्सक डॉ विजय चौधरी के पुत्र सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसे इलाज के लिए नेपाल के न्यूरो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया उन्हीं के इलाज के लिए घर के सभी परिजन नेपाल गए हुए थे इधर घर सुनसान देख चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दे दिया बताया गया कि घर के पीछे से खिड़की का दरवाजा तोड़कर चोर अंदर दाखिल हुआ और फिर घर का ताला तोड़कर गोदरेज में रखे लाखों रुपए एवं सोने चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गया घटना की सूचना पाते हैं मौके पर पहुंची कुमारखंड थाने की पुलिस ने मामले की छानबीन कर अनुसंधान शुरू कर दिया हालांकि इस मामले में स्थानीय एक व्यक्ति पर शंका के आधार पर एक नामजद और अन्य अज्ञात चोरों पर प्राथमिक की दर्ज करने के लिए आवेदन दिया गया है डॉक्टर विजय चौधरी की पत्नी और उनके परिजनों ने बताया कि बेटे के इलाज के लिए करीब 10 से 15 लाख रुपया लोगों से इकट्ठा कर घर में रखा था और वही रुपया लेने के लिए नेपाल से जब डॉक्टर विजय की पत्नी घर पहुंची और जैसे ही अंदर प्रवेश की तो देखा दरवाजा खुला हुआ है गोदरेज का ताला टूटा हुआ है और सभी नगद और सोने चांदी के जेवरात गायब है। फिलहाल घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है तो वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है ।इस मामले में कुमारखंड थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि घटना की सूचना गृह स्वामी के द्वारा दी गई। सूचना पाते ही स्थल निरीक्षण किया गया है। घटना संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। इस मामले की जांच की जा रही है।

2 नामांकन दाखिल करने वाले प्रत्याशियों में से संवीक्षा के दौरान 05 अस्वीकृत

जमुई 40 जमुई लोकसभा (सु) का चुनाव पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होना है।जिसके लिए जमुई जिला पुलिस प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। जहां नामांकन दाखिल करने के अन्तिम दिन 28 मार्च को कुल 12 उम्मीदवारों ने अपना अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। आज 30 मार्च को नामांकन पत्रों की संवीक्षा जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी राकेश कुमार की अध्यक्षता में की गई।जिसमें कुल नाम निर्देशन पत्र प्राप्ति की संख्या 12 थी।वहीं संवीक्षा के दौरान कुल स्वीकृत नाम निर्देशन पत्र की संख्या 07 तथा अस्वीकृत नाम निर्देशन पत्र की संख्या 05। अस्वीकृत नाम निर्देशन पत्र अस्वीकृत का कारण अभ्यर्थियों को नोटिस देने के बावजूद भी प्रपत्र 26 संवीक्षा के समय पूर्ण रूप से भरा हुआ नहीं पाया जाना है ।

री-एडमिशन के नाम पर हो रहा दोहन, अभिभावकों को हो रही है परेशानी

निजी स्कूलों की मनमानी देख चिंतित है अभिभावक,बिगड रहा घर का आर्थिक बजट

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौरः- अभी के समय में निजी शिक्षण संस्थानों ने पूर्ण उद्योग का रूप ले लिया है।यहां सपना दिखा कर धन जमा किया जाता है।मतलब यह है कि बड़े-बड़े आलिशान भवन,बड़ी बड़ी गाड़ी दिखाकर अभिभावकों को उनके बच्चे का सुनहरा भविष्य का सपना दिखाकर बेहतर शिक्षा देने के नाम पर मोटी रकम वसूली की जाती है। हमारा बेटा,बेटी पढ़ लिख कर बड़ा आदमी बने अभिभावकों की इसी सोच का फायदा प्राईवेट स्कूल उठा रहे है। और उनके बच्चों को शिक्षा देने के नाम पर उनसे मोटी रकम वसूली कि जा रही है।अभिभावकों को भी किसी भी कीमत पर अपने बच्चों को सबसे बेहतर शिक्षा देने कि चाहत में हर शर्त मंजूर होती है।इसी बात का फायदा शिक्षा उद्योग सें जुड़े लोग उठाते है।हर वर्ष कई तरह के शुल्क जोड़ कर लारवों का मुनाफा कमाते है।यहां शुल्क इतना अधिक होता है कि गरीब उस स्कूल का सपना भी नही देख पाते है।जिससे हमारे देश में ऐसी व्यवस्था हावी होती जा रही है।ऐसे प्राईवेट विद्यालयों में सक्षम परिवार के बच्चों ही पढ़ा पाते है।एवं गरीबों के बच्चे नही पढ़ पाते है शिक्षा प्राप्ति में यह अंतर देश हित के लिए घातक साबित होता जा रहा है।बेहतर शिक्षा सुविधा पाने के लिए अधिक कीमत चुकाने की व्यवस्था के कारण गरीब अभिभावकों के बच्चों को बेहतर मंच नही मिल पाता है।एवं सही मार्गदर्शन नही मिलने के कारण उनके अंदर की विशेष प्रतिभा गांव की गलियों तक सिमट कर रह जाती है।प्राईवेट स्कूलों में वार्षिक परीक्षा में सफल होकर जब विद्यार्थी अगली कक्षा में प्रवेश करते है तो पुनः नामांकन के नाम पर अभिभावकों को मोटी रकम अदा करनी पड़ती है।प्रत्येक माह मासिक शुल्क देने के बाद भी हर वर्ष अभिभावकों की जेब पर असंवेधानिक तरीके से लुटा जाता है।जिस पर आज तक शिक्षा विभाग ने कोई विचार करने की जरूरत नही समझी।सरकार ने भी जनता को इस अतिरिक्त बोझ से बचाने कोई पहल नही की है।जैसे आम जनता ज्यादा बचत करके क्या करेगी।हर वर्ष मामूली बदलाव कर नई किताबें लागू कर दी जाती है,जिससे बच्चों की शिक्षा पर तो कोई प्रभाव नही पड़ता पर अभिभावकों को पाकेट पर जबरदस्त प्रभाव पड़ता है।जिस पर कभी किसी ने कोई चिंता नही दिखाई। सरकारी स्कूलों में खर्च होने के बावजूद बड़े नौकरशाहों एवं जनप्रतिनिधियों के बच्चे सरकारी स्कूलों में नही पढ़ते है। जब सरकार के नुमांइदों को ही अपनी स्कूलों पर भरोसा नही है तो आम जनता सरकारी स्कूलों पर कितना भरोसा करेगी। वही अभिभावक विमल मिश्रा,कुणाल सिंह,सच्चिदानंद मिश्रा,प्रीति कुमारी,नेहा,ललिता देवी ने कहा कि बच्चों के नामांकन में प्रत्येक वर्ष नई किताबों का वजन कितना अधिक होता है कि घर का पूरा बजट बिगाड़ जाता है इसकी चिंता हम सभी को सताती है।

कहते है। प्ररवंड शिक्षा पदाधिकारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शमसुल होदा से पूछे जाने पर बताया कि अभी तक अभिभावकों ने कोई शिकायत नही की है यदि शिकायत मिलती है तो आगे कारवाई किया जायेगा।

स्काउट एवं गाइड द्वारा कब बुलबुल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

हाजीपुर। भारत स्काउट एवं गाइड, वैशाली द्वारा कब बुलबुल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन स्थानीय जी ए इंटर विद्यालय कैंपस स्थित स्काउट भवन, हाजीपुर में आयोजित किया गया। जिला संगठन आयुक्त ऋतुराज ने बताया कि इस शिविर में 6 वर्ष से लेकर 12 वर्ष तक आयु के बच्चे भाग ले रहे हैं और इतने कम आयु के बच्चे अपने घर से बाहर रहकर प्रशिक्षण शिविर में मनोवैज्ञानिक प्रगतिशील प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों के अंदर आत्मविश्वास ,स्वावलंबन एवं अनुशासन की भावना जागृत करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं। इस शिविर में जिले के विभिन्न विद्यालयों के कब बुलबुल अपने नोडल शिक्षक शिक्षिका के साथ शिविर में भाग लें रहे हैं। शिविर में कब बुलबुल ने आपदा प्रबंधन, विभिन्न प्रकार की गांठ,कंपास, टेंट निर्माण सहित विभिन्न कलाओं का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। विभिन्न प्रकार की गतिविधियां डंबल, लेजियम, डांडिया जैसे विभिन्न प्रकार की गतिविधि में नन्हे मुन्ने बच्चे बढ़ चढ़ हिस्सा ले रहे हैं। वहीं सामाजिक कुरीतियों को मिटाने हेतु कब बुलबुल ने नुक्कड़ नाटक बाल विवाह दहेज प्रथा नशाबंदी एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम पर हम प्रस्तुति दी एवं उपस्थित सभी स्काउट गाइड एवं कब बुलबुल सहित अभिभावकों का मन मोह लिया। रात्रि के कैंपर शिविर में सामाजिक कार्यकर्ता सुधीर कुमार शुक्ला,जिला सचिव विष्णु कांत झा, गाइड कैप्टन अलका श्री, स्काउट मास्टर जितेश कुमार,मकेत कुमार,अरविंद कुमार योग शिक्षिका अंजलि स्काउट लीडर रोशन कुमार सहित दर्जनों शिक्षक शिक्षिका उपस्थित थे। बेहतर प्रदर्शन करने वाले कब बुलबुल कनक, खुशी कुमारी, मानसी , आयुषी खनक, मुस्कान, गुंजन,शिक्षा भारती,अभिनंदन शर्मा,हर्षवर्धन,साक्षी, प्रताप, प्रिंस कुमार ,शिवम प्रियदर्शी, आरुषि,तृषा, आरूही, अंजलि, मुस्कान सहित दर्जनों स्काउट गाइड ने बेहतर प्रदर्शन किया ।

डीएम और एसपी ने किया स्थल निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

हाजीपुर।जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी श्री यशपाल मीणा और पुलिस अधीक्षक श्री हर किशोर राय द्वारा लोक सभा चुनाव के मद्देनजर आज संयुक्त रूप से हरिवंशपुर में श्श्ढअळ/ एश्ट वेयरहाउस स्थल तथा हाजीपुर और राघोपुर विधान सभा क्षेत्र के लिए डिस्पैच सेंटर का स्थल निरीक्षण किया गया। जिला पदाधिकारी ने मौके पर मौजूद पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सुरक्षा और सभी मापदंडों के अनुरूप डिस्पैच सेंटर को यथाशीघ्र तैयार कर लें। उन्होंने कहा कि वाहन आगमन और निकासी की भी सही और पूर्ण बंदोबस्त की जाए। निरीक्षण के समय एडीएम, एसडीएम, उप निर्वाचन पदाधिकारी, डीपीआरओ, कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण प्रमंडल के साथ और कई अधिकारी मौजूद रहे।

आगामी 2 अप्रैल से होगा श्रीमद भागवत कथा : निशांत

प्रात: किरण संवाददाता

हाजीपुर। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी आगामी 2 अप्रैल से 9 अप्रैल तक श्रीमद् भगवद्गीता संगीतमय ज्ञान कथा महायज्ञ का विराट आयोजन हाजीपुर सुभाष चौक स्थित संस्कृत कॉलेज परिसर में होने जा रहा है। इस आयोजन में वृंदावन की प्रख्यात कथावाचिका साध्वी श्वेताम्बर जी अपनी टीम के साथ पधार रहीं हैं।यज्ञ की विराट कलश यात्रा मंगलवार 2अप्रैल को सुबह आठ बजे से संस्कृत कॉलेज परिसर से निकलकर पुल घाट जाएगी, पुनः कलश में जल भरकर वापस सुभाष चौक यज्ञ स्थल पर पहुंचेगी।यज्ञ की सारी तैयारियां पूरी कर ली गयी है। आयोजन में शामिल होने के लिए नगर के पच्चीस हजार घरों में अक्षत लगे आमंत्रण पत्र पंहुचा कर लोगों को आमंत्रित किया गया है। कथा स्थल पर भव्य पंडाल और व्यास मंच बनाया गया है।कथा प्रतिदिन शाम चार बजे से सात बजे तक चलेगी।कथा में संगीत और रासलीला का भी विशेष कार्यक्रम प्रतिदिन प्रस्तुत किया जाएगा, इसके लिए वृंदावन की टीम आ रही है। इस आठ दिवसीय कार्यक्रम का समापन 9अप्रैल को गायत्री दीप महायज्ञ के साथ संपन्न होगा।ये जानकारी आयोजक मंडल के निशांत गांधी ने दी है।

वार्षिक परीक्षा परिणाम पर शिक्षक अभिभावक गोष्ठी का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

महुआ महुआ प्रखंड क्षेत्र के तमाम प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में वार्षिक परीक्षा के उपरांत वर्ग 5 में एवं आठवीं में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के बीच परीक्षा परिणाम का वितरण किया गया। इस मौके पर विद्यालय में पढ़ने वाले छात्राओं के अभिभावकों के साथ शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी के माध्यम से वर्ग 5 एवं 8 में पढ़ने वाले छात्राओं को उनके वार्षिक परीक्षा के परिणाम से अवगत कराते हुए बैठक में उपस्थित उन सभी छात्राओं की अभिभावकों के साथ भी परीक्षा परिणाम के साथ-साथ भविष्य में और भी बेहतर शैक्षणिक माहौल बनाने को लेकर आपसी विचार विमर्श किया गया। इसी कड़ी में महुआ नगर परिषद क्षेत्र के मध्य विद्यालय महुआ कन्या में भी शिक्षक अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस शिक्षक के अभिभावक संगोष्ठी का उद्घाटन विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक राम लगन भारती वार्ड पार्षद अन्नू कुमार आदि के साथ अन्य लोगों ने भी संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महुआ नगर परिषद के वार्ड परिषद अन्नू कुमार ने इस वार्षिक परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के बीच अपने हाथों से पाठ सामग्री देकर पुरस्कृत किया। इस मौके पर प्रधानाध्यापक रामलगन भारती, अमित कुमार, सत्येंद्र कुमार, कुमार सरोज, ममता कुमारी, रीना कुमारी ,मजहबीन खातून ,पिंकी कुमारी, गीता , मंजू कुमारी आदि के साथ साथ अनेकों छात्र छात्राएं और अभिभावक भी उपस्थित थे।

पूर्व विधायक के 32 वें पुण्य तिथी पर श्रधंजलि सभा आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

वैशाली। पूर्व विधायक स्व हेमंत शाही की अहम भूमिका वैशाली के विकास में रही है ।वे किसी जाती विशेष के नेता नही ब्लकि गरीबों के मसीहा थे। वैशाली के पूर्व विधायक स्व हेमंत शाही के 32 वें पुण्य तिथी पर यहां वैशाली मे आयोजित पुष्पांजली समारोह को संबोधित करते हुए पैक्स अध्यक्ष राजेश रंजन ने कहा। उन्होंने कहा कि वैशाली की जनता स्व शाही को नेता नही अपना आदर्श मानती थी। पैक्स अध्यक्ष अखिलेश कुमार कन्हाई ने कहा कि कुछ लोगों को वैशाली का विकास नही भा रहा था ईस कारण कुछ असमाजिक तत्व के लोग उनकी हत्या गोरौल प्रखंड परिसर मे कर दी। वैशाली पंचायत के पूर्व मुखिया घनश्याम प्रसाद सिंह ने वक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी हत्या विधायक रहते की गई थी जो जघन्य अपराध था। स्व शाही के दिल मे वैशाली निवास करता था। यहां के नौजवानों को वे छोटे- बड़े भाई की तरह सम्मान देते थे जबकि बुजुर्ग महिला पुरूष को माता- पिता की तरह आदर सत्कार करते थे। वक्ताओं ने कहा कि स्व शाही जुर्म एवं सामंती ताकत के खिलाफ हमेशा आवाज उठाते रहते थे। बिहार विधान सभा मे भी वे मुखर हो कर वैशाली की आवाज उठाते रहते थे। गरीबों के खिलाफ हो रहे जुर्म एवं तानाशाह के खिलाफ आवाज उठाने का ही नतीजा हुआ की असमय वे काल की गाल मे समा गए। लोगों ने कहा कि स्व शाही विधायक थे तब भी नही थे तब भी जो भी व्यक्ति किसी काम के लिए उनके पास गया उनका काम प्राथमिकता के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुड्डु सिंह ने किया जबकि संचालन श्रवण कुमार ने किया। कार्यक्रम मे बिनोद सिंह, अरुण सिंह, दिनेश सिंह, उमेश सिंह, अभय कुमार सिंह, विवेक कुमार निक्कु, दीपक श्रीवास्तव, लीला प्रसाद सिंह, अजीत कुमार सहित बड़ी संख्या मे लोग उपस्थित हुए।

सम्पादकीय

भाजपा में रंगते नेता-कार्यकर्ता

भर्तृहरि मेहताब बीजू जनता दल के संस्थापक सदस्य हैं और कटक से छह बार लोकसभा सांसद भी रह चुके हैं। अब उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। संभवतः वह अपनी परंपरागत सीट से ही, भाजपा उम्मीदवार के तौर पर, चुनाव में उतरेंगे। भाजपा ओडिशा की 21 लोकसभा सीटों में से 18 पर प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। भर्तृहरि को अब राजनीति में और क्या हासिल करना था कि उन्हें अपनी राजनीतिक निष्ठाएं बदलनी पड़ीं? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि मेहताब मौजूदा दौर को ओडिशा की राजनीति में ह्यपरिवर्तन कालह्ल मान रहे हैं। सवाल यह भी है कि क्या अब बीजू पटनायक की विरासत और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की सत्ता का पटाक्षेप होने वाला है? हमें तो यह इतना आसान नहीं लगता, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी को वहां अपनी स्वीकृति स्थापित करनी है। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बीच संवाद का एक सिलसिला चला था, जिसके संकेत थे कि भाजपा और बीजद में एक बार फिर गठबंधन हो सकता है। बहरहाल ऐसा न तो बीजद और न ही पंजाब में अकाली दल के साथ हो सका। दोनों ही क्षेत्रीय दल अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल से भाजपा के सहयोगी थे, लेकिन अब वे अलग-अलग चुनाव मैदान में हैं। ह्यइस्पात किंगह्ल ओपी जिंदल की पत्नी एवं हरियाणा की पूर्व मंत्री सावित्री जिंदल ने भी जीवन के अवसान-काल में, कांग्रेस के प्रति, अपनी राजनीतिक निष्ठाएं बदलीं और भाजपा में शामिल हो गईं। उनका अपना राजनीतिक प्रभाव आज भी है। सांसद रहे उनके पुत्र नवीन जिंदल ने भी कांग्रेस का दामन छोड़ कर भाजपा से जुडे का निर्णय पहले ही कर लिया था। भाजपा ने इस आयातित नेता को कुरुक्षेत्र संसदीय सीट पर अपना प्रत्याशी भी घोषित कर दिया है। आम आदमी पार्टी के इकलौते लोकसभा सांसद सुशील कुमार रिंकू ने भी भाजपा के पाले में ज्यादा सुरक्षित महसूस किया है, लिहाजा अब वह जालंधर से भाजपा उम्मीदवार बनाए जा सकते हैं। बहरहाल भाजपा में शरण लेने और उसके रंग में रंगने वालों की सूची बहुत लंबी है। महाराष्ट्र में कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री रहे अशोक चव्हाण का उदाहरण अभूतपूर्व-सा है। ऐसा नहीं है कि लोकसभा चुनाव का आगाज हो चुका है, तो राजनेता और उनके कार्यकर्ता पालाबदली में जुटे हैं। कमोबेश भाजपा में शामिल होने का सिलसिला तो 2014 से जारी है, जब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री चुने गए थे। इधर यह सिलसिला कुछ तेज हुआ है। कांग्रेस, सपा, बसपा, आप और अन्य क्षेत्रीय दलों के हैवीवेट नेता, छिटपुट नेता, सांसद या विधायक आदि अपनी बुनियादी राजनीतिक विचारधाराओं को छोड़ कर भाजपा की शरण में आ रहे हैं। जाहिर है कि वे प्रधानमंत्री मोदी को ही अपना नेता मान रहे हैं और अब संघवादी सोच की राजनीति करने को तैयार हैं। नेताओं और दलों की कोई विचारधारा होती भी है अथवा नहीं? एक रपट के अनुसार, दूसरे दलों के 80, 000 से अधिक राजनेता और उनके कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो रहे हैं। यह आंकड़ा बेहद असामान्य है और बढ़ भी सकता है। भाजपा ने बाकायदा ज्वाइनिंग कमेटी बना रखी है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, राजीव चंद्रशेखर और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद आदि कमेटी के निर्णायक सदस्य हैं। शायद यह रपट भी इसी कमेटी के अधीन बनाई गई होगी! भाजपा भी प्रधानमंत्री मोदी के राजनीतिक करिश्मे से संचालित पार्टी है, जहां उम्मीदवार का प्रभाव सीमित होता है। नवीन पटनायक से ममता बनर्जी तक, जगनमोहन रेड्डी से केजरीवाल तक नेतृत्व का ही प्रभाव रहता है, जो अंततः वोट को आकर्षित करता है। भाजपा ने इस आम चुनाव में अभी तक एक-तिहाई सांसदों के टिकट काट दिए हैं। कहीं, कोई असंतोष या विरोध नहीं है। जो भाजपा में आयातित नेता हैं, उन्हें भी एहसास होगा कि सांसद या मंत्री पद थाली में सजा-सजाया मिलने वाला नहीं है। उसके बावजूद वे भाजपा में शामिल होते जा रहे हैं।

वरदान बन सकता है आपका ऐसा दान

परोपकारी कायरे को प्रायः केवल अति धनी व्यक्तियों के दान से जोड़ कर ही देखा गया है क्योंकि मान लिया गया है कि उनके पास ही दूसरों के लिए अतिरिक्त धन है। पर परोपकार की एक अन्य समझ को भी समाज में विकसित करना जरूरी है जिसके अंतर्गत उन सभी को कुछ न कुछ निर्धन भाई-बहनों, बच्चों और बुजुगरे की मदद के लिए कहा जाता है जो थोड़ी-सी भी मदद नियमित करने में सक्षम हैं। इस तरह विकासशील देशों के समाज में भी करोड़ों दाताओं को तैयार किया जा सकता है जिससे बहुत सार्थक बदलाव आ सकता है। इस संदर्भ में एक समझ यह बनी है कि जो भी सक्षम हैं, उनसे अधिक नहीं अपनी आय का मात्र दो प्रतिशत हिस्सा नियमित तौर पर दान देने के लिए कहा जाए। यह मुख्य रूप से निर्धन परिवारों को सहायता के लिए दिया जाए हालांकि इसे साथ में पर्यावरण रक्षा जैसे अन्य महत्त्वपूर्ण उद्देश्यों से भी जोड़ा जा सकता है। कुछ लोग कहेंगे कि आय का 2 प्रतिशत हिस्सा तो बहुत कम हुआ। इसे जान-बूझकर ही कम रखा गया है ताकि अधिक से अधिक लोग इसे अपना सकें। यदि कुछ लोग अधिक हिस्सा दे सकें तो इसका स्वागत ही होगा। सौ में से 2 रुपये दान करने का अर्थ यह हुआ कि महीने में 50, 000 रुपये आय है वह इसमें से कम से कम 1000 रुपये निर्धनों की भलाई के कायरे के लिए दान कर दें। इसे एक नारे के रूप में व्यक्त किया गया है-सौ में दो, अभी दे दोइ। यदि इस तरह कोई व्यक्ति या परिवार प्रति दिन औसतन 30 रुपये भी दे रहा है, तो उसके जीवन में एक नया आयाम जुड़ता है और एक सुकून मिलता है कि चाहे छोटे स्तर पर ही सही, किसी का दुख-दर्द कम करने से वह जुड़ा है। आगे सवाल यह है कि कोई व्यक्ति यह निश्चय कर ले तो फिर दान के लिए बचाए पैसे को खर्च कैसे करे। दान करने वाले व्यक्ति अपने आसपास के किसी भी निर्धन परिवार से जुड़ सकते हैं या निर्धनता कम करने के किसी प्रयास से जुड़ सकते हैं। यदि उन्हें इसमें कोई कठिनाई हो, तो ऐसी किसी भी संस्था में दान कर सकते हैं जो निर्धन वर्ग की सहायता से प्रतिबद्धता से जुड़ी है, जिसकी ईमानदारी सुनिश्चित है और जो पारदर्शी तौर-तरीके अपनाती है। इस तरह 2 प्रतिशत आय का दान देने में सक्षम लोगों की सक्रियता से निर्धन लोगों की सहायता और पर्यावरण रक्षा जैसे कायरे के लिए बहुत-सा धन इस तरह जुटाया जा सकता है। इस तरह बहुत से नये दाता बढ़ेंगे जो निर्धनता कम करने और पर्यावरण रक्षा पर पहले से अधिक ध्यान देना आरंभ करेंगे। इस पर अधिक सोच-विचार भी करेंगे। इस तरह पूरे समाज में संवेदनशीलता बढ़ेगी, सार्थक कायरे के लिए सक्रियता बढ़ेगी। व्यापक स्तर पर देखें तो यह समाज में सादगी और समता बढ़ाने के उद्देश्य से जुड़ी सोच है।

सादगी का अर्थ है कि अपनी जीवन परिस्थिति के अनुसार हम अपनी आवश्यकताओं का निर्धारण कर लें और इससे अधिक यदि कुछ हो तो उसका उपयोग जन-हित में करें। सादगी का यह सिद्धांत हमें दूसरों की भलाई करने के लिए तो प्रेरित करेगा ही, साथ ही कई तरह के नशे, अय्याशी और अन्य बुराइयों से भी बचाएगा। समता के सिद्धांत का अर्थ यह है कि हर व्यक्ति को अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी करने का अधिकार है, और समाज के अन्य सदस्यों का कर्त्तव्य है कि गरीब से गरीब व्यक्ति का यह अधिकार उसे मिले। इन दो जीवन-मूल्यों-समता और सादगी-का चोली-दामन का साथ है, दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं, इन्हें अपनाया जाए तो दूसरों का हक छीनने के लिए जो हिंसा होती है न तो वह रहेगी और इस कारण जो विषमता उत्पन्न होती है, वह भी नहीं रहेगी। मनुष्य के अपने अधिकांश दुख एक दूसरे पर आधिपत्य करने की प्रवृत्ति के कारण हैं। मनुष्य के इतिहास में लिंग, जाति, रंग, नस्ल, वर्ग, राष्ट्र आदि के आधार पर दूसरों पर आधिपत्य जमाने के प्रयासों के कारण ही अधिकांश दुख उत्पन्न हुए हैं। आधिपत्य के स्थान पर प्रेमपूर्ण सहअस्तित्व की सोच जब विकसित होगी तभी मनुष्य के दुख व्यापक और टिकाऊ स्तर पर कम होंगे। इतिहास में जब कभी अनेक सुधार आंदोलनों के कारण ऐसा हुआ है, दुखी मानवता को राहत मिली है। प्रकृति के प्रति भी आधिपत्य और विजय की भावना न होकर यह समझ होनी चाहिए कि जहां तक संभव हो प्रकृति के विविध रूपों को कोई नुकसान पंहुचाए बिना, बल्कि उसकी हरियाली को बढ़ाते हुए, अपनी जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति करें। मनुष्य और मनुष्य के बीच विषमता को जितना हो सके, उतना ही कम किया जाए। सामाजिक स्तर पर लिंग, जाति, रंग, नस्ल आदि पर आधारित भेदभाव समाप्त किया जाना चाहिए। समाज के ऐतिहासिक स्तर के भेदभाव के जो शिकार रहे हैं, उन्हें सामाजिक बराबरी प्राप्त करने के विशेष अवसर मिलने चाहिए। किसी दूसरे के संसाधन या क्षेत्र हड़पने की होड़ न करें अपितु हम सब मिलकर कैसे एक नई दुनिया बनाएं जिसमें मनुष्य और सभी जीवों के दुख-दर्द को कम किया जाए, यही मुख्य उद्देश्य हो। एक मूल्य, जिसे हमारे दिल-दिमाग में गहरा बिठा दिया गया है, है प्रतिस्पर्धा का जीवन-मूल्य। पूरा जीवन जैसे एक दौड़ है जिसमें बहुत कम उम्र में ही हमें जुट जाना है और इतना जुट जाना है।

भारत को अमरीका का हस्तक्षेप मंजूर नहीं

विदेश मंत्रालय ने इस मामले में अमरीकी डिप्लोमैट ग्लोरिया बारबेना को तलब किया था। मंत्रालय ने कहा था कि भारत में कानूनी कार्रवाई पर अमरीकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का बयान गलत है। कूटनीति में उम्मीद की जाती है कि देश एक-दूसरे के आंतरिक मसलों और संप्रभुता का सम्मान करेंगे। अगर दो देश लोकतांत्रिक हों तो इसकी उम्मीद और बढ़ जाती है, नहीं तो अव्यवस्था की स्थिति बन सकती है। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में केजरीवाल को गिरफ्तार किया है। केजरीवाल मुद्दे पर अमरीका की तरफ से आए दूसरे बयान पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमरीका के बयान पर भारत पहले ही आपत्ति जता चुका है। उसका ताजा बयान अवांछनीय है। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

योगेंद्र योगी
स्वतंत्र लेखक

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मामले में अमरीका को उसी के लहजे में सख्त जवाब देकर भारत ने बता दिया है कि भारत के अंदरूनी मामलों में किसी भी देश का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, चाहे वे मित्र देश ही क्यों न हों। कड़ा जवाब देकर भारत ने अमरीका को यह भी समझा दिया कि दोस्ती की आड़ में बांह मरोडे का प्रयास दोनों देशों के रिश्तों में दरार डाल सकता है। ऐसा करने पर भारत-अमरीका के रिश्तों पर फर्क पड़ सकता है। केजरीवाल की गिरफ्तारी पर की गईं कुछ टिप्पणियों के विरोध में अमरीका के एक वरिष्ठ राजनयिक को भारत द्वारा तलब किए जाने पर वाशिंगटन ने दोहराया था कि वह निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करता है। अमरीका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था मैं किसी निजी राजनयिक बातचीत के बारे में बात नहीं करने जा रहा हूं, लेकिन निश्चित रूप से, हमने सार्वजनिक रूप से जो कहा है, वही मैंने यहां से कहा है कि हम निष्पक्ष, पारदर्शी, समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करते हैं। हमें नहीं लगता कि किसी को इस पर आपत्ति होनी चाहिए। यही बात हम निजी तौर पर स्पष्ट कर देंगे। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने अमरीकी दूतावास की कार्यवाहक उपप्रमुख ग्लोरिया बरबेना को तलब किया था, अमरीकी विदेश विभाग की टिप्पणी को अनुचित करार देते हुए कहा था कि उसे अपनी स्वतंत्र और मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं पर गर्व है और वह इन्हें किसी भी प्रकार के अनावश्यक बाहरी प्रभाव से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्रालय ने इस मामले में अमरीकी डिप्लोमैट ग्लोरिया बारबेना को तलब किया था। मंत्रालय ने कहा था कि भारत में कानूनी कार्रवाई पर अमरीकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का बयान गलत है। कूटनीति में उम्मीद की जाती है कि देश एक-दूसरे के आंतरिक मसलों और संप्रभुता का सम्मान करेंगे। अगर दो देश लोकतांत्रिक हों तो इसकी उम्मीद और बढ़ जाती है, नहीं तो अव्यवस्था की स्थिति बन सकती है। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में केजरीवाल को गिरफ्तार किया है। केजरीवाल मुद्दे पर अमरीका की तरफ से आए दूसरे बयान पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमरीका के बयान पर भारत पहले ही आपत्ति जता चुका है। उसका ताजा बयान अवांछनीय है। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसी मुद्दे पर भारत ने अमरीका के साथ ही जर्मनी को करारा जवाब दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत में न्याय प्रणाली स्वतंत्र है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित जर्मन दूतावास मिशन के उप प्रमुख जॉर्ज एन्जवीलर को तलब किया। भारत ने जर्मनी के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की टिप्पणी को भारत के आंतरिक मामलों में दखल बताते हुए अपना कड़ा विरोध दर्ज किया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि हम ऐसी टिप्पणियों को हमारी न्यायिक प्रक्रिया में दखल और हमारी न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करने के रूप में देखते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब भारत ने अमरीका की सुनने से इंकार कर दिया। इससे पहले अमरीका निवासी खालिस्तानी आतंकी गुरवंत सिंह पन्नू के मामले में भी भारत ने अमरीका को सख्त लहजे में समझाते हुए दर्शा दिया था कि भारत विरोधी कार्रवाई को किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा। भारत की दोस्ती को अमरीका कमजोरी नहीं समझे। अमरीकी अफसरों ने दो भारतीय नागरिकों पर गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की विफल साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया था। निखिल गुप्ता और एक अनाम सरकारी अधिकारी पर यह आरोप लगाए थे। अमरीका का यह भी दावा है कि यही आरोपी हरदीप सिंह निज्जर के मर्डर की प्लानिंग में भी शामिल थे। इसको लेकर न्याय विभाग ने मैनहैटन अदालत में अभियोग (आरोप पत्र) दर्ज किया था। भारत ने इस मुद्दे पर करारा जवाब देते हुए अमरीका को अपनी जमीन से भारत विरोधी गतिविधियां संचालित करवाने का आरोप लगाया था। इसी तरह भारत ने आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा और अमरीका को कड़ा जवाब दिया था। हालांकि इस मुद्दे पर अमरीका ने सीधे कोई हस्तक्षेप नहीं किया। भारत ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के निज्जर की हत्या करवाने के आरोपों को खारिज करते हुए करीब दो दर्जन से ज्यादा डिप्लोमेट को बाहर का रास्ता दिखाते हुए अपनी बदली हुई विदेश नीति से वाकिफ भी करा दिया था। भारत के ऐसे सख्त रवैये से कनाडा भौंचक्का रह गया। ट्रूडो ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि भारत ऐसा रवैया भी अख्तियार कर सकता है। भारत ने कनाडा पर खालिस्तानी आतंकियों को पनाह देने का आरोप लगाया था। भारत पर लगाए निज्जर की हत्या के आरोपों को कनाडा साबित नहीं कर सका। केवल सिक्ख वोट बैंक पाने के लिए कनाडा ने भारत पर यह आरोप लगाया था। इसी तरह भारत ने अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप को लेकर तुर्की की भी खिंचाई की थी। कश्मीर के मुद्दे पर भारत-तुर्कीये एक बार फिर से आमने-सामने आ गए थे। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 55वें सत्र में तुर्किये ने कश्मीर में मानवाधिकारों को लेकर सवाल उठाया और भारत को घेरने का प्रयास किया था। हालांकि, राइट टू रिप्लाई के तहत संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत की प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने तुर्किये को जवाब देते हुए कहा कि हमें दुख है कि तुर्किये ने भारत के आंतरिक मामले पर टिप्पणी की। उम्मीद है कि वह आगे इस तरह के गैर-जरूरी बयान से बचेगा। वैसे तुर्किये द्वारा कश्मीर का मुद्दा उठाना कोई पहला वाक्या नहीं है। तुर्किये पहले भी कई बार कश्मीर का राग अलाप चुका है। भारत ने हर बार तुर्की को इसी तरह जवाब दिया है। आश्चर्य की बात यह है कि अमरीका की पूरे विश्व में अब कोई नहीं सुन रहा है। इजराइल ने भी अमरीका को अनसुना करके हमास से युद्धविराम करने से साफ इंकार कर दिया। इसी तरह यूक्रेन युद्ध के मामले में अमरीका की नीति विफल साबित हुई। फ्रांस ने साफ कह दिया कि वह अमरीका का पिछलग्गू नहीं बनेगा। हालत यह है कि अमरीका अपना घर संभालने के बजाय दूसरे मुल्कों में टांग अड़ाने से बाज नहीं आ रहा है। अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रवक्ता जेम्स सिंगर ने एक बयान में कहा था कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एक और 6 चाहते हैं। यह बयान ट्रंप के द्वारा शनिवार को दिए गए बयान के बाद आया है, जिसमें ट्रंप ने खून-खराबे का जिक्र किया था। इस बयान की निंदा करते हुए प्रवक्ता ने इस बात पर जोर दिया कि अमरीका के नागरिक ट्रंप को इस नवंबर में एक और चुनावी शिकस्त देने जा रहे हैं, क्योंकि वे उनके उग्रवाद, हिंसा के प्रति लगाव और बदला लेने की उनकी प्यास को लोग खारिज करते रहेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने उस वक्त बयान दिया, जब उन्होंने अमरीका के बाहर बनी कारों पर 100 प्रतिशत टैरिफ का वादा किया। ओहियो के डेटन के पास एक रैली को संबोधित करते हुए, ट्रम्प ने कहा कि हम लाइन में आने वाली हर एक कार पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने जा रहे हैं। अगर मैं नहीं चुना गया, तो देश में खून-खराबा होगा। अमरीका को यह समझना होगा कि बदली वैश्विक परिस्थितियों में भारत ग्लोबल साउथ का नेतृत्व कर रहा है। यही वजह है कि भारत इंडिया फर्स्ट की नीति के तहत विदेश नीति पर अमल कर रहा है। अमरीका की मजबूरी चीन के मामले में भारत को साथ लेने की है। भारत में ही चीन का मुकाबला करने की काबलियत है। इसके अलावा अमरीका और भारत के व्यापारिक रिश्ते लगातार बढ़ रहे हैं।

चीनी रक्षा बजट : भारत को सतर्क रहना होगा

इस साल के रक्षा बजट का मुख्य जोर नौसेना के विकास पर रहेगा क्योंकि दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर पर उसके दावे तथा समुद्री आवागमन के लिहाज से इस क्षेत्र में तनाव बढ़ा हुआ है। इसके अलावा एशिया प्रशांत क्षेत्र में अस्थिर सुरक्षा स्थिति को देखते हुए उसको जवाब के तौर पर तैयार होना है। इस तरह यह स्पष्ट हो जाता है कि चीन सैन्य क्षेत्र में दुनिया के शक्तिशाली देशों की तुलना में सबसे ऊपर रहना चाहता है। ऐसी स्थिति में भारत को चीन की रक्षा बढ़ोतरी से सजग रहने की आवश्यकता होगी।

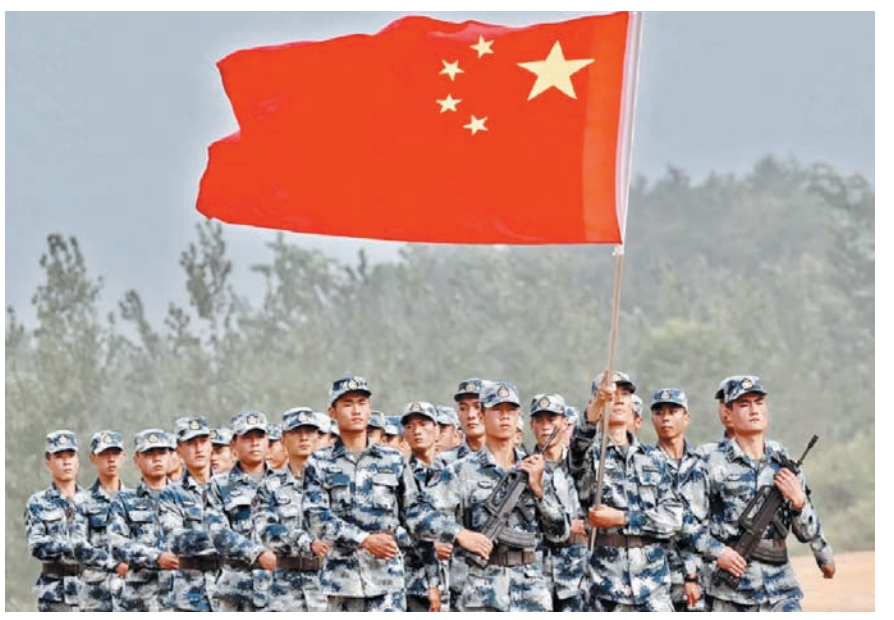

लक्ष्मी शंकर यादव
लेखक

भारत व अमेरिका से लगातार चल रहे तनाव के बीच चीन ने एक बार फिर से अपने रक्षा बजट में भारी भरकम बढ़ोतरी की है। चीन ने 7.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वर्श 2024 का रक्षा बजट 1.67 ट्रिलियन युआन अर्थात 232 अरब डॉलर कर दिया है। चीनी रक्षा बजट की यह वृद्धि बीते पांच सालों में सबसे ज्यादा है। चीन ने अपने वित्त मंत्रालय की सालाना रिपोर्ट के आधार पर यह दावा किया है कि वह दुनिया में अमेरिका के बाद रक्षा बजट पर सबसे अधिक खर्च करने वाला दूसरा देश है। चीन की विधायिका की वार्षिक बैठक के उद्घाटन सत्र में 5 मार्च को आधिकारिक रक्षा बजट के आंकड़े की घोषणा की गई। अनेक विदेशी विशेषज्ञों का मानना है कि यह धनराशि सत्तासीन कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्य शाखा पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा किए गए खर्च का केवल एक अंश है। 232 अरब डॉलर का चीनी रक्षा बजट भारतीय रु पयों में 19.23 लाख करोड़ रु पए से ज्यादा है। चीन की तुलना में भारत का 2024-25 के लिए घोषित रक्षा बजट 621541 करोड़ रु पए है। इस हिसाब से देखा जाए तो चीन का रक्षा बजट भारत के रक्षा बजट से तीन गुना से भी ज्यादा है। चीन ने वर्ष 2023 में भी अपना रक्षा बजट 7.2 फीसद बढ़ाया था। इससे चीन का रक्षा बजट बढ़कर 1550 अरब युआन अर्थात 225 अरब डॉलर तक हो गया था। इससे पहले वर्ष 2022 में चीन ने अपना रक्षा बजट 7.1 फीसद बढ़ाया था। तब यह 1450 अरब युआन था। कुल मिलाकर तथ्य यह है कि चीन अपने रक्षा बजट में पिछले नौ वर्षों से लगातार इजाफा कर रहा है। दरअसल, चीन की योजना यह है कि वह अपनी सेना को विश्व की नम्बर एक सेना बना दे। चीन ने अपना रक्षा बजट ऐसे समय बढ़ाया है जब उसकी अर्थव्यवस्था काफी बुरे दौर से गुजर रही है। चीन इससे पहले भी आर्थिक संकट से घिरा हुआ था, लेकिन इस बार मामला ज्यादा गंभीर दिखाई दे रहा है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक परेशानी वाले काल से गुजर रहे हैं। चीन की तेज आार्थिक ग्रोथ में लंबे समय तक वहां की प्रॉपर्टी सेक्टर की विषेश भूमिका रही है, लेकिन इधर काफी समय से प्रॉपर्टी सेक्टर की कुछ कंपनियां दिवालिया हो गई हैं और सरकार इन्हें उबारने के मूड में नहीं है। दूसरी तरफ साल 2024 के लिए चीन का रक्षा बजट पिछले कई वर्षों में सबसे ज्यादा है। ऐसे में चीन के द्वारा की गई रक्षा बजट की बढ़ोतरी उसके सैन्य इरादों को स्पष्ट करती है। जिनपिंग ने अपनी सेना को वर्ष 2027 तक विस्तरीय सेना बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अलावा यह भी लक्ष्य निर्धारित है कि चीनी सेना को वर्ष 2035 तक पूरी तरह से अत्याधुनिक बना दिया जाए। इसी वजह से चीन अपना रक्षा बजट लगातार बढ़ा रहा है। दरअसल, राष्ट्रपति जिनपिंग यह नहीं चाहते कि उनके सैनिकों को युद्ध लडे में अधिक मेहनत करनी पड़े। इसीलिए चीन अत्याधुनिक हथियार, मजबूत थियेटर कमांड, स्टील्थ तकनीक व लड़ाकू तकनीक के क्षेत्र में अधिक पैसा लगा रहा है। इनके विकास के बाद युद्ध में विजय दिलाने का काम लड़ाकू जेट विमान, ऑटोनॉमस हथियार व अत्याधुनिक मिसाइलें कर देंगे। हाल के वर्षों में चीन ने अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने के लिए कई बड़े सैन्य सुधार किए हैं। इन सुधारों के तहत उसने दूसरों देशों में अपने प्रभाव का विस्तार करने के लिए नौसेना और वायुसेना को प्राथमिकता देते हुए उनका विस्तार किया। अब चीन नई रोबोट आर्मी तैयार कर चुका है और इसकी तैनाती भी भारतीय सीमा के नजदीक करनी शुरू कर दी है। चीन अपनी इसी रक्षा नीति पर चलते हुए अमेरिका को पीछे छोड़ता हुआ दुनिया की सबसे बड़ी नौसैन्य ताकत बन रहा है। विगत दो तीन वर्षों में चीनी नौसेना में जितने युद्धपोत और पनडुब्बियां शामिल की गई हैं उतने शायद अमेरिका की नौसेना में न हों। इतने हथियारों की बढ़ोतरी के बाद भी उसकी भूख कम नहीं हुई है। चीन की रक्षा ताकत बढ़ाने वाली यह नीति आने वाले समय में विश्व को नए युद्ध में धकेलने में देर नहीं लगाएगी। इन योजनाओं के पीछे कारण यही है कि चीन का अमेरिका, ताइवान, जापान व भारत के साथ जारी तनाव और हिन्द महासागर व दक्षिण चीन सागर में मिलने वाली चुनौतियों से निपटने में उसका सैन्य पक्ष कमजोर न पड़े। चीन के नीति नियंताओं के मुताबिक सेना को अत्याधुनिक बनाये जाने के फोकस को देखते हुए रक्षा बजट बढ़ाया गया है। चीन अपना दबदबा बढ़ाने के लिए नौसेना की पहुंच को समुद्री क्षेत्रों में फैला रहा है।

दिल्ली की रावडी देवी बन सकती हैं सुनीता.....

राकेश अचल

भारतीय राजनीति में सत्ता के हस्तांतरण के अनेक रोचक उदाहरण हैं, लेकिन बिहार की श्रीमती रावडी देवी जैसा कोई नहीं। भारत में महिला मुख्यमंत्री होना बड़ी बात नहीं है लेकिन पति के उत्तराधिकार के रूप में मुख्यमंत्री होना एक इतिहास है। भारत के राजनीतिक इतिहास में हमेशा अनूठा रचने वाले बिहार में 1997 में तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को चारा घोटाला में सजा बतौर जेल जाना पड़ा तो उन्होंने अपनी पत्नी श्रीमती रावडी देवी को ही मुख्यमंत्री बना दिया था। अब यही हालात कमोवेश दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की शराब घोटाले में गिरफ्तारी के बाद बन रहे है। अटकलें लगाईं जा रहीं हैं कि यदि केजरीवाल को जमानत न मिली और यदि उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा तो श्रीमती सुनीता केजरीवाल को दिल्ली की रावडी देवी बनाया जा सकता है।

कहने को तो भारत की पहली मुख्यमंत्री श्रीमती सुचेता कृपलानी रह चुकी हैं, उनके बाद देश के आधा दर्जन राज्यों में महिलाओं ने मुख्यमंत्री पद सम्हाला लेकिन रावडी देवी कोई दूसरा नहीं बन पाया। सुचेता जी 1963 से 1967 तक उत्तर प्रदेश देश की मुख्यमंत्री रही। उनके बाद ओडिशा में नंदिनी सत्पथी को एक साल के लिए (1972 -1973) मुख्यमंत्री बनाया गया। उधर गोवा में श्रीमती शशिकला काकोदकर 1973 से 1979 तक मुख्यमंत्री रहीं। उनके पिता दयानद बंदोदकर भी मुख्यमंत्री रह चुके थे। असम में सैयद अनवरा तैमूर को कांग्रेस ने 1980 से 1981 की अवधि के लिए मुख्यमंत्री बनाया। तमिलनाडु में सुश्री जयललिता ने छह बार मुख्यमंत्री बनकर नया कीर्तिमान बनाया। हालांकि उनसे पहले श्रीमती जानकी रामचंद्रन भी एक महीने के लिए तमिलनाडु की पाली महिला मुख्यमंत्री बनाई गयी थीं।

उत्तर प्रदेश में बसपा की मायावती ने पांच बार मुख्यमंत्री बनकर जय ललिता का मुकाबला करने की कोशिश की। श्रीमती राजकुमार भट्टल भी 1996 से 1997 के बीच पंजाब की पहली मुख्यमत्री बनी। देश को पहली रावडी देवी 1997 में बिहार की मुख्यमंत्री के रूप में मिलीं और वे 2005 तक मुख्यमंत्री रहीं। उन्हें ये पद अपने पति से उत्तराधिकार में मिला था। सुषमा स्वराज को भी १९९८ में तीन माह के लिए दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला, लेकिन दिल्ली को पूर्णकालिक मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती शीला दीक्षित (1998 से 2013) ही मिलीं। वे लगातार दो बार दिल्ली की मुख्यमंत्री रही।

श्रीमती शीला दीक्षित के बाद मप्र में 2003 में उमा भारती, राजस्थान में बसुंधरा राजे और बंगाल में ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री का पद सम्हाला। जम्मू-कश्मीर में मेहबूबा मुफ़्ती और गुजरात में ये सौभाग्य श्रीमती आनंदी बेन पटेल को मिला। लेकिन इनमें से कोई भी रावडी देवी की तरह मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया। कुछ सीधे अपने चेहरे के आधार पर चुनाव लड़कर मुख्यमंत्री बनीं और कुछ को राजनीतिक परिस्थितियों के तहत मजबूरी में मुख्यमंत्री बनाया गया। मौजूदा समय में दिल्ली में एक बार फिर ऐसी परिस्थितिया बन रहीं हैं की मौजूदा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के स्थान पर उनकी पत्नी श्रीमती सुनीता केजरीवाल को दिल्ली का मुख्यमंत्री बना दिया जाये।

देश की पहली रावडी देवी एकदम घरेलू महिला थी। उनकी शिक्षा भी साकेतिक थीं। वे पहले कार्यकाल में तो गूंगी गुड़िया बनकर रहीं थीं, लेकिन यदि श्रीमत सुनीता केजरीवाल दूसरी रावड़ी बनतीं हैं तो वे उच्च शिक्षित हैं। वे आईआरएस हैं। सुनीता को 20 साल से ज्यादा सिविल सर्विबस का भी अनुभव है। सुनीता केजरीवाल ने जूलॉजी में मास्टर्स डिग्री हासलि की है वे 1993 बैच की आईआरएस आईआरएस अधिकारी सुनीता की पहली मुलाकात उस दौरान 1995 बैच के आईआरएस अधिकारी अरविंद केजरीवाल से भोपाल में हुई. दोनों ही एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में मिले, बाद में इसी मुलाकात की परिणति शादी में बदल गई. इसके बाद जब अरविंद केजरीवाल ने साल 2006 में आईआरएस के पद से इस्तीफा दिया था तब भी सुनीता सिविल सर्विस में रहीं। इस समय वे अपने पति की गैरमौजूदगी में अघोषित रूप से दिल्ली की सरकार चला रहीं हैं।

संक्षिप्त खबरें

एसडीएम सदर के पूर्व ड्राईवर चंद्रपाल सिंह का निधन

अमरोहा। नौगावां सादात नगर पंचायत के बड़े बाबू अनिल कुमार के पिता चंद्रपाल सिंह (80वर्ष) का 29 मार्च को निधन हो गया ।श्रद्धेय चंद्रपाल सिंह (80 वर्ष) एस डी एम सदर के चालक रहे। चंद्रपाल सिंह मूल रूप से बिजनौर जनपद के नहटोर थाना क्षेत्र के सिजोली गांव के रहने वाले थे। जो सेवानिवृत्त के बाद अमरोहा के मोहल्ला किसनगढ़ में बस गए थे। चंद्रपाल सिंह कुशल व्यवहार के धनी थे।वे जिससे भी मिलते बड़ी ही आत्मीयता से मिलते । तथा सभी को आदर सम्मान देते। मेरा उन से वर्षो पुराना संबंध था। वे बहुत ही मिलनसार व्यक्ति थे। अभी 13 फरवरी को उनकी पत्नी श्रीमति शकुंतला देवी का निधन हुआ था।चंद्रपाल सिंह ने अपने पीछे एक पुत्री एव तीन पुत्रों सुनील कुमार ,अनिल कुमार ,बिट्टू का भरापूरा परिवार छोड़ा है।गंगा तिगरी घाट पर उनका दाह संस्कार कर दिया गया मुख अग्नि उनके जेष्ठ पुत्र सुनील कुमार ने दी। नौगावा सादात नगर पंचायत के बड़े बाबू अनिल कुमार के पिता चंद्रपाल सिंह के निधन पर नगर पंचायत नौगावा सादात में शोक व्यक्त किया गया स्टाफ एव सभासदों बड़े बाबू के पिता को श्रद्धांजलि दी। नौगावा चेयरमैन सुबीना जैदी पूर्व चेयरमैन एव स्टार प्रेरक स्वच्छता प्रेरक नदीम अब्बास जैदी, अधिशासी अधिकारी ने शोक व्यक्त किया।

देवरिया में गैस सिलेंडर फटने से मां और उसके तीन बच्चों की दर्दनाक मौत

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले से दर्दनाक घटना सामने आई है। चाय बनाते समय गैस सिलेंडर फट गया, जिसकी जद में आकर मां और 3 बच्चों की मौत हो गई। यह पूरा मामला भलूआनी थाना क्षेत्र के डुमरी गांव का है। म्लिी जानकारी के मुताबिक, डुमरी गांव के रहने वाले शिव शंकर गुप्ता की पत्नी आरती देवी घर में चाय बना रही थी, तभी अचानक सिलेंडर फट गया, जिससे आरती (उम्र 35 वर्ष) और उनके तीन बच्चे आंचल (14 वर्ष), कुंदन (12 वर्ष) और सृष्टि (11 माह) की दर्दनाक मौत हो गई। सिलेंडर फटने की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे डीएम एसपी ने घटनास्थल का जायजा लिया और पूरी रिपोर्ट शासन को भेज दी है। वहीं, विस्फोट इतना भयावह था कि शव को पहचान पाना मुश्किल हो रहा है। शव पूरी तरह से क्षत-विक्षत हो चुके हैं। पुलिस ने पूरे मामले को संज्ञान में लेने के बाद जांच शुरू कर दी है। उधर, जिले के आलाधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर पूरी स्थिति का जायजा लिया।

किसी के जनाजे में जाने के लिए परमिशन की जरूरत नहीं, अफजाल और डीएम की तीखी बहस

मुख्तार अंसारी के भाई और सांसद अफजाल अंसारी की डीएम गाजीपुर के साथ तीखी बहस का वीडियो सामने आया है। डीएम गाजीपुर ने धारा 144 का हवाला देते हुए कहा कि मिट्टी देने केवल परिवार के लोग जाएं, पूरा कस्बा नहीं जाएगा। अगर धारा 144 का उल्लंघन हुआ तो सबके खिलाफ एफआईआर करेंगे। अफजाल अंसारी वीडियो में बोलते हुए दिख रहे हैं कि किसी के जनाजे में जाने और मिट्टी देने के लिए किसी की परमिशन लेने की जरूरत नहीं है। जितने लोग चाहे मिट्टी से सकते हैं। डीएम ने कहा कि वो जिला निर्वाचन अधिकारी हैं और नियम तोड़ने वालों पर एफआईआर कराएंगी। ये वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है।

मुख्तार अंसारी की मौत पर कृष्णानंद राय के बॉडीगार्ड के परिजनों ने जताई खुशी

पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी को गाजीपुर जिले के उनके पैतृक निवास युसूफपुर मोहम्मदाबाद के करीब कालीबाग स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। मुख्तार अंसारी के जनाजे में भारी संख्या में लोग शामिल हुए। मुख्तार अंसारी की मौत के बाद कृष्णानंद राय हत्याकांड में शहीद हुए बॉडीगार्ड के परिजनों ने कहा आज बहुत बड़ी खुशी मिली है। बॉडीगार्ड निर्णय नारायण उपाध्याय की पत्नी अनिता उपाध्याय ने रोते हुए कहा कि ये बहुत पहले हो जाना चाहिए था। यह बहुत देर से हुआ। भगवान ने बहुत देर से किया, लेकिन बहुत अच्छा काम हुआ है। उन्होंने कहा, ‍मुझे तो न्याय मिल गया। लेकिन उनके जो बच्चे हैं, उनका भी इसी तरह का हाल होगा, तब जाकर और सही न्याय मिलेगा। अनिता उपाध्याय ने रोते हुए कहा कि कृष्णानंद राय के साथ मेरे पति निर्णय नारायण उपाध्याय गाजीपुर के मुहम्मदाबाद में क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन करने गए थे, तभी उनको गोलियां मारी गई। जिसमें उनके पति और कृष्णानंद राय की मौत हो गई थी।

कड़ी सुरक्षा में अंसारी का शव यूसुफपुर मोहम्मदाबाद के कालीबाग कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया

लखनऊ, एजेंसी

माफिया से नेता बने पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी का शव कड़ी सुरक्षा के बीच शनिवार को गाजीपुर जिले के उनके पैतृक निवास युसूफपुर मोहम्मदाबाद के निकट कालीबाग स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि इससे पहले मुख्तार के पैतृक आवास से सुबह के समय जनाजा निकाला गया जिसमें उनके सांसद भाई अफजाल अंसारी, पुत्र उमर अंसारी और भतीजे विधायक सुहेब अंसारी समेत परिवार के सदस्य तथा समर्थक शामिल रहे। उनके बड़े भाई एवं पूर्व विधायक सिगबतुल्लाह अंसारी समेत परिवार और रिश्तेयदार भी जनाजे में शामिल हुए। इस दौरान भीड़ ने नारे भी लगाये। अफजाल अंसारी ने कब्रिस्ताजन पहुंचकर लोगों को समझाया कि भीड़ एकत्र न करें और शांति बनाये रखने की अपील की। बाद में सिगबतुल्लाह भी वहां पहुंचे। जनाजे की नमाजों के बाद कालीबाग कब्रिस्तान में अंसारी का शव दफनाया गया। सबसे पहले, मुख्तार के पैतृक आवास के निकट मैदान में भी नमाज पढ़ी गई। बाद में भी नमाज अदा की गयी। अंसारी के पैतृक आवास से कब्रिस्ताभन की दूरी आधा किलोमीटर से भी कम है। हालांकि जनाजे को यहां तक लाने में काफी समय लगा। वाराणसी जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) पीयूष मोर्डिया ने बताया, मैं यहां मोहम्मंदाबाद में मौजूद हूं और पुलिस उप महानिरीक्षक यहां पर्यवेक्षण कर रहे हैं। वाराणसी परिक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) डॉ. ओ.पी. सिंह ने बताया, मुख्तादर अंसारी को सुपुर्द-ए-खाक करने से पहले उनके आवास से जनाजा उठा और शुरूआत में घर के पास में नमाज-ए-जनाजा अदा की गयी। इसके बाद प्रिंस मैदान में भी नमाज पढ़ी गयी। भीड़ द्वारा नारेबाजी और कब्रिस्ताबन में जाने से रोके जाने के सवाल पर उन्हों ने कहा कि परिवार के लोगों ने 40-50 लोगों की सूची दी थी, जिन्हेंन कालीबाग कबिस्ता न में दफनाये जाने के समय रहने दिया गया। बाकी लोगों को नमाज के बाद रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि पूरी तरह शांति व्यावस्था बनी हुई है। इससे पहले सिंह ने पत्रकारों को बताया कि परिजनों से वार्ता कर रीति रिवाज पूरे करने के बाद जनाजा निकला। उन्हौंतने बताया कि पुलिस ने जो भी कहा अंसारी परिवार के सदस्योंक ने आमजनता से अपील की। डीआईजी ने बताया लगातार उदघोषण हो रही है। पुलिस बल और सुरक्षा एजेंसियां यहां लगातार स्थिति पर नजर रख रही हैं और अंसारी के आवास से करीब आधा किलोमीटर दूर कालीबाग कब्रिस्तान तक सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया गया है। पुलिस, पीएसी (प्रादेशिक आर्म्ड कांस्टेबुलरी) और अर्धसैनिक बलों के जवान चप्पेप-चप्पे पर तैनात हैं। भीड़ बढ़ती देखकर बाद में सुरक्षाबल के और भी जवान तैनात किए गये। पुलिस मुख्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गये हैं। पुलिस ने जांच के बाद ही कब्रिस्तान में लोगों को जाने दिया। इससे पहले, मोहम्मदाबाद विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक एवं अंसारी के भतीजे मोहम्मद सुहैब अंसारी उर्फ मन्नू अंसारी ने बताया कि उनके चचा मुख्तार अंसारी के शव को शनिवार सुबह 10 बजे यूसुफपुर मोहम्मदाबाद के कालीबाग कब्रिस्तान में दफनाया जायेगा। हालांकि साढ़े 10 बजे तक प्रक्रिया पूरी नहीं पायी। एक स्थासनीय नागरिक ने बताया कि कालीबाग में ही अंसारी परिवार के लोगों को दफनाया जाता रहा है और मुख्तार के शव को दफनाने के लिए उनके माता-पिता की कब्र के पास दफनाया गया है। मुख्तार अंसारी को बृहस्पतिवार को तबीयत बिगड़ने के बाद बांदा जिला जेल से रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज ले जाया गया था, जहां दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गई थी। मुख्तार के परिजनों ने अंसारी को जेल में धीमा जहर देने का आरोप लगाया था। हालांकि, अस्पताल के सूत्रों के अनुसार अंसारी के पोस्टमार्टम से इस बात की पुष्टि हुई है कि उसकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई। बांदा मेडिकल कालेज में शुक्रवार को अंसारी के शव का पोस्टमार्टम कराये जाने के बाद शाम पौने पांच बजे 26 वाहनों के सुरक्षा काफिले के साथ उसका शव करीब साढ़े आठ घंटे में लगभग 400 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद देर रात एक बजकर 10 मिनट पर उसके पैतृक आवास पर लाया गया। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अंसारी के आवास पर काफी भीड़ जमा हो गयी। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि बहुत से लोग पूरी रात वहां डटे रहे लेकिन सुबह तक भीड़ कुछ कम हो गयी। शनिवार सुबह से ही लोगों के आने का सिलसिला फिर शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि अंसारी के आवास पर उनके बड़े भाई एवं गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी, बड़े भाई एवं पूर्व विधायक सिगबतुल्लाह अंसारी, छोटे बेटे उमर अंसारी, भतीजा एवं विधायक सुहेब अंसारी समेत परिवार के अन्यु सदस्ये मौजूद हैं लेकिन मुख्तार के बड़े बेटे एवं विधायक अब्बांस अंसारी के जनाजे में शामिल नहीं हो सके। अब्बाूस अंसारी आपराधिक मामलों में कासगंज की जेल में निरुद्ध है।

चंद्रशेखर आजाद उर्फ रावण का हुआ जोरदार स्वागत, धीरे धीरे बढ़ रहा समर्थन

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा। नगीना लोकसभा क्षेत्र आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं असपा से नगीना लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी चंद्रशेखर आजाद उर्फ रावण का धीरे-धीरे जनता में समर्थन बढ़ रहा है इसी क्रम में शुक्रवार को मौहल्ला मिलकियांन निवासी एडवोकेट सुबहनी शहाबत के निवास पर तमाम समर्थकों ने चंद्रशेखर आजाद का पगड़ी बांधकर जोरदार स्वागत कर उनको समर्थन दिया ।एडवोकेट सुबहानी शहाबत ने कहा कि आने वाली 19 तारीख को केतली के सामने का बटन दबाकर चंद्रशेखर आजाद को भारी मतों से विजय बनाना है और लोकसभा में बैठाना है ऐसे नेता बार-बार नहीं मिलते जो आपकी आवाज संसद में उठाने का कम करें इससे पहले अनेक नेता आए और चुनाव के वक्त हवा हवाई वादे करके चुनाव जीतने के बाद गायब हो जाते हैं अगर ये जीतने के बाद जनता के काम नही आये तो सबसे पहले चंद्रशेखर आजाद का साथ सुबहनी शहाबत छोड़ेगा ।चंद्रशेखर आजाद ने उपस्थित जनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुस्लिम,दबे कुचले, दलित ,पिछड़े वर्गों की आवाज को मैं संसद में उठाऊंगा। कहीं भी किसी भी मुस्लिम, दलित, पिछड़े या अन्य किसी भी साथी के साथ कहीं उत्पीड़न होता है आप सब सबसे पहले चंद्रशेखर आजाद वहां पहुंचता है। आप सब लोग मेरा साथ दो मैं नगीना लोकसभा तथा और दूसरी जनता के लिए भी ने उनके विश्वास पर खरा उतरूंगा ।इस मौके पर मास्टर खुर्शीद अली, मौहम्मद यूनुस (मामा), शाकिर अली पूर्व सभासद,फहीम घोसी, वली चौधरी, आदिल सरदार, दानिश कोबरा, सय्यद वारिस अली आदिल सरदार आदि सहित सैकडो लोग मौजूद रहे।

गायत्री देवी शिक्षण संस्थान में वार्षिक परीक्षा फल वितरण समारोह का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा। गायत्री देवी शिक्षा संस्थान में परीक्षा फल वितरण समारोह का आयोजन किया गया ।जिसमें बच्चों ने बढ़कर भाग लिया कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की वंदना से की गई जिसमें बच्चों ने अपनी बहुत ही सुंदर प्रस्तुति दी । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शहर के प्रसिद्ध रोटेरियन डॉक्टर रिसालत चौधरी जी एवं प्रसिद्ध समाज सेवी डॉक्टर मनोज कुमार वर्मा व डॉक्टर लिपि सेन वर्मा एवं बिरला पब्लिक गर्ल्स कन्या इंटर कॉलेज की सेवानिवृत्ति प्रवक्ता श्रीमती सरोज शर्मा जी व बिरला गर्ल्स कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉक्टर रंजना शुक्ला जी रही । कार्यक्रम में नर्सरी ,एल.के.जी., यू.के.जी. के छात्रों द्वारा स्वागत गीत पर बहुत सुंदर प्रस्तुति दी गई जिसे सभी ने सरहाया। अगला कार्यक्रम मेरे घर राम आए भजन पर किया गया इस सुंदर से नृत्य को देखकर मुख्य अतिथियों ने भूरी-भूरी बच्चों की प्रशंसा। वह सरहना की गई विद्यालय के नर्सरी से लेकर कक्षा यूकेजी तक में कक्षा यूकेजी की टॉपर अनबिया रही जिन्हें स्टडी टेबल प्रशस्ति पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया गया वहीं कक्षा 1 से लेकर कक्षा 5 तक की कक्षा तीन की छात्रा अलीशा शहाबुद्दीन रहे जिन्हें भी स्टडी टेबल प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । कक्षा नर्सरी मे प्रथम स्थान पर अब्दुल बासित रहे कक्षा एलकेजी से त्रिश्या रस्तोगी वह कक्षा यूकेजी से अनबिया प्रथम स्थान पर रही। वही कक्षा फर्स्ट से गौरी ,कक्षा द्वितीय से इफरा सिद्दीकी कक्षा तीन से आलिया शहाबुद्दीन और कक्षा चार से मोहम्मद असद कक्षा पाच से शिफानाज प्रथम स्थान पर रही। कार्यक्रम के अंत में रोटेरियन डॉक्टर रिसालत चौधरी जी ने कहा कि बच्चों को शील्ड में प्रशस्ति पत्र देकर उनका मनोबल बढ़ता है ताकि वह आगे और भी मेहनत कर सके इसके उपरांत मुख्य अतिथि रोटेरियन डॉक्टर मनोज कुमार जी ने कहा कि इस विद्यालय से जुड़ाव उनके पिताजी स्वर्गीय श्री नपेंद्र कुमार वर्मा जी के समय से रहा है और आगे भी मैं और डॉक्टर लिपि सेन वर्मा गायत्री देवी शिक्षण संस्थान परिवार से जुड़े रहेंगे उन्होंने छोटे-छोटे बच्चों द्वारा दी गई प्रस्तुति की प्रशंसा की। वहीं बिरला पब्लिक कन्या इंटर कॉलेज की सेवानिवृत्ति प्रवक्ता सरोज शर्मा जी ने कहा कि बच्चों की प्रतिभा कार्यक्रम के माध्यम से ही बाहर निकाल कर आती है और ऐसे कार्यों का आयोजन समय पर होते रहना चाहिए ताकि बच्चों की प्रतिभा बाहर निकल कर आए। वहीं बिरला पब्लिक कन्या इंटर कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर रंजना शुक्ल ने कहा कि आज मुझे खुशी है कि मैं इस विद्यालय की प्रधानाचार्य पर्ल रस्तोगी जी जो कि मेरी शिष्य रही है के द्वारा मुझे सम्मानित किया जा रहा है बहुत ही गर्व महसूस कर रही हूं तथा रंजना शुक्ला जी द्वारा अपनी तरफ से इस विद्यालय के बच्चों को उपहार दिए गए कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की अध्यक्षा सुधा रस्तोगी जी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से जैसे बच्चों का मनोबल बढ़ता है और अंत में कार्यक्रम के समापन में विद्यालय की प्रधानाचार्य पर्ल रस्तोगी ने सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त किया व छात्रों को बधाई शुभकामनाएं दी और साथ ही उन्होंने स्वर्गीय मेजर रहीस चौधरी जी को भी याद किया क्योंकि हमेशा से उनका इस विद्यालय से जुड़ाव रहा है और आज वह इस हमारे बीच नहीं हैं तथा सभी मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर व दूशाला उड़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में तारा रुबीना शिव साना साक्षी मानसी वंदना रमा नाजिश हिफ्जा अनम निदा नम्र जिया आदि शिक्षकों का योगदान रहा।

परीक्षाफल वितरण समारोह में उत्कृष्ट छात्र हुए पुरस्कृत

प्रात: किरण संवाददाता, मनोज शर्मा

हसनपुर। प्राथमिक विद्यालय पतेई खादर विकासखंड क्षेत्र गंगेश्वरी में शनिवार को वार्षिक परीक्षा फल वितरण कार्यक्रम में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया ।इस दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं जिला अध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ अमरोहा यशपाल सिंह के द्वारा बच्चों को परीक्षा फल वितरित किया गया। इस बीच कार्यक्रम में अभिवावको एवम् गणमान्य नागरिकगणों विद्यालय परिवार की उपस्थिति में कक्षा अनुसार प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कुल 17 बच्चों में विद्यालय टॉपर आदित्य व राधिका को प्रमाण पत्र व सील्ड गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक यशपाल सिंह ने सभी बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बच्चों को और भी मेहनत के साथ निरंतर पढ़ाई व अभ्यास कर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। शिक्षा का महत्व और हमारे जीवन में इसके योगदान के बारे में कहा कि शिक्षा वह यंत्र है जो हमारे जीवन की सभी चुनौतियों और और डर को मिटाने में मदद करती है ।जिला उपाध्यक्ष गौरव नागर ने कहा शिक्षा रूपी वह यंत्र है जो खुश और शांतिप्रिया बनाने के लिए बेहतर सामाजिक मनुष्य बनाती है ।अभिवावको का ध्यान आकर्षण करने हेतु कहा कि अभिभावक के हिम्मत और हौसले के लिए भी शिक्षा बहुत जरूरत होती है ।विद्यालय में शिक्षक एक विचार देता है सफलता का सूत्र देता है ,उस विचार को सींचने और उसे हरा भरा रखना मां बाप का कर्तव्य होता है, हो सकता है कोई विद्यार्थी पढ़ाई में औसत अंको से पास हो परंतु अगर उन्हें संस्कार और आदर्शों का सहारा मिल जाए तो यह ही बच्चे कामयाबी का नया इतिहास लिख सकते हैं ।ऐसे विद्यार्थियों को भविष्य में अच्छे रोजगार आसानी से मिलते हैं और सामाजिक रुप में में भी वे हमेशा आगे रहते है। मुझे आशा है और विश्वास करता हूं कि आप बहुमुखी प्रतिभा के दम पर भविष्य में खुद को बेहतर साबित करेंगे तथा समाज को उज्जवल बनाएंगे। विद्यालय में कक्षा बार प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कक्षा एक प्रथम अन्वी द्वितीय आकांक्षी तृतीय लक्ष्य, कक्षा 2 प्रथम अनमोल द्वितीय प्रिंस तृतीय देवकांत, कक्षा 3 प्रथम प्रशांत द्वितीय सोनाक्षी कक्षा 4 आदित्य,प्रशांत, कक्षा 5 दक्ष प्रथम दीपेश व द्वितीय मनीष तृतीय नितिका स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। परीक्षा फल वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से विजेंद्र सिंह ऋषभ चौधरी गौरव नागर संदीप कुमार ,राजीव सिंह, नन्हे सिंह, प्रेम सिंह , देशराज सिंह ,प्रेमवती ,मीना, होस्यारी ,नीरज देवी शिक्षक एवं सम्मानित नागरिक गण उपस्थित रहे।

बिजनौर में तूफान के चलते गाड़ी पर गिरा पेड़, एक की मौत

बिजनौर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में शनिवार सुबह तूफान और बारिश का कहर आया। तूफान के चलते कोतवाली शहर थाना अंतर्गत इंन्द्रलोक कॉलोनी के पास में एक पेड़ सड़क पर जा रही ईको कार पर आ गिरा, जिसके चलते कार सवार 45 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि महिला समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के मुताबिक, शनिवार सुबह को कंट्रोल रूम को दुर्घटना के संबंध सूचना मिली थी। तत्काल सूचना पर राहत-बचाव दल के साथ पुलिस मौके पहुंची और घायलों का रेस्क्यू किया गया। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने मोहम्मद नासिर (45) को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल शहनाज और मोहम्मद वाजिद का इलाज चल रहा है। हादसा उस वक्त हुआ जब एक महिला समेत तीन कार सवार लोग हरियाणा से मंडावली अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी कार कोतवाली शहर थाना अंतर्गत इंन्द्रलोक कॉलोनी के पास पहुंची, तूफान के चलते सड़क किनारे खड़ा एक पेड़ कार पर आ गिरा। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि महिला समेत दो लोग गंभीर से घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, जबकि सभी घायलों का इलाज जिला अस्पताल बिजनौर इलाज में चल रहा है।

मुख्तार अंसारी सुपुर्द-ए-खाक, जनाजा उठने से पहले बेटे ने पिता की मूछों पर दिया ताव

गाजीपुर, एजेंसी

पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी के शव को शनिवार को गाजीपुर जिले के उनके पैतृक निवास युसूफपुर मोहम्मदाबाद के करीब कालीबाग स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। मुख्तार अंसारी के जनाजे में भारी संख्या में लोग शामिल हुए। शनिवार की सुबह से ही लोगों का जमावड़ा शुरू हो गया था। धीरे-धीरे लोगों की संख्या बढ़ती गई। उधर, मूछों से पहचाने जाने वाले माफिया डॉन मुख्तार अंसारी के बेटे ने जनाजा उठने से पहले पिता की मूछों पर बल दिया। सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हुई, जिसमें बेटा अपने पिता मुख्तार अंसारी की मूछों को ताव देता नजर आ रहा है। नम आंखों से उमर अंसारी ने अपने पिता की मूंछों को आखिरी बार ताव दिया। डीआईजी डाक्टर ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि मुख्तार अंसारी का अंतिम संस्कार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। परिजनों से लगातार वार्ता कर यह कार्रवाई पूरी की गई। इस दौरान ग्रुप में लोग आते रहे। कब्रिस्तान में उनके परिवार के 50 लोगों को अनुमति थी। कुछ खास लोगों को मिट्टी देने में शामिल किया गया। ज्यादातर लोग कब्रिस्तान के बाहर जुटे थे। लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए मुख्तार के बेटे उमर ने खुद माइक ले लिया। उसने लोगों से पीछे हटने की अपील की, साथ ही लोगों को शांति बनाने की भी अपील की। भारी पुलिस बल और लोगों के हुजूम के बीच मुख्तार अंसारी को दफन कर दिया गया। अंतिम विदाई के समय मुख्तार के स्वजन में उनके बड़े भाई अफजाल अंसारी, पूर्व विधायक सिबगतुल्लाह अंसारी, भतीजे मुहम्मदाबाद विधायक सुहेब अंसारी, बेटा उमर अंसारी सहित सभी ने मुख्तार की कब्र पर मिट्टी डाली।

20 वें रोजे के मुकम्मल के साथ ही मुकद्दस रमजान का तीसरा अशरा शुरू

प्रात: किरण ब्यूरो, इकरामुद्दीन मलिक

अमरोहा। 20 वें रोजे के मुकम्मल के साथ ही मुकद्दस रमजान का तीसरा अशरा शुरू हो जाएगा, जो जहन्नुम से आजादी का है। साथ ही इस अंतिम अशरे में शबे कद्र भी आती है। शबे कद्र पाने को अल्लाह के नेक बंदे मस्जिदों में एतकाफ में बैठते है, वहीं औरतें भी एतकाफ करती है। एतकाफ क्या है और कैसे शबे कद्र पा सकते है। कितना सवाब मिलता है और इसकी दुआ क्या है। इसको लेकर हमारे संवाददाता ने मुफ्ती तैयब अहमद कासमी से विशेष बातचीत की है। जिसमें उन्होंने बताया कि मुकद्दस रमजान के आखिरी अशरें में एतकाफ की बड़ी फजीलत है। क्योंकि इन पांच ताक रातों में ही कुरआन पाक नाजिल हुआ। मुफ्ती तैयब अहमद कासमी ने बताया कि हजरत मोहम्मद साहब (स.अ.) भी सहाबों के साथ इस आखिरी अशरे में एतकाफ में बैठा करते थे। इसलिए एतकाफ सुन्नत के साथ साथ अल्लाह की कुरबत और खुशनूदी पाने का खास जरिया है ।रमजान के आखिरी अशरे का एतकाफ सुन्नतें किफाया है। इसलिए मोहल्ले का कोई एक व्यक्ति भी मस्जिद में बैठ गया तो यह सुन्नत सबकी ओर से अदा हो गई। अगर मोहल्ले में से कोई भी मस्जिद में एतकाफ के लिए नही बैठा तो इसके गुनहगार सब होंगे। एतकाफ में बैठने वाला इंसान शबे कद्र को आसानी से पा सकता है, क्योकि एतकाफ में सोना भी इबादत में शामिल है। एक आदमी के एतकाफ में बैठने से पूरे मोहल्ले के लोगों पर अल्लाह की रहमत नाजिल होती है ।एतकाफ रमजान के मुकद्दस महीने की खास इबादत में से एक है। मस्जिद में अल्लाह की इबादत यानि जिक्र ए इलाही की नीयत से ठहरने को एतकाफ कहते है। एतकाफ तीन तरह का होता है। वाजिब, सुन्नत किफाया व नफिल। चुनांचे सुन्नत एतकाफ रमजान के अंतिम अशरे में किया जाता है। 20वें रमजान को असर की नमाज के बाद सूरज डूबने से पहले मस्जिद में प्रवेश करना होता। ईद का चांद दिखने के बाद ही मस्जिद से बाहर निकलते है ।और जिस शख्स ने रमजान में दस दिन एतकाफ कर लिया उसे दो हज और दो उमरे का सवाब मिलता है। इसके अलावा दो दिन का एतकाफ भी किया जा सकता है। जो नफिल है। यह एतकाफ टूटता नही है। लेकिन जितने टाइम मस्जिद में रहेंगे उतना ही सवाब मिलेगा।

अल्लाह तआला एतकाफ में बैठने वाले की दुआएं कुबूल फरमाता है।

जनाजे में भी शिरकत नही कर सकते : अमरोहा ।एतकाफ का मतलब है खुद को विशेष जगह पर पाबंद कर लेना। यानी इस दौरान आप मस्जिद से बाहर नही निकल सकते। गौया अगर किसी का इंतकाल हो जाए वह चाहे परिचित है या सगा सम्बंधित उसके जनाजे में मस्जिद से बाहर जाकर शामिल नही हो सकते है। एतकाफ में ही, वहीं से मगफिरत की दुआ कर सकते है।

मुकद्दस रमजान मे क्या है शबे कद्र ?

अमरोहा ।मुकद्दस रमजान की 21वीं, 23वीं, 25वीं, 27वीं, 29वीं रातों को शब ए कद्र की रात माना जाता है। इन पाक रातों में से ही एक में कुरआन-ए-पाक नाजिल हुआ। जिस रात को कुरआन नाजिल हुआ उसे ही शबे कद्र कहते है। हालांकि वो शबे कद्र वाली रात जिसमें कुरआन नाजिल हुआ किसी को सही मालूम नही है लेकिन 27वीं शब को खास माना जाता है। इसलिए इन पांच रातों में ही मोमिन बंदे शबे कद्र तलाशते है और अल्लाह की इबादत में जिक्र इलाही करते है।

एतकाफ टूटने की वजह

अमरोहा ।मस्जिद के बाहर निकलने पर एतकाफ टूटता है। अगर आप बिला वजह मस्जिद से बाहर निकलें तो एतकाफ टूट जाएगा ।और जो शख्स एक दिन का एतकाफ करेगा, जहन्नुम से तीन खंदके की फासले की बाकद्र दूर हो जाएगा। और खंदक जमीन ओ आसमान के दरमियान फासले को कहते है।

औरतें भी कर सकती एतकाफ: अमरोहा। मुफ्ती तैयाब अहमद कासमी कहते है कि एतकाफ मर्द ही नही औरतें भी कर सकती है। इसके लिए जगह का पाक साफ होना लाज्मी है। औरतें घर के अंदर उस जगह को ही चुने जहां वे रोजा नमाज अदा करती हो। एतकाफ पूरा होने तक अल्लाह की खुशनूदी पाने को इबादत करती रहे ।एतकाफ में नमाज नवाफिल व कुरआन की तिलावत करें। किसी से बिला उज्र गुफ्तगू न करें। ज्यादा वक्त अल्लाह के जिक्र और नमाज नवाफिल में गुजारें।

नफिल एतकाफ व दुआ : अमरोहा ।इसकी कोई लिमिट नही है। जितनी बार मस्जिद आएंगे शुरू हो जाएगा। निकलते ही खत्म। फिर मस्जिद आएंगे फिर शुरू। इसके लिए नीयत करना जरूरी है। हालांकि अगर आपने ने दिल मे यह तय कर लिया की में एतकाफ में बैठ रहा हूं, बस यही नियत काफी है। जबान से चाहे तो इतना भी बोल सकते है कि ऐ अल्लाह मैं एतकाफ कर रहा हूं। इसके अलावा भी जिन्हें याद हो दुआ पढ़ सकते है

लोकसभा चुनाव को लेकर जिला एवं काग्रेंस कमेटी की बैठक आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों की लोकसभा चुनाव को लेकर बैठक आसिम पैलेस में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष ओमकार कटारिया ने की और संचालन जिला उपाध्यक्ष आसिम हुसैन साबरी ने किया ,बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी आदरणीय प्रदीप नरवाल एवं विशिथ अतिथि के रूप में इंडिया गठबंधन से अमरोहा लोकसभा क्षेत्र 09 के प्रत्याशी एवं कुंवर दानिश अली सांसद जी मौजूद रहे। राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल ने कहा की सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर इंडिया गठबंदन के प्रत्याशी कुंवर दानिश अली को जिताने का काम करे ,अब समय आ गया है की भाजपा सरकार के द्वारा किए जुल्म और अनन्याय का बदला लेने का समय आ गया है लोकतन्त्र और संबिधान बचाने एवं महँगाई,बेरोजगारी और भ्रष्टाचार मिटाने का। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी कुंवर दानिश अली ने कहा की हम सब मिलकर भारत के लोकतन्त्र बाबा साहब के बनाये गये संबिधान को बचाना है किसान आंदोलन में सहिद हुए 700 किसानों का बदला लेना है नोटबंदी जीएसटी की अत्याचार का बदला युवाओं पर की गई लाठीचार्ज का बदला लेने का हम सबको मिलकर यह लड़ाई लड़नी है अनन्यी और अत्याचारी सरकार को उखाड़ फेकना है। इस अवसर पर ज़िलाध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया,शहर अध्यक्ष फैज आलम रायनी, प्रदेश उपाध्यक्ष रिजवान कुरैशी,प्रदेश उपाध्यक्ष विदित चौधरी,पूर्व ज़िलाध्यक्ष तारिक खाँ,प्रदेश सचिव अनीश विशाल अंसारी,प्रदेश सचिव चौधरी सुखराज सिंह जिला महासचिव आसिम हुसैन साबरी,अफसर अली वारसी ,नौसाव खाँ,सचिन चौहान,अफसर खाँ,राजकुमार अरुण साहिद खेड़ी मयंक कुमार गुर्जर ,मनोज कटारिया एवं सभी ब्लॉक अध्यक्ष दल,नगर अध्यक्ष ,न्याय पंचायत के अध्यक्ष जिला कमेटी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

देसी शराब के साथ महिला गिरफ्तार

काराकाट (रोहतास) काराकाट थाना क्षेत्र के हटिया गांव से एक महिला देसी शराब के साथ गिरफ्तार की गई है। आबकारी विभाग के इंस्पेक्टर भिखारी राम ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र में हटिया गांव में छापेमारी की गई जहां से एक 50 वर्षीय महिला कलावती देवी पति स्व. दीनानाथ पासवान को एक लीटर देसी महुआ शराब के साथ गिरफ्तार कर जांचों प्रांत जेल भेज दिया गया।

शराब कांड के आरोपी को जेल

काराकाट (रोहतास) शराब कांड के एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार अभियुक्त भोजपुर जिला के तरारी थाना क्षेत्र के करथ टोला निवासी अक्षय कुमार उर्फ राज कुमार पिता श्रीराम महतो बताया जाता है। थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने बताया कि पूर्व में शराब कांड का अभियुक्त कई माह से फरार चल रहा था। जिसे गुप्त सूचना पर छापेमारी कर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

नाबालिग लड़की अपहरण कांड का आरोपी गिरफ्तार

काराकाट (रोहतास) थाना क्षेत्र के जोरावरपुर से नाबालिग लड़की के अपहरण के मामले में एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार अभियुक्त जोरावरपुर गांव निवासी रोहित डोम बताया जाता है। विधि व्यवस्था प्रभारी कुमार अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि अभियुक्त जोरावरपुर गांव आया है। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस बल के साथ घेराबंदी कर छापेमारी कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को जेल भेज दिया गया।

शॉर्ट-सर्किट से दुकान में आग लगने से लाखों का समान जला

काराकाट (रोहतास) थाना क्षेत्र के तिथो गांव में शुक्रवार की रात एक किराना दुकान में बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लगने से लाखों जा समान जल गया। दुकान मालिक अभिषेक कुमार ने बताया कि किराना दुकान में अचानक आग लग गया। आग लगने के बाद किसी तरह बुझाने का प्रयास किया गया तब तक दुकान का काफी समान जल चुका था। बताया जाता है कि दुकान में बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। आग से किराना दुकान का समान करीब एक लाख से ज्यादा के कीमत का सामान जलने की बात बतायी जाती है। दुकान मालिक अभिषेक कुमार ने अंचल व थाना को लिखित आवेदन दिया है तथा मुआवजे की मांग की गयी है।

पुलिस की गाड़ी अनियंत्रित होकर पलटी सब इंस्पेक्टर सहित चार घायल

कैमूर। जिले के रामगढ़ थाना अंतर्गत महुअर गांव के समीप शराब तस्कर को पीछा करने के दौरान पुलिस की गाड़ी अनियंत्रित होकर पलटी सब इंस्पेक्टर सहित चार पुलिसकर्मी घायल। वहीं दो लोगों को किया गया रेफर थानाध्यक्ष उमेश कुमार ने बताया कि मोटरसाइकिल सवार शराब तस्कर को पीछा करने के दौरान रामगढ़ थाना पुलिस की गाड़ी अनियंत्रित होकर महुअर गांव के समीप पलटी जिसमें चालक सहित चार लोग घायल हो वहीं पुलिसकर्मी में पप्पू कुमार सिपाही दरोगा अंकुश कुमार सिपाही आकाश कुमार सिपाही चालक देवव्रत पासवान है।

पत्नी ने पति द्वारा प्रताड़ना करने का प्राथमिकी दर्ज कराया

कोचस (रोहतास) नगर पंचायत कोचस के वार्ड नंबर 16 की रहने वाली एक महिला ने शनिवार को अपने पति पर प्रताड़ित करने का कोचस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। महिला प्रतिमा कुमारी कोचस नगर पंचायत के 16 वार्ड की बताई जाती है। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि पीड़ित महिला ने अपने पति विजय कुमार पांडे ग्राम मनोहरपुर जिला बक्सर के ऊपर प्रताड़ना करने के आरोप लगाते हुए कोचस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराया है, जिसके बाद पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई कर रही है।

युवाओं ने मतदाता जागरूकता अभियान से लोगों को किया जागरूक

तिलौथू (रोहतास) लोकसभा चुनाव में युवा मतदाता में मतदान करने का जज्बा जोरों पर है। लेकिन युवा मतदाता के सामने समस्याएं भी अनेकों है। जो अपनी समस्याओं के बेहतर समाधान के लिए हम ऐसे प्रत्याशी को चुनकर लोकसभा में भेजना होगा जो हमारी समस्याओं पर ध्यान दें। इसका एकमात्र उपाय है मतदान 18 वर्ष से अधिक उम्र के युवा, खासकर वे विद्यार्थी, जो इंटर की परीक्षा दे चुके हैं या डिग्री में पढ़ रहे हैं। उन सभी विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के माध्यम से समाजसेवी सत्यानंद कुमार ने अपने टीम के विद्यार्थियों के साथ एक अपील कार्यक्रम सुनिश्चित किए।

पार्ट थर्ड के छात्रों का हंगामा, विश्वविद्यालय में अधिकारी नदारद

पीएचडी में उपलब्ध सीटों का ब्यौरा अबतक वेबसाइट पर नहीं

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। स्नातक तृतीय खंड 2021 24 सत्र के छात्रों ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में आज जमकर बवाल काटा। मामला यह है कि पार्ट थर्ड के हजार से ऊपर छात्र आज विवि परिसर इस फरियाद के साथ पहुंचे थे कि परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि विस्तारित की जाए क्योंकि इनका कहना था कि होली की छुट्टी में फॉर्म भरने की अंतिम तारीख रखी गयी थी जिस वजह से फॉर्म नहीं भरा जा सका और कम से कम 1 दिन और दिया जाए। जबरदस्त हंगामे के बीच छात्रों की सुध लेने कोई अधिकारी नहीं पहुंचा। होली की छुट्टी के बाद आज पहले दिन विवि परिसर सुनसान बना रहा।

मौके पर पहुंचे छात्र नेता और भोजपुरी छात्र संघ के संयोजक सोहित सिन्हा ने छात्रों को समझाया बुझाया और कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन तथा परीक्षा विभाग बिना किसी नियंत्रण के चल रहा है, कुलपति के दो बार आदेश के बाद भी प्री पीएचडी में उपलब्ध सीटों की संख्या वेबसाइट पर नहीं डाली गई और सभी अधिकारी आराम कर रहे हैं। ज्ञात हो कि पीएचडी प्रवेश परीक्षा की भी अंतिम तिथि 31 मार्च ही है इसके पहले ही सीटों की सूचना प्रकाशित होनी थी।

वारदात : लापता व्यक्ति की हत्या कर शव को बोरे में बांध फेंका

ग्रामीण द्वारा देखा गया शव, जांच में जुटी पुलिस

प्रात: किरण संवाददाता

राजपुर (रोहतास) जिला क्षेत्र के राजपुर प्रखंड के बघैला थाना अंतर्गत मझिआंव पुल के समीप एक व्यक्ति की निर्मम हत्या कर शव को बोरा में बांधकर फेंका दिया गया था। जिस शव के मिलते ही लोगों में सनसनी फैल गई। जिस घटना की सूचना शनिवार को स्थानीय ग्रामीण द्वारा पुलिस को दी गई। जिसकी खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पंहुच शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम करने के लिए जिला सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया। पुलिस ने शव की सिनाख्त थाना क्षेत्र के ही पचपोखरी गांव निवासी जगरनाथ साधु के 55 वर्षीय पुत्र राजगृही साधु के रूप में हुई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष अंकुश मंडल ने बताया कि विगत 27 मार्च को मृतक के परिजनों द्वारा गुमशुदगी का मामला स्थानीय थाना में दर्ज कराया गया था। जिसके बाद पुलिस गुम व्यक्ति की तलाश में लगी थी। जिस घटना की सूचना प्राप्त होते ही स्थानीय पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंच शव को कब्जे में लेते हुए परिजनों के पंचनामा बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया गया। दूसरी तरह पुलिस इस घटना से जुड़ी हर पहलु के जांच में जुट गई है।

वार्षिक परीक्षाफल-का किया गया सह-पुरस्कार वितरण समारोह 2024

आरा। स्थानीय 'शान्ति स्मृति' सम्भावना आवासीय उच्च विद्यालय, शुभ नारायण नगर, मझौवाँ, आरा तथा 'शारदा स्मृति सम्भावना पब्लिक स्कूल, मौलाबाग आरा में वार्षिक परीक्षाफल- सह-पुरस्कार वितरण समारोह 2024 का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन विद्यालय के निदेशक डॉ० कुमार द्विजेन्द्र तथा प्राचार्या डॉ० अर्चना सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

समारोह में अपनी कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले लगभग 250 छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार दिया गया। कक्षा नर्सरी से कक्षा ग्यारवीं तक के अपने कक्षा में सभी सेक्शन मिलाकर टॉपर रहे छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं तथा अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए विद्यालय की प्राचार्या डॉ० अर्चना सिंह ने कहा कि आज विद्यालय के बच्चों के लिए तथा उनके अभिभावकों के लिए विशेष दिन है। विद्यालय के लगभग 250 बच्चे अपनी कक्षा के विभिन्न खण्डों में 90% से 100% के बीच अंक प्राप्त किये है। जिन बच्चों को पुरस्कार मिला है, उनके अभिभावकों को बहुत-बहुत बधाई। उन्होनें कहा की जो बच्चे आज इस मंच से पुरस्कृत नहीं हुए हैं; वें और मेहनत करे ताकि अगले वर्ष की वार्षिक परीक्षा में पुरस्कृत हो सके। उन्होने उपस्थित सभी अभिभावकों से अनुरोध किया कि अपने बच्चे को मोबाईल और इंटरनेट से दूर रखें। अपने बच्चे के साथ-साथ उनके दोस्तों पर भी नजर रखें।

पुरस्कार वितरण समारोह में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों तथा अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए विद्यालय के निदेशक डॉ० कुमार द्विजेन्द्र ने कहा कि सम्भावना विद्यालय में लगभग 2500 (पच्चीस सौ) छात्र-छात्राएँ अध्यनरत है। हमारे बच्चे आतंरिक परीक्षा में जितना बेहतर रिजल्ट देते है उससे ज्यादा बेहतर सी०बी०एस०ई० द्वारा आयोजित कक्षा-10/12 के बोर्ड परीक्षाओं में रिजल्ट देते है। प्रति वर्ष हमारे विद्यालय के 40 से 50 बच्चे 90% या उससे अधिक अंक प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा की आज वार्षिक परीक्षा-2024 का परीक्षाफल घोषित होने के बाद अगले एक सप्ताह तक सभी अभिभावकों को अनके बच्चो की उत्तर- पुस्तिकाओं को दिखाया जाएगा। साथ ही, शिक्षक अभिभावक संवाद का आयोजन भी किया जाएगा, ताकि अभिभावक अपने बच्चों के शिक्षकों से रू-ब-रू हो सके और अपनी समस्याओं को शिक्षकों के साथ साझा कर सके। अगले 01 अप्रैल से 06 अप्रैल तक विद्यालय में सभी अभिभावकों को आमंत्रित किया गया है ताकि वे अपने बच्चों की प्रगति के बारे में शिक्षकों से जानकारी हासिल कर सकें और उत्तर पुस्तिकाओं का स्वावलोकन कर सके। साथ ही, अभिभावक अपने बच्चों का वर्ग उत्तीर्णता प्रपत्र भी जमा करेगे।

मामी और भांजे ने मिलकर रची हत्या की साजिश, प्रेम प्रसंग में हुई हत्या

प्रात: किरण संवाददाता

कैमूर पुलिस ने एक ऑटो चालक हत्या के मामले का उद्भेदन किया है जिस मामले में महिला सहित 6 अभियुक्त गिरफ्तार प्रेम प्रसंग में हुई थी ऑटो चालक की हत्या एसपी ने प्रेस वार्ता कर दी जानकारी। चैनपुर थाना क्षेत्र के केवा रोड में 8 माह पूर्व 25 जुलाई को एक ऑटो चालक का शव बरामद हुआ था जिसका हत्या कर शव को फेंक दिया गया था जिसकी पहचान शिवराम पिता हलखोरी राम निवासी बेतिया थाना चैनपुर जिला कैमूर का रहने वाला था। शनिवार को कैमूर रेसिपी ललित मोहन शर्मा ने प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुए बताया की मानवीय एवं तकनीकी अनुसंधान के आधार पर घटना में संयुक्त अभियुक्त मंजू देवी और संतोष कुमार का आपस में अवैध प्रेम प्रसंग था दोनो मामी और भांजा हैं,मृतक शिवराम का भी पहले से मंजू देवी के साथ अवैध प्रेम प्रसंग था इसके बाद मंजू देवी और संतोष कुमार ने मिलकर शिवराम को अपने रास्ते से हटाने के लिए 25000 की सुपारी विपिन कुमार को दी,इसके बाद घटना के दिन विपिन कुमार अपने सहयोगियों के साथ मिलकर टेंपो को देवर्जी खुर्द जाने के लिए रिजर्व किया था जहां मिलकर ऑटो चालक शिवराम की चाकू गोदकर हत्या कर दी जिस मामले में फरार चल रहे सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया पूछताछ के क्रम में सभी ने अपनी संलिप्तता स्वीकार किया,गिरफ्तार अभियुक्तों में मंजू देवी,संतोष कुमार,गोलू कुमार,शिवराज कुमार,अमित कुमार,विपिन सिंह शामिल हैं।

एचडीएफसी बैंक शाखा का उद्घाटन

आरा। जिले के कोइलवर स्थित एचडीएफसी बैंक शाखा का उद्घाटन सेवानिवृत्त शिक्षक राम बली भारती, कोइलवर एचडीएफसी बैंक शाखा के मैनेजर जय प्रकाश पाठक व समाजसेवी राजकुमार ने संयुक्त रूप से किया। सेवानिवृत्त शिक्षक राम बली भारती ने कहा कि कोइलवर नगर में पहला निजी बैंक का शाखा खुला है। कोईलवर चौक पर ब्रांच खुलने से ग्रामीण क्षेत्र के लोगो के लिए बैंकिंग आसान होगा। मौके पर शाखा प्रबंधक जय प्रकाश पाठक ने कहा कि बैंक का एटीएम और शाखा का ऑपरेशनल आगामी 5, 6 अप्रैल से शुरू होगा। जिसके बाद ग्राहकों को बैंकिंग सेवा का लाभ मिलना शुरू होगा। उन्होंने बताया इस बैंक में सिविल और ट्रांजेक्शन ठीक होने पर दस सेकेंड में पचास लाख रुपये तक का लोन एप्रुभड होगा। कोइलवर स्थित एचडीएफसी बैंक के इस शाखा में कम से कम 5 हजार से खाता खोला जायेगा। वही बैंक में पांच हजार रुपये मिनिमम बैलेंस मेंटेन करना होगा। बैंक आये ग्राहकों का खाता मात्र आधे घंटा में खुल सकेगा साथ ही उन्हें एटीएम व चेक भी खाता खुलने के साथ ही मिल सकेगा। एफडी पर 7.25 और सेविंग पर 3.5 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। अकॉउंट होल्डर को एक साल तक फ्री लाकर की सुविधा मिलेगी।

संत एस एन ग्लोबल स्कूल का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

शिक्षा का अलख जगा विद्यालय संवार रहा बच्चों का भविष्य : प्रकाश आनंद

प्रात: किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) स्थानीय शहर के डुमरांव रोड़ बिक्रमगंज स्थित संत एस एन ग्लोबल स्कूल में शनिवार को वार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषित होते हुए छात्र-छात्राओं में खुशी की लहर दौड़ गई। जिस परिणाम घोषित के उपलक्ष्य में एक्यूक्यूटी के नेतृत्व में छात्र- छात्रा समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिस कार्यक्रम में सभी बच्चों के अभिभावकों की उपस्थिति में परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इस अवसर विद्यालय निदेशक प्रकाश आनंद ने बताया कि परीक्षा परिणाम को लेकर छात्र-छात्राओं में पहले से ही काफी उत्साह है। जिस परीक्षा की छात्र- छात्रा अपने माता-पिता व अभिभावकों के साथ परीक्षा परिणाम जानने और अपना प्रगति पत्रक प्राप्त करने हेतु निर्धारित समय से पूर्व ही विद्यालय के कॉन्फ्रेंस रूम में विराज हो चुके थे। जिसका मुख्य कारण विद्यालय द्वारा बच्चों में शिक्षा का अलख जगा उनके भविष्य को संवारना ही अनुभवी शिक्षकों का मुख्य उद्देश्य है। साथ ही प्रगति पत्रक के साथ-साथ बच्चो और अभिभावकों को उत्तरपुस्तिका भी अवलोकन हेतु दी जाती है। मौके पर विद्यालय के उप प्राचार्य विकास राय ने बताया कि 2 से 7 अप्रैल तक विद्यालय में पेरेंट्स ओरियंटेशन प्रोग्राम आयोजित होगी। जिसमें अभिभावकों को प्रत्येक शिक्षक के द्वारा उनके शिक्षण विधि,पाठ्यक्रम,पाठ्यचर्या आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी जायेगी। वही परीक्षा के घोषित इस वर्ष छात्र यश राज प्री-प्राइमरी में सौ प्रतिशत अंको के साथ विद्यालय के टॉपर बना। प्राइमरी में शिवांश शौर्या कक्षा तीन और निखिल राज कक्षा चतुर्थ, रौनक कुमार प्रेप-2 से 99 प्रतिशत अंको के साथ विद्यालय के द्वितीय टॉप रैंकर रहें। जबकि तृतीय टॉप रैंकर रहे सात्विक मिश्रा, कक्षा द्वितीय और आराध्य परी कक्षा पीआरजी ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। जिस मौके पर परीक्षा में अव्वल आए सभी बच्चों को विद्यालय निदेशक प्रकाश आनंद द्वारा उन्हें अंक पत्र देते हुए कॉपी,कलम से सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी बच्चें, अभिभावक एवं शिक्षक-शिक्षिका सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

आरा रोटी बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में किया गया रक्तदान शिविर का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। सदस्यों के परिजनों की स्मृति में आरा रोटी बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में रेड क्रॉस सोसाइटी आरा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया ।इस मौके पर आरा रोटी बैंक चैरिटेबल ट्रीस्ट के सदस्यों ने रक्तदान किया ।इस मौके पर पूर्व एमएलसी लाल दास राय, रेड क्रॉस सोसाइटी के उप संरक्षक श्री सरफराज अहमद खान,सिविल सर्जन डॉ के एन सिन्हा, मुख्य अतिथि डॉ कुमार जितेन्द्र के अतिरिक्त डॉक्टर दिनेश प्रसाद सिन्हा रेडक्रॉस ब्लड डोनेशन समिति के संयोजक तथा डॉ शैलेश चंद्रा,समाजसेवी दीपक अकेला,रेड क्रॉस की सचिव डॉ विभा कुमारी सहित आरा रोटी बैंक के कई सदस्य उपस्थित थे ।इस मौके पर पूर्व एमएलसी लाल दास राय ने कहा रक्तदान महादान है और इसे सभी को करना चाहिए ।आरा सिविल सर्जन डॉ केएन सिन्हा ने कहा की रक्तदान से कई प्रकार के बीमारियों से बचा जा सकता है और यह हमारे शरीर के लिए फायदेमंद है ।डॉ कुमार जितेन्द्र ने कहा की मैं आरा रोटी बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट को सहयोग करते आया हूँ और संस्था की रक्तदान मुहिम की मैं प्रशंसा करता हूँ यह एक सराहनीय कदम है ।संस्था के अध्यक्ष कुमार रोहित ने बताया की आरा रोटी बैंक प्रत्येक वर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन करती हैं और हमारा यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा ।रक्तदान करने वालो में राजेश कुमार,प्रियांशु आनंद,कृष्णा,बलराम जी,डॉ अमित कुमार,भोला ठाकुर ,मनीष कुमार,अंकित कुमार,उदय नारायण, अखिलेश कुमार,कुमार गौरव, आनंद प्रकाश,अतुल कुमार, कुमार मोहित सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रोहतास में खड़ी टूरिस्ट बस को ट्रक ने पीछे से मारी जबरदस्त टक्कर, एक की मौत 9 लोग घायल

रोहतास। रांची से अयोध्या दर्शन करने जा रही श्रद्धालुओं की खड़ी बस को तेज रफ्तार कोयला लदे ट्रक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिसमे एक की मौत हो गई जबकि नौ लोग घायल हो गये है।

घटना रोहतास पुलिस मुख्यालय डिहरी स्तिथ राष्ट्रीय राजमार्ग -2 की है। यह हादसा शनिवार सुबह डेहरी नगर थानाक्षेत्र के ठल्ल-2 पर जवाहर सेतु के पास हुई है। हादसे के बारे में बताया जा रहा है कि रांची से श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या जा रही बस डिहरी के पास अचानक खराब हो गई। जिसे बनवाकर बस में श्रद्धालु जैसे ही चढ़ रहे थे। तभी तेज रफ्तार से आ रहे कोयला लदे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें एक बुजुर्ग की मौत हो गई और 9 लोग घायल हो गए। घायलों में चार महिला सहित पुरुष भी शामिल है। घटना स्थल पर पहुँची डेहरी नगर थाने की पुलिस ने घायलों को अनुमंडल अस्पताल, डेहरी पहुंचाया। जहाँ चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार के बाद तीन घायलों को बेहतर ईलाज के लिए सदर अस्पताल सासाराम रेफर किया गया है। वही बाकी सभी घायलों का अनुमंडल अस्पताल डिहरी में ईलाज चल रहा है। ईलाज कर रहे हैं डॉक्टर ने बताया कि अस्पताल में कुल 10 लोग आए थे। जिसमें से एक 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई है। वहीं घायलों में से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही थी। जिसे बेहतर ईलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। बाकी सभी का ईलाज जारी है। वही मौके पर पहुंचे ट्रैफिक डीएसपी आदिल बेलाल ने कहा कि रांची से अयोध्या जा रही बस में कोयल लदे ट्रक ने टक्कर मार दी है जिसमें एक की मौत हो गई है बाकी सभी घायलों को अस्पताल पहुंचा दिया गया है। और यातायात सुचारू रूप से चालू कर दिया गया है।

कलयुग में कथावाचक व कथाकार साधुवाद के पात्र समान : राजन महाराज

प्रात: किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र के खैरा भूधर में आयोजित सात दिवसीय रुद्र महायज्ञ श्री राम कथा के तीसरे दिन अंतरराष्ट्रीय कथावाचक राजन जी महाराज ने निवेदन के दौरान कलयुग में कथावाचक एवं कथाकार को साधुवाद का पात्र बताया। मानस के तीसरे भाग की संगीतमय प्रस्तुति करते हुए उन्होंने पावन स्थल कैलाश पर्वत एवं माता पार्वती तथा देवाधिदेव भगवान शिव का वर्णन किया। इस प्रस्तुति के दौरान उन्होंने कहा कि गृहस्थ आश्रम में प्रत्येक कार्य के लिए अलग-अलग स्थान सुनिश्चित होनी चाहिए। इसके अभाव में संबंधित कार्य निष्पादन अथवा योजना निर्माण में व्यवधान उत्पन्न होते हैं।

भगवान शिव माता पार्वती को श्री राम कथा श्रवण कराने के लिए बरगद वृक्ष के नीचे बाघ छाल स्वयं से बिछाकर सहजता पूर्वक उसपर स्थान ग्रहण करते हैं। जिससे हमें स्थान के महत्व का बोध होता है। मन की शुद्धि एवं स्वस्थता हेतु साधना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कथावाचक ने कहा कि स्वस्थ मन से समाज सेवा की भावना जागृत होती है। बीमार मन से सेवा भाव कभी उत्पन्न नहीं हो सकता। वहीं वर्तमान परिवेश में भगवान शिव के विकृत रूप की आराधना एवं अनुकरण का आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान शिव राम नाम का सदैव जाप करते रहते थे और कथा का अमृत पान किया करते थे। परंतु बुध्दिहीनता के कारण लोग उनके इस स्वरूप का वर्णन नहीं करते और विकृत रूप पर बल देते हैं। इसके साथ ही निर्मल मन के लिए आत्म निवेदन, साधना पथ पर चलने के लिए आत्मनिर्भरता एवं आनंद की अनुभूति के लिए सहजता पर उन्होंने बल दिया। बरगद वृक्ष के नीचे बैठे शिव को बाबा तुलसीदास ने कामरिपु का नाम दिया है अथार्त काम का शत्रु। आनंदपूर्वक जीवन यापन के लिए कामनाओं पर विराम लगाने के महत्व को बताया। अंततः जो प्राप्त है वह पर्याप्त है की भावना जागृत करने और कामनाओं को प्रतिबंधित करने का निवेदन उन्होंने अपने कथा के माध्यम से किया। आयोजन समाजसेवी किरण प्रभाकर, शशि शेखर, कपिल मुनि तिवारी, मालती देवी, गौतम तिवारी, गोरखनाथ तिवारी, सिद्धनाथ तिवारी एवं उत्पल कांत सहित हजारों की संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु कथा रुपी बहती गंगा में गोता लगाया।

ई-रिक्शा और कार की टक्कर में महिला जख्मी

प्रात: किरण संवाददाता

नोखा (रोहतास) थाना अंर्तगत धर्मपुरा ओपी क्षेत्र के परसिया गांव मोड़ के पास ई रिक्शा और कार के बीच टक्कर में ई-रिक्शा में सवार दो महिलाएं गंभीर अवस्था में घायल हो गई। जिनका प्राथमिक उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नोखा में करने के बाद बेहतर उपचार के लिए सासाराम रेफर कर दिया गया। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि वराव दिनारा पथ पर परसिया गांव मोड़ के पास ई रिक्शा जो की दिनारा की तरफ जा रही थी और एक कार के बीच टक्कर में ई रिक्शा पर सवार दिनारा थाना क्षेत्र के सुंदरवन गांव निवासी प्रतिमा देवी और हेवन्ति देवी गंभीर अवस्था में घायल हो गई। दोनो घायल को घटनास्थल से धर्मपुर ओपीध्यक्ष राकेश कुमार पहुंचे और दोनों घायलों को गाड़ी में उठाकर के नोखा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लाया गया। जहां पर डॉक्टर टिके चक्रवर्ती द्वारा प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर उपचार के लिए सासाराम रेफर कर दिया गया। वहीं कार चालक कार छोड़कर के फरार हो गया। पुलिस ने कार को जप्त कर लिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

कथा भटके मानव को सही मार्ग दिखाती है, ईश्वर के निकट लाती है : श्रीलक्ष्मीप्रपन्न जीयर स्वामी

कैमूर। प्रख्यात श्रीवैष्णव परिव्राजक संत श्रीलक्ष्मीप्रपन्न जीयर स्वामी जी ने कैमूर के शिव गांव में आयोजित श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ में शनिवार को अपने प्रवचन में कहा कि कथा मानव को सही मार्ग दिखाती है, उसे ईश्वर के निकट लाती है। मानव जीवन और कथा की आवश्यकता पर बोलते हुए पूज्य स्वामी जी ने कहा कि कथा कुमार्ग पर भटके या भटकने को प्रस्तुत मनुष्य को सत्पथ पर लाती है।

उन्होंने कहा कि एक दुर्दांत अपराधी को नियंत्रण में लाने के लिए व्यवस्था और समाज अनेक प्रयत्न करते हैं करोड़ों रुपए खर्च करते हैं। लेकिन कथा में, सत्संग में, यज्ञ में शामिल कर यदि उसका हृदय परिवर्तन कर दिया जाय तो समाज का कितना भला होगा। स्वामी जी ने कहा कि सरकार और शासन दंड देकर अपराध रोक सकते हैं लेकिन अपराधी की प्रवृत्ति बनी रहती है किन्तु कथा से उसकी प्रवृत्ति हीं बदल जाती है। स्वामी जी ने कहा कि मानव जीवन से कथा को अलग कर दिया जाय तो मनुष्य अन्य जीवों के समान हो जाता है। कथा ही है जो मानव को नैतिकता सिखाती है, संस्कार डालती है, जीने की कला सिखाती है। इसका अभाव होने से संस्कार का नाश होना तय है।

क्रूर डाकू रत्नाकर के महर्षि वाल्मीकि बनने की कथा कै माध्यम से स्वामी जी ने बताया कि सप्त ऋषियों के सत्संग, प्रेरणा और राम मंत्र नै रत्नाकर डाकू को महर्षि वाल्मीकि बना दिया। वै भगवान राम की संतति के शिक्षक और आदि कवि कै रुप में अनंतकाल तक कै लिए प्रतिष्ठित हो गए। चार्वाक दर्शन के प्रणेता वृहस्पति जी के जीवन का उदाहरण देते हुए स्वामी जी ने वाममार्गी नास्तिक विचारधारा की विफलता सिद्ध की। मंदिर और तीर्थो के प्रभाव का विश्लेषण करते हुए स्वामी जी ने कहा कि इनसे व्यक्ति के जीवन में सात्विकता और सकारात्मकता का विकास होता है। वह धर्म मार्ग पर प्रेरित होकर ईश्वर भक्ति प्राप्त करता है।

यज्ञ, तप, दान यह सब समाधान की प्रक्रिया हैं। जब हम अपने मन, वाणी, इन्द्रियों और आत्मा सै किए गए कर्मो को परमात्मा को अर्पित कर दैतै हैं तब कल्याण हीं कल्याण होता है। स्वामी जी ने श्रीमद्भागवत गीता में भगवान श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए ज्ञान का विस्तार से उल्लेख करते हुए समझाया कि कर्म हीं व्यक्ति की उन्नति का आधार है। कठिन परिश्रम से हीं लक्ष्य की प्राप्ति संभव है। किन्तु कर्म विवेक पूर्ण होना चाहिए। बिना विवेक का कर्म फलदायी नहीं होता। स्वामी जी के पूर्व वेद मंदिर काशी पीठाधीश्वर जगद्गुरू रामानुजाचार्य श्रीशिवपूजन शास्त्री जी ने सद्गुरु संत का महत्व प्रतिपादित करते हुए ब्रह्म सूत्र का उदाहरण देकर भगवान और संतों कै प्रभाव की तुलना की।

सड़क दुर्घटना में एक टूरिस्ट की मौत, नौ घायल

डेहरी (रोहतास) जिला के राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण सड़क हादसा हो गया। जिसमें एक टूरिस्ट की मौत हो गई। जबकि घटना में 9 लोग घायल हो गए हैं। बताया जाता है कि झारखंड के रांची से एक टूरिस्ट बस 70 यात्रियों को लेकर उत्तर प्रदेश के अयोध्या जा रही थी। इस दौरान जब तीर्थ यात्रियों से भरी बस खराब हो गई, तो बस ड्राइवर बस को सड़क किनारे खड़ा कर उसे ठीक करने लगा। इसी बीच पीछे से आ रही एक ट्रक ने खड़ी बस में जोरदार टक्कर मार दी। जिस कारण बस में सवार 70 वर्षीय बालेश्वर साहू की मौत हो गई। जबकि 9 लोग घायल हो गए। घायलों में तीन की स्थिति चिंताजनक बताई जाती है। सभी घायलों को इलाज के लिए डेहरी के अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना डेहरी थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर शमशान घाट के पास हुई है। बताया जाता है कि रांची के ठाकुर गांव के रहने वाले लोग बस पर सवार होकर श्रीराम लला का दर्शन करने अयोध्या जा रहे थे।

लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस बूथों का किया निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

कोचस (रोहतास) स्थानीय पुलिस ने होने वाली लोकसभा चुनाव को लेकर शनिवार को विभिन्न बूथो का स्थलीय जायजा लिया । इस संदर्भ मे थाना अध्यक्ष रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि पुलिस प्रशासन ने नगर पंचायत के बूथ संख्या 59 से 81 यानी कुल 23 व बलथरी पंचायत के 127 उत्क्रमित उच्य माध्यमिक विद्यालय बलथरी, सतसा, वेदवलिया, नारायणपुर, कपसिया पंचायत के सोहवलिया, हटाना पटना आदि लगभग तीन दर्जन से अधिक बूथों का जायजा लिया । इसके साथ ही बूथों तक सड़क की स्थिति, मोबाइल नेटवर्क, पानी, शौचालय तथा अन्य विभिन्न प्रकार की मूलभूत सुविधाओं का जायजा पुलिस ने लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि बुथो के दूरी के हिसाब से वाहनों की व्यवस्था की जाएगी। लोकसभा चुनाव 2024 के मध्य नजर प्रशासनिक तैयारियां तेजी से चल रही है। मौके पर ओम प्रकाश चौबे, दिनेश प्रसाद, छोटू,मृत्युंजय पांडे, सहित अन्य लोग मौजूद थे।

31 मार्च तक अब स्नातक परीक्षा की फॉर्म भर सकेंगे छात्र

बिक्रमगंज (रोहतास) वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय,आरा द्वारा स्नातक पार्ट 3 सत्र-2019-22 , 2020-23 एवं 2021-24 के छात्र-छात्रा विलम्ब शुल्क 500 रुपए के साथ आनलाइन परीक्षा फार्म भर सकेंगे। जिसकी अन्तिम तिथि 31मार्च तक ही निर्धारित है। जिसकी घोषणा विश्वविद्यालय,आरा द्वारा विस्तारित किया गया है। जिसके अंतर्गत जो भी परीक्षार्थी परीक्षा फार्म भरने से वंचित रह थें। अब वह एक बार पुनः परीक्षा फार्म भर सकते हैं। इस निर्धारित परीक्षा फॉर्म भरने के तिथि के बाद अब कोई तिथि विस्तारित नहीं हो सकेंगी। वही परीक्षा 5 अप्रैल से स्नातक पार्ट थ्री की परीक्षा भी प्रारंभ होने वाली हैं।

अगर आप स्टार किड हैं तो आपके कंधों पर बहुत जिम्मेदारी होती है

एक्टर तनुज विरवानी को उनकी फिल्म योद्धा के लिए सराहा जा रहा है और उन्हें बहुत प्यार मिल रहा है। उनकी सफलता की कहानी कभी न खत्म होने वाले जुनून, अनुशासन और लगातार कोशिशों की है। पिछले कुछ वर्षों में, वह फीनिक्स की तरह उभरे हैं और उन्होंने बड़े मंच पर बार-बार अपनी योग्यता और विश्वसनीयता साबित की है, जहां यह सबसे ज्यादा मायने रखता है। उनके नए प्रोजेक्ट योद्धा के बारे में बात करें, तो उनकी परफॉर्मेंस बेहतरीन रही है।

योद्धा में आपका रोल तो बहुत अच्छा था, आपको नहीं लगता कि स्क्रीन टाइम बहुत कम मिली है?

मैं जब भी किसी प्रोजेक्ट को साइन करता हूं तो रोल में कितना टाइम मिला, ये कम देखता हूं। ये ज्यादा देखता हूं कि वो कहानी को कैसे आगे लेकर जा रहा है। वो मेरे लिए बहुत जरूरी है। योद्धा में भी वही रोल करना मेरे लिए जरूरी लगा।

फिल्म में एक्शन सीन्स बहुत थे, लेकिन आपको उसमे देखने को नहीं मिला, क्या कहेंगे इस पर?

कहानी के हिसाब से कैरेक्टर एक्शन में हिस्सा लेंगे। मुझे पहले से ही पता था कि मेरे एक्शन सीन इसमें नहीं हैं क्योंकि मैं ग्राउंड कमांडर हूं। तो जितने भी एक्शन रहे हैं, जो भी डायलॉग हैं वो मेरे ऑफिस के अंदर रहे हैं और जो एक्शन हो रहा था वो फ्लाइट के अंदर था। तो ऐसा नहीं है कि मुझे मेरे रोल से कोई सरप्राइज मिला।

सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ काम करके कैसा लगा

सिड के साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। वो बहुत दयालु है। काफी शॉर्टेड है और बहुत प्रोफेशनल एक्टर है। सेट पर जितने भी लोग हैं उनके साथ वो अच्छे हैं। वो ऐसे हैं जो चाहते हैं कि हमेशा कुछ नया सीखते रहें। उन्होंने सारे एक्शन सीन खुद किए। किसी बॉडी डबल की मदद नहीं ली।

आपने पुरानी जींस जैसी फिल्में की हैं, इंडस्ट्री में इतने साल हो चुके हैं, फिर भी लीड रोल्स उस तरह के नहीं मिल पा रहे हैं, क्या वजह हो सकती है?

जब आप एक लीड एक्टर बनते हैं तो फिल्म की सारी रिस्पॉन्सिबिलीटी आपके कंधों पर आ जाती है। मेरी दो फिल्में पहले नहीं चली हैं, तो उस तरह का काम नहीं मिल रहा है। उसी वक्त मैंने फैसला किया कि मैं वेब सीरीज में भी काम करूंगा। इतने सारे अलग-अलग शोज में मैंने बहुत स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर्स प्ले किए। मैं मेरे लोगों को हर तरह से एंटरटेन करना चाहता हूं। पिछले 6-7 साल से अब तक मैंने ज्यादा ओटीटी पर ही फोकस किया है।

स्टार किड हैं आप और रति अग्निहोत्री के बेटे भी हैं, इसका फायदा हुआ या नुकसान?

किसी भी स्टार किड के लिए, जब आप इंडस्ट्री में कदम रखते हैं, तो आपके कंधों पर बहुत जिम्मेदारी होती है। आपके मां-बाप की वजह से आपको काम मिलता है। लेकिन उसके बाद अगर आप कुछ अच्छा नहीं करते हैं तो आपको कोई नहीं बचा सकता। आप उसके बाद अपने टैलेंट, अपनी लगन और काम के ऊपर ही ग्रोथ करते हैं। इसके कुछ डिसएडवांटेज भी हैं। लोग समझते हैं कि आप पहली फिल्म में ही कमाल कर जाएंगे, जो आपके मां-बाप ने 10वीं फिल्म में किया था। वो बहुत मुश्किल हो जाता है। आपको खुद को साबित करना पड़ेगा।

आपने जो फिल्में की हैं उनमें बेहतरीन काम किया है, क्या आप खुद के काम से संतुष्ट हैं?

मैं बहुत ब्लेस्ड हूं कि मुझे अच्छे मौके मिले हैं। वेब सीरीज में हों या फिल्मों में हों, जब आप संतुष्ट हो जाते हैं ना तो आपके अंदर की वो भूख खत्म हो जाती है। इसलिए मैं हमेशा भूखा रहता हूं। मैं चाहता हूं कि मैं और अच्छा काम करूं। मैं अपने प्रोसेस पर काम कर रहा हूं और रिजल्ट कभी न कभी सामने आते ही हैं।

अपनी अगली फिल्म विद्या बालन के साथ काम करना पसंद करूंगी

अभिनेत्री कृति सेनन लगभग दो महीने के अंतराल में बैक-टू-बैक रिलीज़ के साथ आगे बढ़ रही हैं। क्रू में करीना कपूर और तब्बू के साथ काम करने के बाद, कृति ने अब बहुमुखी विद्या बालन के साथ काम करने की इच्छा व्यक्त की है। मीडिया से बातचीत के दौरान कृति ने कहा, मुझे विद्या बालन के साथ काम करना अच्छा लगेगा। मुझे लगता है कि वह ऐसी शख्स हैं, जिनकी मैं वास्तव में प्रशंसा करती हूं, उनके व्यक्तित्व और अभिनेता के लिए। इसलिए उम्मीद है कि कोई तो स्क्रिप्ट लिखेगा। उसी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, अभिनेता ने काजोल के प्रति अपनी प्रशंसा के बारे में भी बताया। रोहित शेट्टी की फिल्म दिलवाले में साथ काम करने के बाद वे दो पत्ती में साथ नजर आएंगे। कृति ने कहा, दिलवाले में हमारे बहुत कम दृश्य थे। इसलिए मैंने सोचा कि यह एक उचित फिल्म थी जिसमें मैंने उनके साथ काम किया। दो पत्ती में हमारे बहुत इंटेंस सीन हैं। मुझे उनके साथ काम करके बहुत मजा आया और मुझे लगता है कि वह हमारे अब तक के सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक है। मुझे उनके साथ काम करना और भी ज्यादा पसंद है क्योंकि वह हमेशा सीन के लिए कुछ न कुछ लेकर आती हैं। वह मुझसे यह भी कहती थी मुझे लगता है कि तुम्हें यहीं ऐसा करना चाहिए और शायद अगर आप इस तरह व्यवहार करते हैं, तो यह बेहतर हो सकता है। कृति पिछले कुछ समय से क्रू का प्रमोशन कर रही हैं। फिल्म तीन मेहनती एयर होस्टेस की कहानी है, जो अपनी पेशेवर यात्रा में उथल-पुथल का सामना करती हैं और इसलिए झूठ के जाल में फंस जाती हैं।

वरुण धवन-मृणाल ठाकुर की बनी जोड़ी? कॉमेडी फिल्म में मचाएंगे धमाल

मैं तेरा हीरो (2014), जुड़वा 2 (2017), और कुली नंबर 1 (2020) के बाद, डेविड धवन और वरुण धवन चौथी बार एक अनाम कॉमेडी के लिए साथ आ रहे हैं। इस आगामी फिल्म में अभिनेता दो अभिनेत्रियों के साथ नजर आएंगे। इसी बीच फिल्म से जुड़ने वाली एक अभिनेत्री के नाम को लेकर दिलचस्प रिपोर्ट सामने आई है। रमेश तौरानी समर्थित इस प्रोजेक्ट ने फैंस के उत्साह को काफी ज्यादा बढ़ा दिया है। जानकारी के अनुसार, इस अनाम कॉमेडी फिल्म से मृणाल ठाकुर का नाम जुड़ गया है। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया है, यह पहली बार है कि वरुण और मृणाल किसी फिल्म के लिए सहयोग कर रहे हैं और परियोजना से जुड़े सभी लोग इस नई जोड़ी को लेकर बेहद उत्साहित हैं। मृणाल और डेविड सर की कुछ मुलाकातें भी हो चुकी हैं और उम्मीद है कि फिल्म इस साल मई या जून में शुरू होगी। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, तैयारी चल रही है और दूसरी मुख्य महिला किरदार को जल्द ही साइन कर लिया जाएगा। जानकारी तो यह भी है कि इस फिल्म की शूटिंग भारत समेत विदेशों में कई स्थानों पर की जाएगी। कथित तौर पर, तीन मुख्य किरदारों के अलावा, फिल्म में कई अनुभवी हास्य कलाकार भी होंगे, जिन्होंने अतीत में कई बार डेविड धवन के साथ सहयोग किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, डेविड धवन पिछले कुछ सालों से कई विचारों की खोज कर रहे हैं और आखिरकार उन्हें एक ऐसा विचार मिल गया है जो फैमिली एंटरटेनमेंट की गारंटी देता है। डेविड धवन की कॉमेडी की दुनिया की तरह, इसमें भी वरुण धवन के साथ दो अभिनेत्रियां नजर आएंगी। अभी तक फिल्म के शीर्षक की घोषणा नहीं की गई है। वरुण भी कुछ समय बाद कॉमिक स्पेस में फिर से आने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

कार्तिक की झोली में एक और मेगा बजट फिल्म

कार्तिक आर्यन फिलहाल भूल भुलैया 2 के सीक्वल की शूटिंग कर रहे हैं, जिसे अनीस बज्मी निर्देशित कर रहे हैं। भूल भुलैया 3 की शूटिंग के बाद कार्तिक साजिद नाडियाडवाला कार्तिक और विशाल भारद्वाज के की इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। कार्तिक आर्यन इंडस्ट्री के टॉप एक्टर्स में से एक है। अपने करियर ने कार्तिक ने कई शानदार फिल्में दी और आने वाले दिनों में भी कार्तिक कई बड़ी फिल्मों में नजर आने वाले हैं। कार्तिक ने एक्शन, कॉमेडी, रोमांस, थ्रिलर समेत लगभग हर शैली के फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजन किया। इस बीच भूल भुलैया 2 की सफलता ने कार्तिक की झोली कई फिल्में डाल दी, जिसमें अब एक और फिल्म का नाम जुड़ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स मुताबिक कार्तिक एक बार फिर एक्शन करते नजर आने वाले है। चर्चा है कि कार्तिक साजिद नाडियाडवाला की अगली फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। रिपोर्ट्स की मानें तो साजिद नाडियाडवाला कार्तिक के साथ एक मेगा बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म की योजना बना रहे हैं, जिसे विशाल भारद्वाज निर्देशित करेंगे, फिलहाल फिल्म की कहानी पर काम हो रहा है। चर्चा ये भी है कि यह फिल्म विशाल भारद्वाज की महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है, जिसकी शूटिंग इसी साल शुरू होने वाली है। चर्चा है कि मेकर्स फिल्म को साल 2025 में रिलीज करने की योजना बना रहा है।

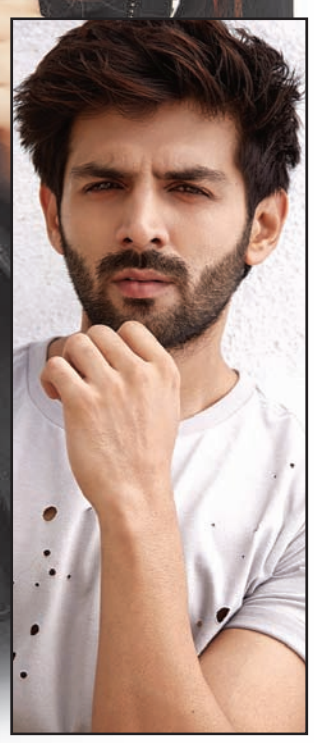

जन्नत 3 को लेकर इमरान ने किया खुलासा

इमरान हाशमी इंडस्ट्री के चर्चित अभिनेताओं में एक हैं। हाल के दिनों इमरान कई बड़ी और हिट फिल्मों में नजर आए। इमरान की हालिया रिलीज वेब सीरीज शो टाइम भी खूब चर्चा में हैं, जहां इमरान अपने किरदार से खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। इंडस्ट्री में इस ऊंचाई पर पहुंचने के लिए इमरान ने लंबा संघर्ष किया, जिसमें साल 2008 में आई फिल्म जन्नत इमरान के करियर की टर्निंग प्वाइंट साबित हुई थी। फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसके बाद साल 2012 इस फिल्म का सीक्वल भी सुपरहिट रहा, बीते 11 साल से दर्शक इस फिल्म के तीसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं, जिसे लेकर इमरान हाशमी ने बड़ा खुलासा किया है। हाल ही में एक साक्षात्कार में इमरान ने जन्नत 3 के बारे में बात की। इमरान ने कहा, मेरे लिए यह सबसे बेहतर चीज होगी। शायद एक नई बोतल में पुरानी शराब जैसी। हालांकि इसके लिए निर्माता महेश भट्ट और मुकेश भट्ट को एक साथ आना होगा, जो शायद काफी मुश्किल है। हां अगर किस्मत में इसका बनना लिखा होगा तो मेरे लिए यह एक चमत्कार जैसा होगा।

फिर से निभाएंगे बैड बॉय वाले किरदार

इमरान ने आगे कहा, आने वाले दिनों मेरी कई नई फिल्मों में नजर आने वाला हूं, जिसमें दर्शक मुझे मेरी पुरानी बैड बॉय वाले किरदार में देख सकेंगे। मैं एक बार फिर से उस तरह की किरदारों को निभाऊंगा। गौरतलब है कि जन्नत इमरान हाशमी के करियर में सबसे महत्वपूर्ण फिल्म रही है। फिल्म की शानदार कहानी और बेहद प्यारे संगीत ने उन्हें दर्शकों के दिलों में बसा दिया। इस फिल्म के बाद इमरान की पहचान लीड रोल वाले अभिनेताओं में शुरू हो गई।

एग्रेसिव कहे जाने पर बोलीं रवीना - मैं समानता में विश्वास करती हूं

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन इन दिनों अपनी फिल्म पटना शुक्ला को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। दर्शक इस फिल्म को बेहद उत्साहित हैं। आज शुक्रवार, 29 मार्च को ये फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई है। ये एक कोर्टरूम ड्रामा है। फिल्म को दर्शकों की तरफ से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। एक वकील के किरदार में रवीना दमदार अभिनय करती हुई दिखाई दी हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने निर्णयों का सामना करने और वास्तविक जीवन में अपने स्वभाव को लेकर खुलकर बात की है। रवीना टंडन ने हाल ही में कहा, चीजों के बारे में मेरी एक राय है। मैं समानता में विश्वास करती हूं। मैंने कई बार देखा है कि महिलाएं जब दृढ़ता से अपनी राय व्यक्त करती हैं। तो उन्हें एग्रेसिव कहा जाता है। ओह आप एग्रेसिव हैं, इसका क्या मतलब है। सिर्फ इसीलिए कि मैं कुछ कहना चाहती हूं और मैं इसे दृढ़ता से कह रही हूं। आप मुझे एग्रेसिव बोल देते हैं। यह कुछ ऐसा है जो मैंने शायद वास्तविक जीवन में भी सुना है। बीते दिन रवीना ने इंडस्ट्री के बारे में बात करते हुए कहा था कि हमारी इंडस्ट्री प्रतिस्पर्धी है, लेकिन कौन सी इंडस्ट्री में ऐसा नहीं होता है। राजनीति और कॉरपोरेट की दुनिया में भी ऐसा ही है। फर्क सिर्फ इतना है कि फिल्म इंडस्ट्री के बारे में इसलिए लिखा जाता है क्योंकि लोग प्रसिद्ध लोगों के बारे में गॉसिपिंग करना चाहते हैं। लोग यहां राजनीति सिर्फ राजनीति करना चाहते हैं। पटना शुक्ला एक क्राइम ड्रामा है जो भारत में प्रचलित शिक्षा घोटालों की पड़ताल करती है।

जुलाई में डॉन 3 की शूटिंग शुरू करेंगे रणवीर

फिल्म निर्माता और अभिनेता फरहान अख्तर ने जब से यह एलान किया है कि बहुप्रतीक्षित फिल्म डॉन 3 में मुख्य अभिनेता का किरदार रणवीर सिंह निभाएंगे, तब से फैंस फिल्म से जुड़ी छोटी से छोटी अपडेट का इंतजार कर रहे हैं।

डॉन फ्रेंचाइजी के तीसरे भाग में रणवीर सिंह बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान की जगह लेंगे और डॉन की भूमिका निभाएंगे। वहीं अब फिल्म की शूटिंग से जुड़ा बड़ा अपडेट सामने आया है। कहा जा रहा है कि फिल्म के निर्माता इसकी शूटिंग शुरू करने के लिए उत्साहित हैं और उन्होंने यह तय कर लिया है कि वे कब फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म का शूटिंग शेड्यूल ट्रैक पर है और यह अगले साल यानी 2025 में फ्लोर पर जाएगी। प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो गया है। फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू हो जाएगी। दावा किया गया कि डॉन 3 का हमेशा से इरादा 2025 में फ्लोर पर आने का था। शूटिंग की तैयारी की योजना उसी के अनुसार बनाई गई है। फरहान ने पिछले साक्षात्कारों में पुष्टि की थी कि वे पहले ही फिल्म की घोषणा करना चाहते थे, क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि प्रशंसक बेकार की अटकलों से निराश हों। हाल ही में खबर आई थी कि रणवीर सिंह एक साल के लिए अभिनय से ब्रेक ले रहे हैं। रणवीर के एक साल का पितृत्व अवकाश लेने की खबरों ने डॉन 3 के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ फरहान अख्तर ने यह खुलासा किया था कि वे जुलाई में बतौर अभिनेता अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। ऐसे में अब डॉन 3 को लेकर फैंस काफी परेशान हैं।

फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित, डॉन 3 एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। मूल फिल्म में अमिताभ बच्चन डॉन की भूमिका में थे। एक्सेल प्रोडक्शंस फ्रेंचाइजी की पिछली दो फिल्मों में शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। एक ओर जहां इस बार डॉन बनने के लिए फरहान ने रणवीर पर अपना भरोसा जताया है तो वहीं, रणवीर भी इस भूमिका को जिम्मेदारी के साथ निभाने के लिए उत्सुक हैं। वहीं, एक वर्ग ऐसा भी है, जो शाहरुख खान को ही डॉन की भूमिका में देखना चाहते हैं और अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

सेंसेक्स
73651.35 पर बंद
निफ्टी
22326.90 पर बंद

सोना
67,800
चांदी
75,044

संक्षिप्त समाचार

ऑल-टाइम हाई पर सोना, पहली बार 70,000 के पार पहुंची कीमत

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में सोना पहली बार 70 हजारी हो गया। इंदौर सर्राफा बाजार में शुक्रवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 70,000 रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इससे एक दिन पहले गुरुवार को वायदा सोना एमसीएक्स पर 67,870 के रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा था। इंदौर के साथ जयपुर, दिल्ली-मुंबई, चैन्नई जैसे शहरों में भी हाजिर सोना 70,000 रुपए की दहलीज पर है। शादियों के सीजन में सोने की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि ने गोल्ड ज्वैलरी खरीदने वालों के साथ ज्वैलर्स की भी परेशानी बढ़ा दी है। ज्वैलर्स को बिक्री घटने की आशंका सता रही है। सोने की मांग आम तौर पर मार्च में मजबूत रहती है, क्योंकि ज्वैलर्स शादी के मौसम के लिए स्टॉक कर लेते हैं। लेकिन अभी सोने की ऊंची कीमतों के कारण ग्राहक पुराने आभूषणों को बदलकर नए गहने ले रहे है। इस ट्रेंड के कारण ज्वैलर्स ने बैंकों से सोना खरीदना कम कर दिया है। गोल्ड लोन की मांग भी बढ़ी है। एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय परिवारों ने 5300 टन सोना गिरवी रखकर बैंकों से लोन लिया है। देश में गोल्ड लोन का बाजार 15 लाख करोड़ रुपए का है। अमरीकी फेडरल रिजर्व ने 2024 में तीन बार रेट कटौती के संकेत दिए, जिससे डॉलर और बॉन्ड यील्ड में नरमी आई है, इससे गोल्ड की कीमतें बढ़ रही हैं। चीन सहित दुनियाभर के सेंट्रल बैंक जमकर सोने की खरीदारी कर रहे हैं, जिससे कीमतों को बूस्ट मिला है। चीन में फिजिकल गोल्ड की डिमांड खूब बढ़ी, भारत में भी शादियों के कारण मांग मजबूत है।

एचडीएफसी बैंक ने ग्राहकों को दिया झटका, होम लोन पर बढ़ाई ब्याज दरें

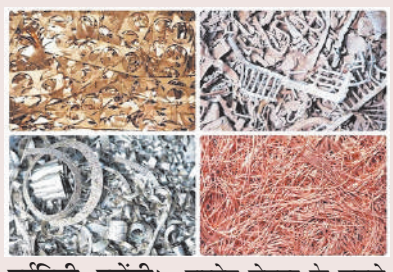

नईदिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के सबसे बड़े एचडीएफसी बैंक ने केंद्रीय रिजर्व बैंक के मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक से ठीक पहले ग्राहकों को बड़ा झटका दिया है। बैंक ने अपने रेपो-लिंक्ड होम लोन की ब्याज दरों में 10-15 बेसिस प्वाइंट का इजाफा कर दिया है। इस इजाफे के बाद लोन की दरें 8.70 से 9.8 फीसदी के दायरे में आ गई हैं।

विलय पर बैंक ने क्या कहा

बैंक ने अपनी वेबसाइट पर स्पष्ट किया कि होम लोन दर में बदलाव 1 जुलाई, 2023 को एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी के विलय के कारण हुआ है और यह अब रिटेल प्राइम लेंडिंग रेट से जुड़ा नहीं होगा। बैंक ने स्पष्ट किया है कि नई रेपो लिंक्ड ब्याज दर नए ग्राहकों पर लागू है। पुराने ग्राहक आरपीएलआर को जारी रख सकते हैं। बता दें कि आरबीआई की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 3 अप्रैल से 5 अप्रैल तक होगी, जो नए वित्त वर्ष 2024-25 की पहली बैठक होगी। आईसीआईसीआई बैंक की वर्तमान होम लोन ब्याज दरें 9 प्रतिशत से 10.05 प्रतिशत के बीच हैं। भारतीय स्टेट बैंक की होम लोन दरें 9.15 प्रतिशत से लेकर अधिकतम 10.05 प्रतिशत तक हैं।

एक लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचेगा निर्यात, नए बाजारों में पहुंच से 2030 तक बढ़ेगी भारतीय उत्पादों की मांग

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर में व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के बावजूद भारत से निर्यात तेजी से नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। द्विपक्षीय करार, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और अफ्रीका, लैटिन अमेरिका व मध्य एशिया जैसे नए बाजारों तक पहुंच से भारत से वस्तुओं एवं सेवाओं का निर्यात 2030 तक बढ़कर एक लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच सकता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इन नई पहलों के साथ भारत से कीमती धातुओं, खनिजों, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग उत्पादों, फार्मास्यूटिकल्स, कार्बनिक रसायन, कपड़ा, मसालों और रक्षा उपकरणों के निर्यात में आश्चर्यजनक वृद्धि देखी गई है। इससे भारत से निर्यात फरवरी, 2024 में सालाना आधार पर 11.9 फीसदी बढ़कर 41.4 अरब डॉलर पहुंच गया। यह मार्च, 2023 के बाद सर्वाधिक निर्यात है।

इसके अलावा, भारत ने अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और मध्य एशिया जैसे नए बाजारों में अप्रैल-दिसंबर, 2023 अवधि के दौरान 23.4 करोड़ डॉलर की कारों, दोपहिया-तिपहिया वाहनों व कीमती धातुओं समेत अन्य उत्पादों का निर्यात किया।

बेहतर संभावनाओं के बीच लक्ष्य पाना संभव

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, मध्य से लंबी अवधि में भारतीय निर्यात को लेकर संभावनाएं काफी उत्साहजनक हैं। हम 2030 तक एक-एक लाख करोड़ डॉलर की वस्तुओं व सेवाओं दोनों के निर्यात लक्ष्य तक पहुंचने की दिशा में अग्रसर हैं। हालांकि, 2024-25 की पहली तिमाही में उच्च महंगाई व विभिन्न देशों के बीच तनाव से निर्यात के मोर्चे पर भारत को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सहाय ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि अमेरिकी फेड रिजर्व अपनी अगली समीक्षा में दरों में कटौती करना शुरू कर देगा। इससे अन्य देश के केंद्रीय बैंक भी दरें घटाने को प्रेरित होंगे, जिससे मांग को बढ़ावा मिलेगा।

लाल सागर संकट को भारत ने बनाया अवसर

फियो महानिदेशक ने कहा, हम बहुत ही कम अवधि में संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया के साझेदार देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि देख रहे हैं। इन देशों में निर्यात में बहुत तेज वृद्धि हो रही है। मौजूदा लाल सागर संकट पर उन्होंने कहा, यह वैश्विक व्यापार के लिए एक नई चुनौती है। लेकिन, भारत ने चतुराई से इस विपरीत स्थिति को अवसर में बदल दिया है। केप ऑफ गुड होप के जरिये लंबे मार्गों को अपनाने से अफ्रीका-अमेरिका में नए बाजार खुल रहे हैं।

आईपीओ से 70,000 करोड़ जुटा सकती हैं कंपनियां, 2024-25 में शेयर बाजारों में तेज उछाल का मिलेगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। कंपनियां 2024-25 में प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से 70,000 करोड़ रुपये जुटा सकती हैं। 2023-24 में कंपनियों ने आईपीओ से 62,000 करोड़ रुपये जुटाए थे। शेयर बाजार की तेजी अगले वित्त वर्ष में भी जारी रहने की उम्मीद है। इसलिए, इसका फायदा इश्यू लाने वाली कंपनियां उठा सकती हैं। विदेशी निवेशक भी बाजार में अच्छी खासी रकम निवेश कर सकते हैं। आंकड़ों के अनुसार, 19 कंपनियां मिलकर 25,000 करोड़ रुपये जुटा सकती हैं। इन सबको पूंजी बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिल चुकी है। 37 कंपनियां इश्यू से 45,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही हैं। इन्होने सेबी के पास मसौदा जमा कराया है। सभी कंपनियां सेबी से मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। कुल 56 कंपनियों में से नौ कंपनियां नए जमाने की टेक सेक्टर की हैं। ये करीब 21,000 करोड़ रुपये आईपीओ के जरिये जुटा सकती हैं। अगले वित्त वर्ष में आईपीओ की रफ्तार तेज रहने की उम्मीद है। बड़ी कंपनियां भी बाजार में उतरने वाली हैं। इसमें टाटा कैपिटल से लेकर बिग बॉस्केट तक शामिल हैं।

आईपीओ को जिस वजह से तेजी मिलेगी, उनमें घरेलू पूंजी में वृद्धि, बेहतर गवर्नेंस, एफडीआई समर्थन के साथ अनुकूल सरकारी नीतियां और संस्थागत निवेशक शामिल हैं। विशेषज्ञों की मानें तो आम चुनाव के बावजूद अप्रैल व मई में कुछ आईपीओ लॉन्च होते दिखेंगे।

टाटा समूह अपनी इलेक्ट्रिक कंपनी को बाजार में लिस्ट कराने की योजना बना रहा है। हालांकि, अभी तक रकम का खुलासा नहीं हुआ है। स्विगी भी बाजार में उतरने वाली है।

1 करोड़ की नौकरी ठुकरा दी, सिर्फ 1 लाख से कंपनी खोली

नईदिल्ली, एजेंसी। आरुषि अग्रवाल बहुत छोटी उम्र में करोड़पति बन गई हैं। अपने आत्मविश्वास और काबिलियत के भरोसे उन्होंने एक वेंचर को बहुत कम समय में सफलता की बुलंदियों तक पहुंचाया है। यह स्टार्टअप कुछ साल में कई करोड़ का बन चुका है। इस स्टार्टअप कंपनी का नाम टैलेंटडिक्रिप्ट है। आरुषि ने इसे सिर्फ 1 लाख रुपये के निवेश से शुरू किया था। इसे बनाने से पहले आरुषि के पास कई जॉब ऑफर थे। इनमें एक करोड़ रुपये का ऑफर भी शामिल था। यह और बात है कि आरुषि ने इसे ठुकराकर अपने मन की बात सुनी। गाजियाबाद के नेहरू नगर में टैलेंटडिक्रिप्ट आज अपने सेक्टर में अलग पहचान बना रही है। आइए, यहां आरुषि के 1 करोड़ का जॉब ठुकराने से लेकर खुद की स्टार्टअप कंपनी बनाने तक के सफर के बारे में जानते हैं।

आरुषि मूल रूप से मुरादाबाद की रहने वाली हैं। उन्होंने जेपी इंस्टीट्यूट से इंजीनियरिंग (बी-टेक और एम-टेक) की पढ़ाई की। बाद में उन्होंने आईआईटी-दिल्ली से इंटर्नशिप की। उन्हें दो बार 1 करोड़ रुपये की भारी सैलरी का ऑफर मिला। हालांकि, उन्होंने इन ऑफरों को ठुकरा दिया। बजाय इसके उन्होंने अपनी खुद की कंपनी खोलने का फैसला किया।

2020 में कोरोना की महामारी की चुनौतियों के बीच आरुषि ने केवल 1 लाख रुपये के शुरुआती निवेश के साथ टैलेंटडिक्रिप्ट को लॉन्च किया। प्लेटफॉर्म का मकसद कोडिंग करने वाले कैंडिडेट और उनकी संभावित भूमिकाओं के बीच आदर्श मिलान सुनिश्चित करके रिक्रूटमेंट प्रोसेस को व्यवस्थित करना है। जो चीज टेलेंट को अलग करती है, वे हैं उसके कड़े सिक्योरिटी फीचर। ये रिमोट जॉब असेसमेंट के दौरान अनधिकृत डिवाइस के इस्तेमाल या बाहरी मदद को रोकते हैं। इससे निष्पक्ष और विश्वसनीय मूल्यांकन सुनिश्चित होता है। यह नौकरी देने वाले इम्प्लॉयर्स को सेलेक्शन प्रोसेस में भरोसा देता है। बेशक, टैलेंटडिक्रिप्ट भारत में स्थित है। लेकिन, इसका असर सीमाओं से कहीं आगे तक है। प्लेटफॉर्म ने अमेरिका, जर्मनी, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और नेपाल जैसे देशों में 380 कंपनियों के साथ कोलैबरेशन किया है। तीन साल के दौरान टैलेंटडिक्रिप्ट ने दुनियाभर में आश्चर्यजनक रूप से 10 लाख नौकरी चाहने वालों के लिए रोजगार की सुविधा प्रदान की है। यह 50 करोड़ रुपये की कंपनी में तब्दील हो चुकी है। आरुषि ने आइआइएम बेंगलुरु से एग्जीक्यूटिव एमबीए भी पूरा किया है। उन्हें भारत सरकार से देश के शीर्ष उद्यमियों में से एक के रूप में सम्मानित किया जा चुका है। वह अपने दादा ओमप्रकाश गुप्ता को अपना आदर्श मानती हैं। उनके दादा आईआईटीयन हैं। आरुषि के पिता अजय गुप्ता बिजनेसमैन हैं। उनकी मां गृहिणी हैं। आरुषि महिला उद्यमियों के लिए आदर्श हैं। उनके नोएडा कार्यालय की टीम 20 लोगों की है। वह टेक हायरिंग प्रोसेस को नए तरीके से परिभाषित कर रही हैं।

ह्यूंडई मोटर इंडिया फाउंडेशन ने 40 कलाकारों को अनुदान देने की घोषणा की

आर्ट फॉर होप 2024 इवेंट में महफिल लूटने के लिए तैयार मध्य प्रदेश का इनोवेटिव आर्ट एंड क्राफ्ट

भोपाल। ह्यूंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) की सीएसआर इकाई ह्यूंडई मोटर इंडिया फाउंडेशन (एचएमआईएफ) ने अपनी महत्वाकांक्षी पहल आर्ट फॉर होप के तीसरे संस्करण के तहत भारत के 20 क्षेत्रों से 40 कलाकारों को अनुदान देने की घोषणा की है।अपनी इनोवेटिव आर्ट एंड क्राफ्ट वर्कशॉप के साथमध्य प्रदेश के कटंगी के रहने वाले निश्चय ठाकुर चार दिवसीय आर्ट फॉर होप इवेंट में महफिल लूटने के लिए तैयार हैं।

आर्ट फॉर होप पहल के तहत भारत की समृद्ध पारंपरिक कला, शिल्प एवं संस्कृति को पोषित एवं प्रोत्साहित करने पर फोकस किया जाता है। यह पहल देशभर की उत्कृष्ट प्रतिभाओं के लिए अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने के मंच की तरह काम करती है। आर्ट फॉर होप - सीजन 3 का आयोजन नई दिल्ली के त्रिवेणी कला संगम में 28 से 31 मार्च, 2024 तक किया जाएगा। इस चार दिवसीय प्रदर्शनी एवं कार्यशाला में एचएमआईएफ से अनुदान प्राप्त करने

वालेउभरते कलाकारों, युवाओं, महिलाओं, समुदायों एवं स्थानीय प्रतिभाओं को मंच मिलेगा। आर्ट फॉर होप - सीजन 3 के उद्घाटन समारोह में इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशंस (आईसीसीआर) के डायरेक्टर जनरल श्री कुमार तुहिन, प्रतिष्ठित कथक नृत्यांगना एवं पद्मश्री से सम्मानित कुमारी कमलिनी एवं कुमारी नलिनी और ह्यूंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ श्री उन सू किम उपस्थित रहे। ह्यूंडई के ग्लोबल विजन प्रोग्रेस फॉर ह्यूमैनिटी के अनुरूप आर्ट फॉर होप का उद्देश्य कला तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाना और कलाकारों को अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मकता दिखाने के लिए राष्ट्रीय स्तर का मंच प्रदान करना है। इस पहल के अंतर्गत विजुअल आर्ट, डिजिटल आर्ट, परफॉर्मिंग आर्ट, ट्रेडिशनल फोक आर्ट और कल्चरल कम्युनिटी आर्ट समेत विभिन्न कलाओं को प्रोत्साहित किया जाता है।

आर्ट फॉर होप - सीजन 3 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए ह्यूंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ श्री उन सू किम ने कहा, ह्यूंडई के ग्लोबल विजन प्रोग्रेस फॉर ह्यूमैनिटी के तहत ह्यूंडई मोटर इंडिया फाउंडेशन वंचित समुदायों के लिए अवसर एवं आजीविका सृजित करने के लिए विभिन्न सेक्टर में काम कर रहा है। कला एवं कलाकारों के लिए सम्मान की भावना के साथ आर्ट फॉर होप के पहले दो संस्करणों में हमनेकई समुदायों एवं आर्ट कलेक्टिव्स को अपने साथ जोड़ा है। इस साल हमने अपने प्रयासों को और समृद्ध किया है तथा ज्यादा से ज्यादा लोगों के जीवन को समृद्ध करने के अपने प्रयास के तहत दिव्यांग कलाकारों को जोड़ते हुए अपनी पहुंच को बढ़ाया है। नई संभावनाओं के लिए हमेशा आंखें खुली रखते हुए हम समावेश और इसके साथ आने वाली अनंत संभावनाओं को समझते हैं। कलाकार हमारी दुनिया की झलक दिखाते हैं और कुछ ऐसा दिखाते हैं, जिन्हें हमारी आंखें नहीं देख पाती हैं। ह्यूंडई में हम इसी अनूठे दृष्टिकोण और वर्ल्ड-व्यू को सराहते हैं। 2021 में लॉन्च की गई पहल आर्ट फॉर होप देश के हर राज्य तक पहुंची है और 100 से ज्यादा कलाकार इससे लाभान्वित हुए हैं। पिछले तीन साल में एचएमआईएफ लगातार कला एवं संस्कृति के लिए समर्पित रहा है और 1.05 करोड़ रुपये के 100 अनुदान प्रदान किए हैं।

फॉरएवर लिविंग प्रोडक्ट्स ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की

फॉरएवर ग्लोबल रैली 2024 के साथ भारत में यादगार अनुभव पाने के लिए हो जाएं तैयार

मुंबई, एजेंसी। फॉरएवर लिविंग प्रोडक्ट्स ने आगामी फॉरएवर ग्लोबल रैली 2024 के साथ उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, जो इनके सालाना कैलेंडर में महत्वपूर्ण आयोजन है। 9 अप्रैल से 14 अप्रैल 2024 के बीच नई दिल्ली में आयोजित यह रैली बेजोड़ अनुभव का वादा करती है।

फॉरएवर द्वारा आयोजित यह असाधारण कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए बदलावकारी प्रशिक्षण, रोचक कार्यशालाएं, उनके प्रयासों के लिए सम्मान और भव्य रैली शो लेकर आएगा। ग्लोबल रैली 100 देशों से 12,000 से अधिक लोगों को एकजुट करते हुए फॉरएवर लिविंग प्रोडक्ट्स के एक और सफलता भरे साल का जश्न मनाएगी। उम्मीद है कि इस बार भारत में फॉरएवर ग्लोबर रैली पर्यटन को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, तथा हॉस्पिटेलिटी एवं पर्यटन सेक्टर से जुड़े हज़ारों भारतीयों को लाभान्वित करेगी। बड़ी संख्या में लोग इस प्रोग्राम में हिस्सा लेंगे। फॉरएवर लिविंग प्रोडक्ट्स के सीईओ ग्रेग मॉघान ने कहा कि

एफजीआर 2024 उपस्थितगणों को चुनौतियों एवं अवसरों के बारे में परिचित कराएगा। यह सालाना रैली बड़ी संख्या में लोगों को एक मंच पर लाकर फॉरएवर लिविंग प्रोडक्ट्स की सफलता का जश्न मनाएगी।

एक सप्ताह तक चलने वाले इस कार्यक्रम में सेमिनार, कार्यशालाओं, प्रेस सम्मलनों, बिज़नेस मालिकों के लिए सम्मान समारोहों, पहली बार एफजीआर क्वालीफायर अराइवल्स, कंट्री मैनेजर मीटिंग्स, डेली एक्टिविटीज़, वीआईपी डिनर और ग्लोबल रैली शोज़ का आयोजन किया जाएगा। मेजबान देश के रूप में भारत फॉरएवर ग्लोबल रैली 2024 में आने वाले मेहमानों का उत्सुकता से इंतज़ार कर रहा है। यह आयोजन सुनिश्चित करेगा कि सभी प्रतिभागी एवं एफबीओ (फॉरएवर बिज़नेस मालिक) अपने साथ अच्छी यादें लेकर लौटें। हरीश सिंगला, कंट्री सेल्स मैनेजर, फॉरएवर लिविंग प्रोडक्ट्स, भारत ने कहा। यह विश्वस्तीय आयोजन 140 देशों से फॉरएवर के बिज़नेस मालिकों को एक मंच पर लेकर आएगा, उन्हें ऐसा प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगा जहां वे नए प्रोडक्ट्स के बारे में जान सकें, कारोबार रणनीतियों को एक दूसरे के साथ साझा कर सकें, अपने साथ मनोरंजक और प्रेरक अनुभव लेकर लौटें तथा एक साथ मिलकर व्यक्तिगत एवं सामुहिक सफलता का जश्न मनाएं। समाजिक उत्तरदायित्व के लिए प्रतिबद्धता के साथ फॉरएवर, फॉरएवर ग्लोबल रैली 2024 के दौरान रेक्स मॉघान फॉरएवर गिविंग फाउन्डेशन के माध्यम से विभिन्न पहलों का आयोजन करेगा। फाउन्डेशन चैरिटी वॉटर एवं फंडरेज़िंग में योगदान देकर भारत के ज़रूरतमंद लोगों के लिए स्वच्छ पेय जल को सुलभ बनाएगा। साथ ही महिलाओं, बच्चों एवं प्राकृतिक आपदा से उबर रहे समुदायों को भी सहयोग प्रदान करेगा।

अगले हफ्ते 8 आईपीओ में पैसा लगाने का मिलेगा मौका, 7 दूसरे आईपीओ में भी निवेशक बोली लगा सकेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी। अगले हफ्ते निवेशकों को 8 आईपीओ में पैसा लगाने का मौका मिलेगा। नए आईपीओ की बात करें, तो अगले हफ्ते सिर्फ एक नया इश्यू आ रहा है। इसके अलावा, पहले से खुले हुए 7 दूसरे आईपीओ में भी निवेशक बोली लगा सकेंगे। ग्रे मार्केट में इन कंपनियों के शेयर अच्छे-खासे प्रीमियम पर ट्रेड करते दिखे हैं। आइए जानते हैं कि ये आईपीओ कौन-से हैं और इनका क्या तख्ताचल रहा है।

भारती हेक्साकॉम का आईपीओ 3 अप्रैल से सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 5 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। यह 4,275 करोड़ रुपए का आईपीओ है। आईपीओ में शेयर की लिस्टिंग 12 अप्रैल को होगी। शनिवार को ग्रे मार्केट में कंपनी का शेयर 570 रुपए के इश्यू प्राइस के मुकाबले 37 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड करता दिखा।

यह आईपीओ 27 मार्च को खुला था और 2 अप्रैल को बंद होगा। यह 29.99 करोड़ रुपए का आईपीओ 24.86 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। ग्रे मार्केट में कंपनी का शेयर 106 रुपए के इश्यू प्राइस के मुकाबले 110 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड करता दिखा है। इस तरह स्टॉक एक्सचेंजों पर यह शेयर 103.77 फीसदी के प्रीमियम के साथ 216 रुपए पर लिस्ट हो सकता है। अलुविंड आर्किटेक्चरल का 29.70 करोड़ रुपए का आईपीओ 28 मार्च को खुला था और 4 अप्रैल को बंद होगा। यह आईपीओ 0.38 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 45 रुपए के इश्यू प्राइस के मुकाबले 5 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड करता दिखा है।

क्रिएटिव ग्राफिक्स सोल्यूशंस का 54.40 करोड़ रुपए का आईपीओ 28 मार्च को खुला था और 4 अप्रैल को बंद होगा। कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 85 रुपए के इश्यू प्राइस के मुकाबले 52 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड करता दिखा है। यह आईपीओ 0.96 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। यह 53.15 करोड़ रुपए का आईपीओ 27 मार्च को खुला था और 3 अप्रैल को बंद होगा। यह आईपीओ 0.92 गुना सब्सक्राइब हो गया है। ग्रे मार्केट में कंपनी का शेयर 81 रुपए के इश्यू प्राइस की तुलना में 23 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड करता दिखा। यह 11.93 करोड़ रुपए का आईपीओ 28 मार्च को खुला था और 3 अप्रैल को बंद होगा।

संक्षिप्त समाचार

साइना ने कांग्रेस नेता की महिला विरोधी टिप्पणी की निंदा की

सोशल मीडिया पर लिखी ये बात

बेंगलुरु (एजेंसी)। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने दावणगेरे सीट से भाजपा उम्मीदवार गायत्री सिद्धेश्वर पर की गई महिला विरोधी टिप्पणी करने के लिए राज्य के अनुभवी कांग्रेस नेता शमनूर शिवशंकरप्पा की आलोचना की। दावणगेरे दक्षिण से 92 वर्षीय मौजूदा विधायक शिवशंकरप्पा ने कहा

था कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और मौजूदा सांसद सिद्धेश्वर जीएम की पत्नी गायत्री 'केवल रसोई में खाना बनाना जानती हैं।

उनकी टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए नेहवाल ने अपने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'कर्नाटक के एक शीर्ष नेता शमनूर शिवशंकरप्पा जी ने कहा है कि महिलाओं को रसोई तक ही सीमित रहना चाहिए। दावणगेरे से उम्मीदवार गायत्री सिद्धेश्वरा पर की गई इस लैंगिक टिप्पणी की कम से कम ऐसी पार्टी से उम्मीद नहीं की जा सकती जो कहते हैं कि लड़की हूं, लड़ सकती हूं। लंदन ओलंपिक 2012 में कांस्य पदक जीतने वाली 34 वर्षीय नेहवाल ने कहा कि जब देश में महिलायें हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ने की ख्वाहिश रखती हैं तो महिलाओं के खिलाफ इस तरह की द्वेषपूर्ण टिप्पणी परेशान करने वाली हैं।

बाबर आजम को सफेद गेंद के प्रारूप में कप्तानी की पेशकश

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बाबर आजम को सफेद गेंद के प्रारूप में कप्तानी की पेशकश की है लेकिन इस स्टार खिलाड़ी ने अभी तक कोई फैसला नहीं किया है।

सूत्रों ने दावा किया कि पीसीबी अध्यक्ष ने बाबर को यह पेशकश की है। यह भी पता चला है कि बाबर ने कप्तानी स्वीकार करने के लिए कुछ शर्तें भी रखी हैं जिसमें कोचों की नियुक्ति में भी उनकी राय लेना शामिल

है। बाबर ने यह भी कहा है कि उन्हें तीनों प्रारूपों में टीम की कमान सौंपी जानी चाहिए। पर राष्ट्रीय चयन समिति की राय इस मुद्दे पर बंटी हुई है। पंजाब के एक पूर्व कार्यवाहक मंत्री बाबर को कप्तानी के साथ उनकी शर्तें मानने के पक्ष में नहीं हैं।

सूत्र ने कहा, 'चयन समिति के कुछ सदस्यों को अब लगता है कि सबसे अच्छी बात यह है कि अप्रैल में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टी20 श्रृंखला के लिए शाहीन शाह अफरीदी को कप्तान बने रहने दिया जाए और उन्हें अपनी योग्यता साबित करने का मौका दिया जाए। सूत्र ने कहा कि कुछ चयनकर्ताओं को लगता है कि एक या दो श्रृंखला का इंतजार करने के बाद ही बाबर को फिर से कप्तान बनाने पर अंतिम फैसला लिया जाए।

सुनील ऐसा करने वाले बने दुनिया के चौथे खिलाड़ी

500 टी20 मैच खेलने वाले चौथे खिलाड़ी

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ कोलकाता नाइटराइडर्स के मैच के दौरान सुनील नरेन ने एक अद्भुत रिकॉर्ड लिस्ट में अपना नाम दर्ज करा लिया। वह 500 टी20 मैच खेलने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए। इस लिस्ट में 660 टी20 मैचों के साथ मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कायरन पोलार्ड पहले स्थान पर हैं। रोचक बात यह है कि इस लिस्ट में एक भी इंडियन क्रिकेटर शामिल नहीं है। नरेन के नाम टी20 में 536 विकेट हैं। वह इस प्रारूप में तीसरे सबसे विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी 19 रन देकर 5 विकेट है। उनके नाम 79 के उच्चतम स्कोर के साथ 3,736 रन भी हैं। नरेन ने 164 आईपीएल मैच खेले हैं और 25.83 की औसत से 165 विकेट लिए हैं।

सबसे ज्यादा टी20 मैच खेलने वाले 5 खिलाड़ी

कायरन पोलार्ड (वेस्टइंडीज)	- 660 मैच
ड्वेन ब्रावो (वेस्टइंडीज)	- 570 मैच
शोएब मलिक (पाकिस्तान)	- 542 मैच
सुनील नरेन (वेस्टइंडीज)	- 500* मैच
आंद्रे रसेल (वेस्टइंडीज)	- 484* मैच

दूसरी ओर, शेन वॉटसन ने सुनील नरेन के बल्ले से धमाकेदार प्रदर्शन पर कहा- जब वह इस तरह से बल्लेबाजी करते हैं तो कोई भी टीम जीत सकती है। वह गेंद को जबरदस्त अंदाज में हिट करते हैं। बता दें कि नरेन ने 22 गेंदों में 47 रन ठोके। यही वजह है कि उनकी टीम 3.1 ओवर शेष रहते जीत गई। नरेन के रन बरसाने के अलावा एक विकेट भी झटका।

आईपीएल 2024

आज हैदराबाद की शानदार फॉर्म से गुजरात को खतरा

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटन्स को अगर रविवार को होने वाले इंडियन प्रीमयर लीग (आईपीएल) मैच में सनराइजर्स हैदराबाद की शानदार लय को रोकने की कोशिश करनी है तो उसे अपने गेंदबाजी आक्रमण में सुधार करना होगा। सनराइजर्स हैदराबाद ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 277 रन बनाकर आईपीएल का सर्वकालिक रिकॉर्ड स्कोर खड़ा किया और सत्र की पहली जीत हासिल की।

गुजरात टाइटन्स ने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस पर जीत से शुरूआत की लेकिन पिछले मैच में चेन्नई में उसे हार का सामना करना पड़ा। चोटिल मोहम्मद शमी की जगह खेल रहे उमेश यादव कहीं भी उनके बराबर नहीं हैं जो गुजरात टाइटन्स के लिए बड़ी परेशानी साबित हो रहा है। 63 रन से मिली हार से उनका नेट रन रेट प्रभावित हुआ जो -1.425 पहुंच गया है और यह लीग की 10 टीम में सबसे खराब है।

टूर्नामेंट के अंतिम छोर में यह उसके लिए कुछ समस्याएं खड़ी कर सकता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि हार्दिक पंड्या के जाने से टीम का संतुलन बिगड़ा है जो अपनी हरफनमौला काबिलियत से संतुलन बनाए रखते थे। पिछले दो सत्र में गुजरात टाइटन्स विजेता और उप विजेता रही थी। लेकिन शुभमन गिल की कप्तानी में टीम को भारतीय आल राउंडर पंड्या की कमी खल रही है।

चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा दिए गए 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए साई सुदर्शन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज 30 रन तक नहीं पहुंच सका। सुदर्शन और विजय शंकर धीमी बल्लेबाजी कर रहे हैं जबकि गिल की टी20 बल्लेबाजी की फिर से आलोचना हो रही है जिन्होंने 31 और आठ रन की पारियां खेली हैं। वहीं उनके फिनिशर डेविड मिलर

(12 और 21 रन) भी जूझ रहे हैं और मध्य ओवरों में उनकी बल्लेबाजी काफी धीमी रही। अब टीम उम्मीद करेगी कि मिलर अपनी फॉर्म में वापसी करें क्योंकि उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद की बल्लेबाजी की बराबरी करने के लिए बल्ले से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

संभावित प्लेइंग 11

सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) - मयंक अग्रवाल, ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, एडेन मार्कराम, हेनरिक क्लासेन, शाहबाज अहमद, अब्दुल समद, पैट कमिंस, मयंक मार्कंडेय, भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन

गुजरात टाइटंस (जीटी)- शुबमन गिल (कप्तान), रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, विजय शंकर, अजमतुल्लाह उमरजई, डेविड मिलर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, सैक किशोर, उमेश यादव, स्पेंसर जॉनसन

समय-दोपहर 3.30 बजे।

टूर्नामेंट की छुपी रूस्तम सनराइजर्स हैदराबाद ने पिछले मैच में घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ तीन विकेट पर 277 रन बनाकर 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु द्वारा बनाये गये आईपीएल के पांच विकेट पर 263 रन के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। आस्ट्रेलिया के विश्व कप विजेता ट्रेविस हेड (62 रन, 24 गेंद) ने शानदार पदार्पण किया और सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 18 गेंद में सबसे तेज अर्धशतक जड़कर विस्फोटक शुरूआत कराई। लेकिन फिर 'अनकैप्ड' भारतीय अभिषेक शर्मा ने इस रिकॉर्ड को बेहतर करके महज 16 गेंद में अर्धशतक जड़ दिया।

दक्षिण अफ्रीका के ऐडन मार्कराम और हेनरिच क्लासेन निचले क्रम में शानदार फॉर्म में हैं। मैच दोपहर को होगा तो सूखी पिच स्पिनरों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है जिसमें राशिद और साई किशोर दोनों टीमों के लिए अहम रहेंगे। ऐसा नहीं है कि सनराइजर्स हैदराबाद सिर्फ बल्लेबाजी में ही अच्छी है बल्कि उनकी गेंदबाजी भी संतुलित दिख रही है।

हम उससे कहीं बेहतर हैं...

केकेआर से आरसीबी की करारी हार के बाद विराट कोहली

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से हार के बाद ड्रेसिंग रूम में 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। हार के बाद 59 गेंदों में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 83* रन बनाने वाले विराट को उनके साथी ग्लेन मैक्सवेल ने एक गिफ्ट हैम्पर दिया। उनकी पारी ने आरसीबी को अपने 20 ओवरों में 182/6 पर पहुंचा दिया लेकिन सुनील नरेन और वेंकटेश अय्यर की विस्फोटक पारियों ने केकेआर को 19 गेंद शेष रहते हुए सात विकेट से जीत दर्ज करने में मदद की।

विराट ने आरसीबी के एक्स हैंडल के एक वीडियो में कहा, हमारे लिए एक कठिन रात थी, हम सभी जानते हैं। हम उससे कहीं बेहतर हैं, जब तक हम इसे स्वीकार करते हैं, और उसी साहस और अपने कौशल में उसी विश्वास के साथ आगे बढ़ें।

हम बस इतना ही कर सकते हैं, तो आइए हम उस रास्ते पर बने रहें। विराट आईपीएल 2023 में सर्वाधिक रनों के मामले में मौजूदा 'ऑरेंज कैप' धारक भी हैं, उन्होंने तीन पारियों में 90.50 की औसत और 141 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 181 रन बनाए हैं। उन्होंने दो अर्धशतक बनाए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 83 है।

मैच की बात करें तो केकेआर ने टॉस जीतने के बाद क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। कप्तान फाफ का विकेट जल्दी खोने के बाद विराट कोहली ने कैमरून ग्रीन (21 गेंदों मेंचार चौकों और दो छक्कों की मदद से 33 रन) के साथ 65 रन की साझेदारी की और ग्लेन मैक्सवेल (19 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 28 रन) के साथ 42 रन की साझेदारी की। विराट ने 59 गेंदों में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 83* रन बनाए और दिनेश कार्तिक (आठ गेंदों में 20*, तीन छक्कों) के साथ मिलकर आरसीबी को 20 ओवरों में 182/6 तक पहुंचाया। केकेआर के लिए आंद्रे रसेल (2/29) और हर्षित राणा (2/39) सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे।

डेविड विली आईपीएल 2024 से हटे, लखनऊ सुपर जायंट्स में इस खिलाड़ी की एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स ने शनिवार को इंग्लैंड के ऑलराउंडर डेविड विली की जगह अपनी टीम में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हैनरी को शामिल किया। हैनरी अपने 1.25 करोड़ रुपए के 'बेस प्राइस' (आधार मूल्य) में लखनऊ की टीम से जुड़ेंगे।

विली ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से हटने का फैसला किया था। वह पिछले साल नीलामी में लखनऊ की टीम से जुड़े थे, इससे पहले उन्होंने 2022 और 2023 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया था।

आरसीबी पर जीत के बाद बोले वेंकटेश

हमारे ऊपर से दबाव हटाने का श्रेय नरेन को जाता है

बेंगलुरु (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पर अपनी टीम की जीत के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर ने ऑलराउंडर सुनील नारायण की सराहना की जिन्होंने पावरप्ले में अपनी विस्फोटक पारी से बल्लेबाजों पर से दबाव हटाने में मदद की। अनुभवी वेस्टइंडीज स्टार नरेन ने अपने 500वें टी20 मैच को अपने और केकेआर के लिए यादगार बनाते हुए हरफनमौला प्रदर्शन किया जिससे टीम ने 7 विकेट से जीत दर्ज की।

वेंकटेश ने कहा, मेरी पीठ कैसी है, मुझे स्कैन के बाद पता चलेगा। शाम को गेंद अच्छी तरह से आ रही थी। श्रेय सुनील नरेन को जाता है, जिनके रनों ने हमारे ऊपर से दबाव हटा दिया। हमें बस औपचारिकताएं पूरी करनी थीं। एक के

साथ इस तरह का प्रदर्शन आपको अधिकतम (उसकी मानसिकता पर) करना होगा। इसके अलावा मेरी मंगेतर आज यहां थे इसलिए यह एक विशेष दिन था। (विजयकुमार वैश्य का सामना करना) कुल मिलाकर पेस-ऑफ कठिन था लेकिन अगर तेज गेंदबाज पेस-ऑन गेंदबाजी करते हैं, तो यह उन्हें क्लीनर्स के पास ले जाना आसान था। यह हमारी गेंदबाजी पारी में भी हमारे साथ हुआ।

केकेआर ने टॉस जीतने के बाद क्षेत्ररक्षण का फैसला किया।

शाहीन अफरीदी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से निराश, छोड़ सकते हैं टी20 टीम की कप्तानी

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट और टी20 कप्तान के रूप में अपने भविष्य के बारे में चर्चा में शामिल नहीं होने से निराश तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी कप्तानी छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। शाहीन के करीबी सूत्र ने कहा कि गेंदबाज इस बात से नाराज हैं कि जहां तक कप्तानी या कोचों की नियुक्ति का सवाल है, पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी या राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने एक बार भी उनसे अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में बात नहीं की है।

सूत्र ने कहा, शाहीन का निराश होना उचित है क्योंकि राष्ट्रीय टी20 कप्तान होने के नाते उन्हें उम्मीद थी कि अगर बोर्ड/चयनकर्ता उन्हें हटाना भी चाहते हैं तो उन्हें इसके पीछे के कारणों के बारे में सूचित करने और उन्हें हर चीज के बारे में जानकारी देने की शालीनता होगी। सूत्र ने कहा कि शाहीन इस बात से निराश हैं कि उन्हें लूप में नहीं रखा गया क्योंकि पीसीबी प्रमुख ने इस सप्ताह

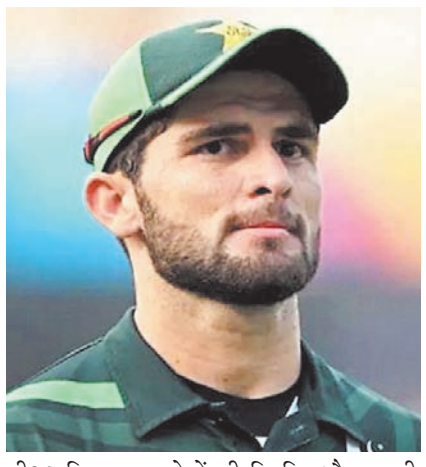

टी20 विश्व कप, कोचों की नियुक्ति और कप्तानी पर चर्चा के लिए राष्ट्रीय चयनकर्ताओं और बाबर आजम के साथ चर्चा की थी।

सूत्र ने कहा, शाहीन का मानना है कि अगर बोर्ड उन्हें हटाना चाहता है तो उन्हें पहले ही इसकी जानकारी दे देनी चाहिए थी क्योंकि वह खुद भी पद छोड़ने को तैयार हैं। दरअसल अब उनके कुछ करीबी लोगों ने उन्हें ऐसा करने और सभी से दूर जाने की सलाह दी है। बोर्ड द्वारा अराजकता और भ्रम पैदा किया जा रहा है।

पिछले नवंबर में भारत में विश्व कप के बाद शाहीन को टी20 कप्तान बनाया गया था जब जका अशरफ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख थे। शाहीन की नियुक्ति पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में लाहौर कलंदर्स फ्रेंचाइजी को लगातार दो खिताब दिलाने की उनकी क्षमता के आधार पर की गई थी। लेकिन कप्तान बनाए जाने के बाद शाहीन न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज 1-4 से हार गए और कलंदर्स के साथ भी अपना जादू नहीं दोहरा सके क्योंकि वे हाल ही में पीएसएल में तालिका में सबसे नीचे रहे।

संक्षिप्त समाचार

मंडी विवाद पर फिर भड़की कंगना, अब राहुल गांधी पर बोला हमला

मंडी, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की मंडी से चुनावी मैदान में उतरी कंगना रनौत ने यहां चुनाव प्रचार का आगाज कर दिया है। शुक्रवार को यहां पहले उन्होंने रोड शो किया उसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। दरअसल मंडी सीट से बीजेपी की तरफ से उम्मीदवार के तौर पर उनके नाम की घोषणा होने के बाद कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने उनको लेकर एक भद्दा पोस्ट किया था। अब उन्होंने इस मामले में राहुल गांधी को भी आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी खुद कहते हैं कि वो हिंदुओं की शक्ति में नष्ट करना चाहते हैं तो कांग्रेस से और उम्मीद भी क्या की जा सकती है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस मंडी से उनका नामांकन स्वीकार नहीं कर पाई है। वे घटिया राजनीति करने लगे हैं। उनके नेता राहुल गांधी हिंदुओं में शक्ति को नष्ट करने की बात करते हैं। उनके प्रवक्ता मंडी की महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करते हैं। मंडी का नाम ऋषि मांडव के नाम पर रखा गया है। मंडी वह स्थान है जहां ऋषि पराशर तपस्या में बैठे थे। मंडी हर साल महाशिवरात्रि पर सबसे बड़ा मेला आयोजित करती है और वे मंडी की महिलाओं के खिलाफ ऐसी अपमानजनक टिप्पणी करते हैं। लेकिन उनसे और क्या उम्मीद की जा सकती है

उन्होंने न्यूज एजेंसी से भी बात करते हुए राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला और कहा, राहुल गांधी कहते हैं कि वह शक्ति को नष्ट करना चाहते हैं। उनके लिए ऐसे भाषण कौन लिखता है...मैं चाहती हूं कि मंडी के लोग उन लोगों को जवाब दें जिन्होंने महिलाओं के बारे में अभद्र बातें की हैं। भारत के लोगों ने मुझे हमेशा आशीर्वाद दिया है और मंडी के लोग भी

बिहार में बंटवारे में कांग्रेस को कई ऐसी सीटें जहां 1984 के बाद नहीं मिली जीत

पटना, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बिहार में महागठबंधन में सीटों का बंटवारा हो गया है। इसमें कांग्रेस पार्टी को कई ऐसी सीटें दी गई हैं जहां से 1984 के बाद पार्टी को जीत नहीं मिली। विरोधी दल बीजेपी ने भी सीट बंटवारे पर तंज कसा है। बिहार में कांग्रेस की सबसे मजबूत सीट किशनगंज है। इस सीट पर लगातार कांग्रेस को जीत मिलती रही है। पिछले चुनाव 2019 में भी यहां से कांग्रेस के मो. जावेद को जीत मिली थी। कटिहार सीट पर कांग्रेस को कई बार जीत मिली थी। 1980, 1984, 1996, 1998 में कांग्रेस को जीत मिली थी। 2014 में भी कांग्रेस छोड़ कर तारिक अनवर ने एनसीपी से यहां जीत दर्ज की थी। माना जा रहा है इस बार कांग्रेस की ओर से तारिक अनवर फिर मैदान में उतरेंगे। सासाराम सीट कांग्रेस का गढ़ माना जाता रहा है। यहां से कांग्रेस के जगजीवन राम लगातार कई बार सांसद रहे। अंतिम बार 2004 और 2009 में कांग्रेस की मीरा कुमार को यहां से जीत मिली थी। कभी कांग्रेस का गढ़ रहा भागलपुर में पिछले तीन दशक से कांग्रेस को जीत नहीं मिल सकी है। यहां से अंतिम बार 1984 में भागवत झा आजाद ने लोकदल के जागेश्वर मंडल को हरा कर जीत दर्ज की थी। 2009 में कांग्रेस ने सदानंद सिंह को मैदान में उतारा था, लेकिन हार हुई थी। 1991 में भी कांग्रेस के सदानंद सिंह को चुनचुन यादव ने बड़े अंतर से हराया था।

मुजफ्फरपुर से 1984 में कांग्रेस के ललितेश्वर प्रसाद शाही को जीत मिली थी। इसके बाद से यहां कभी कांग्रेस को जीत नहीं मिल सकी थी। महागठबंधन की बात करें तो यहां से 1998 में राजद की आरे से जय नारायण प्रसाद निषाद को जीत मिली थी। समस्तीपुर से 1984 में कांग्रेस के रामदेव राय को लोकसभा चुनाव में जीत मिली थी। इसके बाद से जनता दल, राजद, जदयू और लोजपा को जीत मिलती रही।

5 दशक में पहली बार चौधरी परिवार की बागपत से दूरी

उत्तर प्रदेश की 3 विरासत सीटों पर नया प्रयोग

नईदिल्ली, एजेंसी। 2024 का लोकसभा चुनाव कई नए मुकाम गढ़ने और राजनीतिक परंपराओं को तोड़ने वाला चुनाव बन गया है। ऐसा पहली बार होने जा रहा है, जब 1977 के बाद से पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जाट बहुल सीट बागपत से चौधरी चरण सिंह के परिवार का कोई सदस्य चुनाव नहीं लड़ेगा। इसी तरह गांधी परिवार की राजनीतिक विरासत बन चुकी पीलीभीत सीट पर भी उस खानदान का कोई शख्स चुनाव नहीं लड़ने जा रहा है, क्योंकि बीजेपी ने वरुण गांधी को टिकट देने से इनकार कर दिया है। बागपत और पीलीभीत की ही तरह बरेली सीट का भी हाल है, जहां से पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार का पत्ता साफ कर दिया गया है।

बिना चौधरी के बागपत सीट

बागपत जाटों का गढ़ रहा है और इसे पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के परिवार की विरासतवाली सीट माना जाता रहा है। चौधरी साहब ने यहां से तीन बार 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर, 1980 और 1984 में लोकदल के टिकट पर चुनाव जीता था। उनके बाद 1989 और 1991 में उनके बेटे चौधरी अजित सिंह ने जनता दल के टिकट पर जीतकर इस राजनीतिक विरासत को संभाला। 1996 में अजित सिंह ने कांग्रेस से बागपत सीट जीती लेकिन 1998 के चुनावों में वह भाजपा के सोमपाल शास्त्री से चुनाव हार गए।

इसके बाद उन्होंने अपनी पार्टी राष्ट्रीय लोक दल बनाई और 1999 में इस सीट को कब्जाने में कामयाब रहे। उन्होंने 2004 और 2009 में भी इस सीट पर जीत दर्ज की लेकिन 2014 में वह सत्यपाल सिंह से चुनाव हार गए। 2019 में अजित सिंह ने बेटे जयंत चौधरी के लिए छोड़ दी लेकिन जूनियर चौधरी सीट नहीं बचा सके। अब जयंत राज्यसभा के सांसद हैं। जुलाई 2022 में ही वह पुराने साथी अखिलेश यादव के सहयोग और समर्थन से राज्यसभा पहुंचे हैं। जहां जुलाई 2028 तक का कार्यकाल शेष है। ऐसे में उन्होंने अपनी पारिवारिक और परंपरागत विरासत वाली बागपत सीट पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजकुमार सांगवान को उतारा है।

मेनका ने सींचा था पीलीभीत को

1984 में अमेठी संसदीय सीट से अपने जेठ और तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी से 2.7 लाख से अधिक वोटों के भारी अंतर से हारने के बाद गांधी परिवार की दूसरी बहू मेनका गांधी ने पीलीभीत की ओर रुख कर

लिया था। उन्होंने पहली बार जनता दल के टिकट पर पीलीभीत से 1989 का संसदीय चुनाव जीता। धीरे-धीरे उन्होंने पीलीभीत को इस कदर सींचा कि वह उनकी पारंपरिक सीट बन गई। हालांकि, 1991 में वह बीजेपी के परशुराम से पीलीभीत का चुनाव हार गई थी लेकिन मेनका ने हार नहीं मानी थी। उन्होंने 1996 में जनता दल के टिकट पर दोबारा लड़कर यह सीट भाजपा से छीन ली।

इसके बाद उन्होंने 1998 और 1999 का लोकसभा चुनाव पीलीभीत से ही निर्दलीय जीता। 2004 में मेनका गांधी भाजपा में शामिल हो गईं। इसके बाद उन्होंने 2004 का चुनाव भाजपा उम्मीदवार के तौर पर जीता। 2009 में उन्होंने इस सीट को अपने 29 वर्षीय बेटे वरुण गांधी के लिए छोड़ दी और खुद आंवला शिफ्ट हो गईं। तब वरुण ने राजनीतिक एंट्री लेते हुए कांग्रेस के वीएम सिंह को 2.8 लाख वोटों के अंतर से हराया था। तब वरुण को 50 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे।

2014 के चुनावों में मेनका फिर पीलीभीत लौट आईं और बेटे वरुण को सुल्तानपुर से उतारा। दोनों ने जीत दर्ज की। उस वक्त भाजपा की लहर थी और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे। 2019 में फिर मां बेटे ने सीट बदली और मेनका सुल्तानपुर जबकि वरुण पीलीभीत से चुनाव लड़े और जीत गए। इस बार भाजपा ने मेनका को सुल्तानपुर से तो उतारा लेकिन वरुण गांधी को उनकी ही पारिवारिक विरासत वाली सीट पीलीभीत से बेटिकट कर दिया गया। इस बार पीलीभीत से कांग्रेस से भाजपा में आए पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद को उतारा गया है।

बरेली में भी गंगवार हुए पैदल

बरेली सीट भी भाजपा नेता संतोष गंगवार की पारंपरिक सीट रही है। कुर्मी समुदाय से आने वाले गंगवार ने सबसे पहले 1989 में इस सीट पर कब्जा किया था। तब उन्होंने कांग्रेस की बेगम आबिदा अहमद को हराकर पहली बार यहां जीत दर्ज की थी। 2009 को छोड़ दें तो संतोष गंगवार ने 1989 से लगातार 2019 तक यहां से जीत दर्ज की है। 2009 में कांग्रेस के प्रवीण सिंह एरोन से वह चुनाव हार गए थे। गंगवार अटल सरकार में भी मंत्री थे। उन्हें नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में भी बतौर कपड़ा, संसदीय मामलों के मंत्री के रूप में शामिल किया गया था। बाद में उन्हें वित्त मंत्रालय और फिर श्रम और रोजगार मंत्रालय में स्थानांतरित कर दिया गया।

75 साल से ऊपर के हो चुके गंगवार को इस बार भाजपा ने टिकट नहीं दिया है। उनकी जगह बरेली सीट से पूर्व विधायक छत्रपाल सिंह गंगवार को उतारा गया है। सिंह बहेरी सीट से विधायक रह चुके हैं। उन्होंने 2007 में पहली बार सपा के अताउरहमान को हराकर वह सीट जीती थी। हालांकि, 2012 में वह 18 वोट से चुनाव हार गए थे। 2017 में उन्होंने फिर वहां से जीत दर्ज की लेकिन 2022 में फिर से हार गए थे।

अरविंद केजरीवाल पर ईडी का चौतरफा वार

दिल्ली जल बोर्ड घोटाले में चार्जशीट दायर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की मुश्किलें दिन-प्रतिदिन चौतरफा बढ़ती ही जा रही हैं। शराब घोटाले में गिरफ्तार किए गए केजरीवाल को अब कोई राहत भी नहीं मिल पाई कि अब प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली जल बोर्ड घोटाला केस में चार्जशीट फाइल कर दी है। राउज एवेन्यू कोर्ट सोमवार को ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान ले सकती है।

ईडी की इस चार्जशीट में रिटायर्ड मुख्य इंजीनियर जगदीश अरोड़ा और ठेकेदार अनिल अग्रवाल को आरोपी बनाया गया है। बता दें कि दिल्ली जल बोर्ड घोटाला मामले में ही ईडी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी समन जारी किया था, लेकिन वह पूछताछ में शामिल नहीं हुए थे।

जल बोर्ड घोटाले का पैसा आप नेताओं को दिया गया: इससे पहले फरवरी में आम आदमी पार्टी के नेताओं के 12 ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। ईडी के मुताबिक, जल बोर्ड घोटाले का पैसा आम आदमी पार्टी के नेताओं को दिया गया था। यह पैसा आप के इलेक्शन फंड के लिए भी दिया गया। ईडी के मुताबिक, इस घोटाले में दिल्ली जल बोर्ड के तत्कालीन चीफ इंजीनियर जगदीश अरोड़ा ने यह बात जानते हुए भी कि कंपनी टेक्निकल एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया को पूरा नहीं करती है, 38 करोड़ रुपये के ठेके एमएस एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर को दिए थे।

जगदीश अरोड़ा ने रिश्वत का पैसा आप तक पहुंचाया: जगदीश अरोड़ा ने ही रिश्वत का पैसा आगे आम आदमी पार्टी से जुड़े लोगों तक पहुंचाया। इसी मामले में 31 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय ने जगदीश कुमार अरोड़ा और अनिल कुमार अग्रवाल को गिरफ्तार किया था।

ईडी ने 18 मार्च को केजरीवाल को किया था तलब: गौरतलब है कि, ईडी ने दिल्ली जल बोर्ड में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को समन भेजकर 18 मार्च को तलब किया था। हालांकि, केजरीवाल ईडी के समन को भी दरकिनार करते हुए पेश होने से इनकार कर दिया था। आम आदमी पार्टी (आप) ने इसे केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार करने से रोकने की बैकअप योजना करार दिया था।

किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं रामलीला मैदान की इंडिया रैली: कांग्रेस

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर 31 मार्च को आप और इंडिया गठबंधन की रामलीला मैदान में महारैली है। इस रैली के जरिए विपक्ष अपनी ताकत दिखाएगा। हालांकि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश का कहना है कि यह रैली किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं है। इसमें सारे नेता शामिल हैं, सारी पार्टियां शामिल हैं। ये किसी व्यक्ति नहीं बल्कि संविधान को बचाने के लिए है।

रैली को लेकर जयराम रमेश ने कहा, मैं बिलकुल स्पष्ट कर देना चाहता हूं। इंडिया गठबंधन की रैली है। किसी एक व्यक्ति के लिए रैली नहीं है। इसमें सारी पार्टिया, सारे नेता शामिल हैं। ये किसी व्यक्ति को बचाने के लिए नहीं है। ये संविधान को, लोकतंत्र को, निष्पक्ष चुनाव को बचाने की रैली है। हम खुद को मदर ऑफ डेमोक्रेसी कहते हैं। लेकिन जिस तरह से लोकतंत्र की हत्या हो रही है रोज, उसके खिलाफ यह रैली है। 4-5 मुद्दे हैं जिन पर यह रैली आयोजित की गई है। हमें हेमंत सोरेन, अरविंद केजरीवाल और कई अन्य लोगों को भी नहीं भूलना चाहिए, जिन्हें निशाना बनाया गया है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, झारखंड में जब भारत जोड़ो न्याय यात्रा पहुंची तो हेमंत सोरेन जी की गिरफ्तारी हुई। तो हेमंत सोरेन हैं, अरविंद केजरीवाल जी हैं, कई मंत्री हैं अलग-अलग राज्यों में दिल्ली में भी मंत्री हैं। झारखंड, तमिलनाडु के भी कई मंत्रियों को निशाना बनाया गया। तो कल की रैली को लोकतंत्र के नजरिए से देखा जाना चाहिए ना कि किसी एक पार्टी या एक व्यक्ति के तौर पर। झारखंड के सीएम चंपाई सोरेन कल की रैली में मौजूद रहेंगे, और भी नेता होंगे। चंपाई जी को निमंत्रण देने खुद राहुल जी गए थे।

'आप' नेताओं ने घर-घर जाकर लोगों को आमंत्रित किया: आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने शुक्रवार को 31 मार्च को होने वाली पार्टी की महारैली के लिए घर-घर जाकर लोगों को आमंत्रित किया और साथ ही जेल में बंद अपने नेता अरविंद केजरीवाल के लिए समर्थन जुटाने के मकसद से कैंडल मार्च की अगुवाई की। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने 21 मार्च को गिरफ्तार कर लिया था।

पिता आसिफ अली की सीट से निर्विरोध सांसद चुनी गईं आसिफा भुट्टो-जरदारी, जनता के प्रति प्रकट किया आभार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की सबसे छोटी बेटी और उनकी हमशक्ल आसिफा भुट्टो-जरदारी शुक्रवार को निर्विरोध संसद सदस्य के रूप में चुनी गई हैं। दरअसल, आसिफा ने अगले महीने होने वाले उपचुनाव के लिए सिंध प्रांत के शहीद बेनजीराबाद क्षेत्र से नेशनल असेंबली सीट एनए-207 के लिए नामांकन दाखिल किया था। बता दें, यह सीट उनके पिता आसिफ अली जरदारी के राष्ट्रपति बनने के कारण खाली हुई थी।

इन उम्मीदवारों ने वापस ली दावेदारी: रिटर्निंग कार्यालय ने एक अधिसूचना जारी की, जिसमें कहा गया कि आसिफा के खिलाफ तीन लोगों ने नामांकन दाखिल किया था। हालाकिं, बाद में तीनों उम्मीदवारों- अब्दुल रसूल ब्रोही, अमानुल्लाह और मैराज अहमद ने अपना नाम वापस ले लिया, जिसके बाद आसिफा को सांसद के रूप में निर्विरोध चुन लिया गया।

जनता का किया आभार: संसद के लिए निर्विरोध चुने जाने पर आसिफा ने कहा कि वह आभारी और सम्मानित महसूस कर रही हैं। एक्स पर ट्वीट करते हुए कहा उन्होंने कहा कि मैं समर्पण के साथ और राजनीतिक संबद्धता की परवाह किए बिना अपने निर्वाचन क्षेत्र की सर्वोत्तम सेवा करने की प्रतिज्ञा करती हूं। बता दें, आसिफा राजनीति और समाजशास्त्र में स्नातक हैं और वैश्विक स्वास्थ्य और विकास में स्नातकोत्तर हैं।

जानें, आसिफा के बारे में : उनके पास राजनीति और समाजशास्त्र में स्नातक की डिग्री और वैश्विक स्वास्थ्य और विकास में स्नातकोत्तर की डिग्री है। आसिफा ने शुरुआत में 2012 में पोलियो उन्मूलन के लिए सद्भावना राजदूत के रूप में काम किया, जिससे उनका चेहरा जनता के बीच परिचित हो गया।

पाकिस्तान की प्रथम महिला भी हैं आसिफा: हाल ही में आसिफ अली जरदारी ने पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली। इस्लामाबाद में राष्ट्रपति भवन में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान जरदारी के साथ आसिफा भुट्टो जरदारी भी थी, जिसे प्रथम महिला या फर्स्ट लेडी नामित किया गया। दरअसल, यह दर्जा राष्ट्रपति की पत्नी को दिया जाता है, लेकिन अपनी पत्नी, पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के 2007 में मौत होने के बाद से ही आसिफ अली जरदारी विधुर हैं।

केन्या में बड़ा आतंकवादी हमला, कम से कम 6 लोगों की मौत

नैरोबी/गरिसा, एजेंसी। केन्या के सीमावर्ती क्षेत्र गरिसा के धोबले शहर में अल-शबाब आतंकवादियों ने शुक्रवार को हमला कर दिया, जिसमें कम से कम छह केन्याई मारे गए। पुलिस और सरकारी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि केन्या-सोमालिया सीमा के पास गरिसा काउंटी के धोबले शहर में आतंकवादियों के हमले में एक व्यक्ति गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय काउंटी आयुक्त अली मंडुकु ने कहा कि पीड़ित, मेरु क्षेत्र के केन्याई, को सुबह के हमले के दौरान उनके कथित धार्मिक जुड़ाव के कारण निशाना बनाया गया था। मंडुकु ने फोन पर कहा,''मारे गये सभी छह केन्याई हैं जो सीमा रेखा पर व्यापार कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि उन सभी को नजदीक से गोली मारी गई। अल-शबाब समूह ने केन्या और सोमालिया के बीच सीमा क्षेत्र पर अपना अधिकार जमाना चाह रहा है। वहीं पुलिस ने दर्जनों नियोजित हमलों को विफल करते हुए क्षेत्र में अपना अभियान बढ़ा दिया है।

अमेरिका ने 27 वर्षों के बाद उठाया बड़ा कदम, नस्ल और नस्ल आधारित वर्गीकरण के तरीके बदले

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका में 27 वर्षों में ऐसा पहली बार हो रहा है, जब अमेरिकी सरकार नस्ल और नस्ल के आधार पर लोगों के वर्गीकरण के तरीके को बदल रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस बदलाव से सटीक जनगणना में मदद मिलेगी।

अमेरिका के प्रबंधन और बजट कार्यालय द्वारा गुरुवार को नस्ल और जातीयता के लिए न्यूनतम श्रेणियों में संशोधन की घोषणा की गई है। यह प्रयास अमेरिका के लोगों को एक समान दर्जा देने की दिशा में उठाया गया कदम है। इस नियम के संशोधित होने से सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव देखने को मिल सकता है। इसके अलावा इसका मकसद यह है कि अलग अलग समाजों में रह रहे लोग संघीय सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़ों में खुद को देख सकें। इसके लिए एक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें डेटा इक्विटी की वरिष्ठ निदेशक मीता आनंद ने बताया कि इससे लोग भावनात्मक रूप से प्रभावित होंगे और इस तरह हम खुद को एक समाज के रूप में देख पाएंगे।

नियमों में क्या संशोधन हुआ? :चलिए आपको बताते हैं कि नस्ल और नस्ल के आधार पर लोगों को वर्गीकृत करने के नियमों में आखिर क्या संशोधन हुए हैं।

पहले नस्ल और जाति के सवाल फॉर्म से अलग से पूछे जाते थे। अब इन सभी सवालों को एक ही फॉर्म में जोड़ दिया गया है।

अब लोगों से अपनी नस्ल या जाति के बारे में बताने के लिए एक ही सवाल पूछा जाएगा। लोग विकल्प की मदद से सवाल का उत्तर दे सकेंगे। जैसे ब्लैक, अमेरिकन इंडियन, हिस्पैनिक, मध्य पूर्वी या उत्तरी अफ्रीकन।

इसकी जरूरत आखिर क्यों पड़ी?

ऐसा इसलिए क्योंकि हाल ही में एक शोध हुआ था, जिससे पता चला था कि बड़ी संख्या में हिस्पैनिक लोग यह नहीं समझ पाते कि नस्ल के सवाल का जवाब क्या दें। दरअसल अब तक उनसे यह सवाल अलग से पूछा जाता था। इसलिए या तो वह लोग इसका उत्तर ही नहीं देते थे या 'कोई अन्य जाति' का विकल्प चुन लेते थे। अब नए विकल्पों में मध्य पूर्वी और उत्तर अफ्रीकी भी जोड़े जाएंगे। साफ है कि सभी लोगों के पास खुद को पहचानने का विकल्प होगा। ऐसे में जनगणना और भी ज्यादा सटीक हो जाएगी। आपको बता दें कि अमेरिका में यूरोप, एशिया, अफ्रीकी मूल के लोगों को हिस्पैनिक कहा जाता है। ये लोग अमेरिका में जाकर बस गए थे। साल 2020 की जनगणना के अनुसार करीब 35 लाख लोग मध्य पूर्वी और उत्तरी अफ्रीकी के रूप में पहचान रखते हैं।

अन्ना एस्कामानी ने क्या कहा?

ऑरलैंडो की डेमोक्रेट और फ्लोरिडा राज्य प्रतिनिधि अन्ना एस्कामानी का कहना है कि यह देखकर अच्छा लगता है कि मेरा परिवार भी अब सफेद बॉक्स पर निशान लगा सकता है। अब तक हमें नहीं पता था कि दूसरा बॉक्स हमारे परिवार को दर्शाता है। दरअसल अन्ना एस्कामानी के माता-पिता ईरान से हैं और कभी उन्हें भी इस समस्या से जूझना पड़ा था। इसलिए एन्ना भी चाहती थीं कि परिवर्तन हो। उन्होंने कहा ये बदलाव नीग्रो, बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक जैसे अपमानजनक कहे जाने वाले शब्दों पर भी प्रहार करेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादक: रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129